खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 24° C
न्यूनतम : 12° C

नई दिल्ली, बुधवार 25 फरवरी 2026 राष्ट्रीय संस्करण: वर्ष 23 अंक 325 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com फाल्गुन शुक्ल पक्ष 7 विक्रमी सम्वत् 2082 7 रमज़ान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

मोदी डरपोक हैं, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं : खड़गे पेज 2

आईसीसी रैंकिंग में भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिलाओं को फायदा खेल टाइम्स

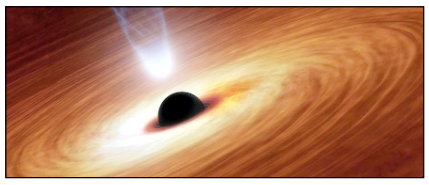

कानूनी ब्लैक होल्स की धारणा सम्पादकीय

ट्रम्प के इमरजेंसी टैरिफ की वसूली आज से बंद पेज 12

सातवां रोज़ा

अल्लाह तक पहुंचने का रास्ता दिखाता है सातवां रोज़ा

रमजान माह का पहला अशरा रहमत का माना जाता है। यानी शुरुआती दस रोजे किसी दरिया के मानिन्द हैं, जिसमें अल्लाह की रहमत का पानी बहता रहता है। रोज़ादार तक्वा को अपनाते हुए जब रोज़ा रखता है, तो वह बेशुमार नेकियों का हकदार हो जाता है। ये नेकियां सदाकत और सदाअत का सैलाब बनकर उसके लिए बख्शीश की दुआ अल्लाह से करती हैं। कुरआने पाक में जिक्र है, ऐ इंसान तू अपने परवरदिगार की तरफ खूब कोशिश करता है, सौ उससे जा मिलेगा। इस जिक्र को रोज़े की रोशनी में देखें, तो उसकी तशरीह इस तरह होगी कि रोज़ा रहमत का दरिया तो है ही, नेकी के सैलाब के साथ अल्लाह तक पहुंचने का जरिया भी है। इसको यूं भी कहा जा सकता है कि जब रास्ता लंबा हो, दुश्वारियां हों, भटकने के आसार हों, कांटों-कंकरों की चुभन से पांवों के लहूलुहान होने का डर हो तो ईमानदारी के साथ रखा गया रोजा राह को हमवार और दुश्वारियों को दरकिनार कर देता है।

संक्षिप्त समाचार

अविमुक्तेश्वरानंद ने दाखिल की अग्रिम जमानत याचिका

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दर्ज यौन उत्पीड़न के मामले में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने अधिवक्ता राजिर्ष गुप्ता, सुधांशु कुमार और श्री प्रकाश के माध्यम से उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की है। याचिका पर शीघ्र सुनवाई होने की संभावना है।

लेह जा रही स्पाइसजेट की उड़ान रास्ते से दिल्ली लौटी

नई दिल्ली। दिल्ली से लेह जा रही स्पाइसजेट की एक उड़ान इंजन में खराबी के कारण मंगलवार सुबह आधे रास्ते से दिल्ली वापस लौट आई, जहां उसकी आपात स्थिति में सुरक्षित लैंडिंग हुई। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी।

अब 8वीं के बच्चे पढ़ेंगे ज्यूडीशियरी में करप्शन क्या है

- एनसीईआरटी ने सोशल साइंस में जोड़ा नया सेक्शन
- पेंडिंग केस, पूर्व सीजेआई का भी हवाला दिया गया
- बच्चे पढ़ेंगे ऐसे मोशन पर सही जांच के बाद ही विचार किया जाता है

नई दिल्ली। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) ने 8वीं क्लास की नई सोशल साइंस टेक्स्टबुक में ज्यूडीशियरी में करप्शन पर एक सेक्शन शुरू किया है। यह पहली बार है जब 8वीं के बच्चे ज्यूडीशियरी में करप्शन क्या होता है, इसके बारे में पढ़ेंगे।

इस चैप्टर में सुप्रीम कोर्ट के 81 हजार, हाईकोर्ट्स के 62 लाख 40 हजार, डिस्ट्रिक्ट और सबऑर्डिनेट कोर्ट के 4 करोड़ 70 लाख पेंडिंग केस की संख्या भी बताई गई है। यह पिछले एडिशन के मुकाबले एक बड़ा बदलाव है। पिछले चैप्टर में ज्यादा दातर कोर्ट के स्ट्रक्चर और रोल पर फोकस किया गया था। बदले हुए चैप्टर का नाम 'हमारे समाज में ज्यूडीशियरी की भूमिका' है। इसमें कोर्ट की हायरार्की और न्याय तक पहुंच को समझाने से ज्यादा ज्यूडीशियल सिस्टम के सामने आने वाली चुनौतियों जैसे करप्शन और केस बैकलॉग को बताया गया है। करप्शन वाले सेक्शन में बताया गया है कि जज एक कोड ऑफ कंडक्ट से बंधे होते हैं, जो न केवल कोर्ट में बल्कि कोर्ट के बाहर भी उनके व्यवहार को कंट्रोल करता है। ज्यूडीशियरी के अंदरूनी अकाउंटेबिलिटी सिस्टम को भी समझाया गया है। सेंट्रलाइज्ड पब्लिक ग्रीवांस रिड्रेस एंड मॉनिटरिंग सिस्टम (सीपी ग्रेम्स) के जरिये शिकायतें लेने के तय तरीके भी बताए गए हैं। किताब के मुताबिक सीपी ग्रेम्स सिस्टम के जरिये 2017 और 2021 के बीच 1,600 ज्यादा शिकायतें मिली थीं। किताब में गंभीर मामलों में जजों को हटाने के संवैधानिक नियम के बारे में भी बताया गया है कि पार्लियामेंट इंपीचमेंट मोशन पास करके जज को हटा सकती है। बच्चे पढ़ेंगे कि ऐसे मोशन पर सही जांच के बाद ही विचार किया जाता है। इस दौरान जज को मामले में अपना पक्ष रखने का पूरा मौका दिया जाता है। चैप्टर में लिखा है कि लोग ज्यूडीशियरी के अलग-अलग लेवल पर करप्शन का सामना करते हैं। गरीबों और जरूरतमंदों की न्याय तक पहुंच की समस्या और बिगड़ सकती है। यह भी बताया है कि राज्य और केंद्र ट्रांसपेरेंसी और पब्लिक ट्रस्ट को मजबूत करने की कोशिशें कर रहे हैं। इसमें टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल और करप्शन के मामलों के खिलाफ फास्ट एक्शन लेना शामिल है।

युवा कांग्रेस अध्यक्ष चिब भी भारत मंडपम प्रदर्शन मामले में गिरफ्तार

नई दिल्ली। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब को एआई शिखर सम्मेलन के दौरान यहां भारत मंडपम में प्रदर्शन करने के आरोप में पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। युवा कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार श्री चिब को सोमवार को पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया और उसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने श्री चिब को रातभर तिलक मार्ग थाने में हिरासत में रखा और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने श्री चिब के अलावा युवा कांग्रेस के प्रदर्शनकारी सात अन्य युवाओं को पहले ही हिरासत में लेकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। राहुल गांधी ने एआई शिखर सम्मेलन के दौरान यहां भारत मंडपम में विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को तानाशाही करार दिया।

प. बंगाल मतदाता सूची संशोधन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

ओडिशा-झारखंड के सिविल जज करेंगे वेरिफिकेशन कार्य में मदद

शाह टाइम्स ब्यूरो

- तीन साल से अधिक अनुभव वाले सिविल जज, चाहे वे सीनियर डिवीजन के हों या जूनियर डिवीजन के, SIR प्रक्रिया में लगा सकते हैं
- इनका खर्च चुनाव आयोग उठाए, 80 लाख दावों का निपटारा बाकी, अंतिम मतदाता सूची 28 फरवरी को प्रकाशित होगी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम आदेश दिया है। अदालत ने कहा है कि चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखना सबसे जरूरी है। समय कम है और काम बहुत बड़ा है। ऐसे में न्यायिक अधिकारियों की संख्या बढ़ाना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को अतिरिक्त सिविल जज तैनात करने की अनुमति दे दी है। ,सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तीन साल से अधिक अनुभव वाले सिविल जज, चाहे वे सीनियर डिवीजन के हों या जूनियर डिवीजन के, एसआईआर प्रक्रिया में लगा सकते हैं। यदि इसके बाद भी मानव संसाधन की कमी हो तो झारखंड और उड़ीसा हाईकोर्ट से सेवारत या सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारियों की मदद ली जा सकती है। अदालत ने दोनों राज्यों के मुख्य न्यायाधीशों से ऐसे अनुरोध पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने को कहा है। सुनवाई के दौरान बताया गया कि अब तक 294 जिला और अतिरिक्त जिला जज एसआईआर के अंतिम चरण में तैनात किए गए हैं। इसके बावजूद यह संख्या पर्याप्त नहीं मानी गई। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि यदि एक जज रोज 250 मामलों की सुनवाई करे तो भी पूरी प्रक्रिया को पूरा करने में लगभग 80 दिन लग सकते हैं। जबकि अंतिम मतदाता सूची 28 फरवरी को प्रकाशित होनी है। इसलिए समय की भारी कमी है। मुख्य न्यायाधीश अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर और जूनियर डिवीजन) तैनात कर सकते हैं, जिनके पास कम से कम तीन साल का अनुभव हो। पहले से तैनात जिला और अतिरिक्त जिला जजों के अलावा जरूरत के अनुसार और न्यायिक अधिकारी लगाए जा सकते हैं। यदि राज्य में उपलब्ध जज पर्याप्त न हों तो झारखंड और उड़ीसा हाईकोर्ट से सेवारत या सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारियों की मदद मांगी जा सकती है। झारखंड और उड़ीसा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से ऐसे अनुरोध पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने को कहा गया है। तैनात न्यायिक अधिकारी एसआईआर प्रक्रिया में आए दावों और आपत्तियों की निगरानी और सत्यापन में मदद करेंगे। पूरी प्रक्रिया समयबद्ध और निष्पक्ष तरीके से पूरी की जाए, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

अब केरलम के नाम से जाना जाएगा केरल, कैबिनेट की मंजूरी

पीएम के नए ऑफिस सेवा तीर्थ में हुई पहली मीटिंग

शाह टाइम्स ब्यूरो

- रेल-मेट्रो और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स के लिए 12,236 करोड़ रुपये मंजूर

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के नए ऑफिस सेवा तीर्थ में मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक हुई। इसमें कुल 12,236 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ने मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में तीन रेल प्रोजेक्ट समेत कुल 8 फैसले लिए हैं। बैठक में पावर सेक्टर में सुधारों पर पॉलिसी से जुड़े फैसले हुए और केरल सरकार के राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

केरल में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। कैबिनेट ने तीन नए रेल प्रोजेक्ट के तहत गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन के डबलिंग, गम्हरिया-चांडिल और पुनारख-किऊल के बीच तीसरी-चौथी रेल लाइन को मंजूरी दी है। साथ ही श्रीनगर में एक नया एयरपोर्ट टर्मिनल बनेगा और अहमदाबाद मेट्रो के फेज 2बी का एक्सटेंशन होगा। कैबिनेट से मंजूरी के बाद अब राष्ट्रपति 'केरल (नाम में बदलाव) बिल, 2026' को संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत केरल विधानसभा की राय के लिए भेजेंगे। विधानसभा की राय मिलने के बाद, सरकार संसद में बिल पेश करेगी। संसद से पास होने पर राज्य का नाम आधिकारिक रूप से केरलम हो जाएगा। केरल विधानसभा से 24 जून 2024 को प्रस्ताव पास हुआ था। इस प्रस्ताव के मुताबिक केरल का असल में मलयाली भाषा में नाम केरलम है।

कच्चे जूट की एमएसपी में 275 रुपये का इजाफा, नया दाम 5,925 रुपये प्रति क्विंटल

नई दिल्ली। सरकार ने विपणन सीजन 2026-27 के लिए कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को 275 रुपये क्विंटल बढ़ाते हुए 5,925 प्रति क्विंटल तय कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 'सेवा तीर्थ' में मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई पहली बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को यह जानकारी दी। विपणन सीजन 2026-27 के लिए कच्चे जूट का घोषित यह समर्थन मूल्य, साल 2018-19 के बजट में घोषित लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर एमएसपी तय करने के सिद्धांत के अनुरूप है।

योगी के दौरे का दूसरा दिन: एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लिए निवेश आमंत्रण

- सीएम ने सिंगापुर के डिप्टी पीएम सहित कई नेताओं से भेंट की

सिंगापुर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री एवं व्यापार और उद्योग मंत्री तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के समन्वय मंत्री और गृह मंत्री से मुलाकात की।

उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति में हुई इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य उप्र को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की दिशा में सिंगापुर की विशेषज्ञता और निवेश को आकर्षित करना रहा। चर्चा का केंद्र शहरी नियोजन, आंतरिक सुरक्षा ढांचे और डिजिटल गवर्नेंस में सहयोग बढ़ाने पर रहा। डिप्टी पीएम गान किम योंग के साथ हुई बातचीत में सीएम ने उप्र के 'प्रो-बिजनेस' वातावरण, व्यापक लैंड बैंक और जल्द शुरू होने जा रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की रणनीतिक कनेक्टिविटी का उल्लेख किया।

हल्द्वानी अतिक्रमण विवाद: जमीन रेलवे की है, अतिक्रमणकारी शर्तें तय नहीं कर सकते

शाह टाइम्स ब्यूरो

- सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड विधिक सेवा प्राधिकरण को शिविर लगाने का दिया निर्देश

नई दिल्ली/हल्द्वानी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उत्तराखंड विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह एक शिविर लगाए, ताकि रेलवे परियोजना के लिए आवश्यक सरकारी जमीन पर रह रहे और बेदखली का सामना कर रहे परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पुनर्वास के लिए आवेदन कर सकें।

याचिकाकर्ताओं के आग्रह पर कोर्ट ने कहा कि यह शिविर 15 मार्च के बाद लगाया जाए, क्योंकि उन्होंने इसे रमजान के महीने के बाद आयोजित करने की मांग की थी। शीर्ष कोर्ट ने नैनीताल के जिला कलेक्टर और अन्य राजस्व अधिकारियों को आवश्यक सहायता देने का निर्देश दिया। यह पूरी प्रक्रिया 31 मार्च से पहले पूरी की जानी है। शीर्ष कोर्ट ने यह भी कहा कि जिला कलेक्टर हर परिवार की योजना के तहत पात्रता तय करें और अपनी रिपोर्ट कोर्ट में पेश करें। सीजेआई सूर्यकांत और जायमाल्या बागची की बेंच दिसम्बर 2022 में उत्तराखंड हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें हल्द्वानी में सार्वजनिक जमीन पर कथित रूप से कब्जा करने वाले करीब 50 हजार लोगों को हटाने का निर्देश दिया गया था।

पवन हंस का हेलीकॉप्टर समुद्र में गिरा, सभी 7 लोग सुरक्षित

शाह टाइम्स ब्यूरो

- प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी की आशंका जताई गई

नई दिल्ली। विमानन क्षेत्र की सरकारी कंपनी पवन हंस का एक हेलीकॉप्टर मंगलवार सुबह मायाबंदर के पास समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि हेलीकॉप्टर में सवार सभी सात लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया।

अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा सुबह लगभग 9:30 बजे हुआ। हेलीकॉप्टर ने श्री विजया पुरम से सुबह करीब 8:45 बजे उड़ान भरी थी और लगभग 45 मिनट बाद समुद्र में गिर गया। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी की आशंका जताई गई है। एक वरिष्ठ नागरिक उड्डयन अधिकारी ने बताया कि तकनीकी गड़बड़ी के बाद पायलट ने सुझबूझ दिखाते हुए पानी पर क्रैश लैंडिंग की। सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को समुद्र से सुरक्षित निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों का इलाज डा. राजेंद्र प्रसाद अस्पताल में चल रहा है। नागरिक उड्डयन निदेशक नितेश रावत ने बताया कि पायलट सहित कुल सात लोग सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। पायलट का बयान अभी दर्ज किया जाना बाकी है। प्रशासन घायलों को श्री विजया पुरम स्थानांतरित करने की कोशिश कर रहा है। घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

लोकसभा अध्यक्ष ने 64 पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप्स बनाए

- हर ग्रुप में एक लीडर समेत 11 सांसद
- फ्रांस में थरूर, जापान में अखिलेश यादव नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने मंगलवार को 64 देशों के साथ पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप्स (पीएफजी) का गठन किया है। इन ग्रुप्स का मकसद दूसरे देशों के साथ संसदीय कूटनीति को मजबूत करना और वैश्विक मंच पर भारत की संसद की एकजुट लोकतांत्रिक आवाज पेश करना है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पीएम मोदी ने भारत और अन्य देशों के बीच संवाद बढ़ाने के लिए पीएफजी बनाने का प्रस्ताव दिया था। अब लोकसभा अध्यक्ष ने इसका गठन किया है। 64 ग्रुप्स में लोकसभा और राज्यसभा के कुल 704 सांसद हैं। हर ग्रुप में एक लीडर और 10 सदस्य हैं। इनमें भाजपा के सबसे ज्यादा 30 ग्रुप लीडर हैं। कांग्रेस के 10, समाजवादी पार्टी, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 3-3 सांसद ग्रुप लीडर बनाए गए हैं। भाजपा की तरफ से ग्रुप लीडर्स में हेमा मालिनी, मनोज तिवारी, निशिकांत दूबे जैसे बड़े नाम शामिल हैं। कांग्रेस से शशि थरूर, टीएमसी से अभिषेक बनर्जी और एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन औवेसी भी ग्रुप लीडर बनाए गए हैं। हालांकि, पीएफजी के सदस्य कैसे काम करेंगे, अभी इसकी औपचारिक जानकारी नहीं दी गई है। केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनियाभर में भारत का पक्ष रखने के लिए 17 मई 2025 को 59 सदस्यों वाले डेलिगेशन की घोषणा की थी। इसमें 51 नेता और 8 राजदूत थे। एनडीए के 31 और 20 दूसरे दलों के नेता थे, जिसमें 3 कांग्रेस नेता भी थे। ये डेलिगेशन दुनिया के 33 देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्य देशों में गया और वहां ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का पक्ष रखा। इस डेलिगेशन को 7 ग्रुप में बांटा गया था। हर ग्रुप में एक सांसद को लीडर बनाया गया। प्रत्येक ग्रुप 8 से 9 सदस्य थे। इनमें 6-7 सांसद, सीनियर लीडर (पूर्व मंत्री) और राजदूत शामिल थे।

तुरन्त आवश्यकता

इंडस्ट्रियल एरिया, बिजनौर स्थित फैक्ट्री के लिये

- अलमीरा कारीगर-10
- पार्टिकल बोर्ड के लिये कारपेंटर-4
- सुपरवाइजर मशीन चलाने हेतु- 2

सम्पर्क करें- मो. 7017517607, 9389076177

संक्षिप्त समाचार

शंकराचार्य मामले में कांग्रेस आज यूपी में प्रदर्शन करेगी

वाराणसी। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने शंकराचार्य मामले में पीएम मोदी से हस्तक्षेप की मांग की है, साथ ही कहा कि कल(आज)कांग्रेसी पूरे प्रदेश में प्रदर्शन कर जिलाधीशों के जरिए पीएम को ज्ञापन सौंपेंगे। प्रयागराज में दर्ज हुए मुकदमे में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गिरफ्तारी कब होगी इसे लेकर संशय बना हुआ है। सोमवार को पूरे दिन चली हलचल के बीच शंकराचार्य की गिरफ्तारी नहीं हुई और देर रात तक इस पर लोगों की निगाह बनी रहीं। आज भी इस मामले में अब तक गिरफ्तारी की अफवाह चल रही है, लेकिन पुलिस टीम कहां है यह नहीं पता।

राष्ट्र विरोधी ताकतों की भाषा बोल रहे राहुल: अनुराग

धर्मशाला। पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर से लोकसभा सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उनके नाम की नई फुल फॉर्म बता दी है। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज राहुल का मतलब है रा से रार, हुश से हुड़दंग और ल से लफंगई। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की राजनीति अब केवल टकराव, विरोध और भ्रम फैलाने तक सीमित रह गई है। ठाकुर ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ अपनी भूमिका निभानी चाहिए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी अब राष्ट्र विरोधी ताकतों की भाषा बोल रहे हैं। ऐसा लगता है मानो राहुल अब राष्ट्र विरोधी ताकतों के प्रवक्ता बन गए हैं। जब भारत वैश्विक मंचों पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, तब देश को कमजोर दिखाने की कोशिश करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

सरकार ने पावर ग्रिड के पूंजी निवेश के अधिकार को बढ़ाया: वैष्णव

नई दिल्ली, वार्ता

केंद्रीय मंत्रिमडल ने महारत्न का दर्जा प्राप्त केंद्रीय उपक्रम पावरग्रिड के लिए अनुषंगी कंपनियों में शेयर पूंजी निवेश की सीमा बढ़ाने के प्रस्ताव को मंगलवार को मंजूरी दी। इससे वह अपनी किसी भी अनुषंगी में 7500 करोड़ रुपये तक का निवेश कर सकेगी, जबकि अभी तक यह सीमा 5000 करोड़ रुपये थी।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की बैठक के बाद सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कैबिनेट कमेटी ने महारत्न केंद्रीय लोक उपक्रमों पर वर्तमान में लागू लोक उपक्रम विभाग के 4 फरवरी, 2010 के दिशानिर्देशों के तहत पावरग्रिड को ज्यादा अधिक. ार देने को मंजूरी दे दी है। इससे पावरग्रिड की प्रति अनुषंगी शेयर-पूंजी निवेश सीमा 5,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 7,500 करोड़ रुपये प्रति सब्सिडियरी कर दी गई है। यह छूट कंपनी की नेट वर्थ के 15 प्रतिशत की मौजूदा सीमा के अंदर ही होगी। वैष्णव ने बिजली क्षेत्र के लिए ग्रिड की सुविधा के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि विद्युत पारेषण ग्रिड में जिस तरह से पिछले दशक में निवेश हुआ है, उसके कारण भारत का ग्रिड आज दुनिया के सबसे मजबूत ग्रिड में गिना जाता है। इस तरह के ग्रिड की सहायता से आज देश में कुल विद्युत उत्पादन क्षमता में स्वच्छ बिजली उत्पादन, नवीकरणीय बिजली उत्पादन की क्षमता 50 प्रतिशत से अधिक हो गई। श्री वैष्णव ने कहा कि यह लक्ष्य दुनिया के बहुत से समृद्ध देश भी प्राप्त कर सके हैं, हमने 2030 के लक्ष्य को 2025 में ही प्राप्त कर लिया। नवीकरणीय ऊर्जा के लिए ग्रिड को बहुत सशक्त होना पड़ता है, उसके लिए ग्रिड में लगातार और निवेश की जरूरत पड़ती है।

श्रीनगर हवाई अड्डे पर बनेगा नया एकीकृत टर्मिनल

नई दिल्ली, वार्ता

मंत्रिमंडल की बैठक में 1,677 करोड़ की परियोजना को दी मंजूरी

जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में 1,677 करोड़ रुपये की लागत से नया एकीकृत हवाई अड्डा टर्मिनल बनेगा, जिसकी सालाना क्षमता एक करोड़ यात्रियों की होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने 73.18 एकड़ में हवाई अड्डे के नए सिविल एन्क्लेव की परियोजना को स्वीकृति प्रदान की। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के फैसलों की जानकारी देते हुए संवाददाताओं को बताया कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद वहां परिस्थितियां बदली हैं और लोग वहां जाना चाहते हैं। हवाई यात्रा, रेल और सड़क मार्ग से यात्रा की मांग बढ़ी है। इसी के मद्देनजर टर्मिनल की क्षमता बढ़ाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है। परियोजना चार साल में पूरी होगी और इसका पूरा खर्च एएआई उठाएगा। परियोजना में सुरक्षा कर्मियों के लिए बैरकों का निर्माण भी शामिल है। भारतीय वायु सेना के बडगाम एयरबेस परिसर में स्थित इस हवाई अड्डे का संचालन भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) करता है जबकि 3,658 किमी के रनवे का संचालन वायु सेना द्वारा किया जाता है।

साल 2005 में इसे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा घोषित किया गया था। यह श्रीनगर शहर से लगभग 12 किलोमीटर दूर है। श्री वैष्णव ने बताया कि नया टर्मिनल भवन 71,500 वर्ग मीटर में फैला होगा जो मौजूदा ढांचे (20,659 वर्ग मीटर) से काफी बड़ा है। इसे व्यस्ततम समय में प्रति घंटे 2,900 यात्रियों (वर्तमान में 950 यात्री) को सेवा देने के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी सालाना क्षमता बढ़कर एक करोड़ यात्रियों की हो जाएगी। नए टर्मिनल में स्थानीय संस्कृति की झलक भी दिखेगी।

नए सिविल एन्कलेव में सीआईएसएफ के 1,344 कर्मचारियों और एएआई के कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा होगी। टर्मिनल भवन के अलावा हवाई अड्डे के एप्रन का भी विस्तार किया जाएगा, जिसमें 15 विमानों के लिए पार्किंग-बे (एक वाइडबॉडी/कोड ई सहित) उपलब्ध होंगे। वर्तमान में वहां नौ पार्किंग-बे हैं, जबकि छह नए पार्किंग-बे का निर्माण किया जाएगा। एक हजार कारों की क्षमता वाला बहु-स्तरीय कार पार्किंग परिसर भी बनेगा। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नए टर्मिनल भवन में पारंपरिक नक्काशीदार लकड़ी के काम और स्थानीय शिल्पकला से प्रेरित तत्वों को शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही विशाल लाउंज तथा उन्नत सुरक्षा और चेक-इन सुविधाओं के माध्यम से परिचालन में दक्षता सुनिश्चित की जाएगी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने युकांइयों की गिरफ्तारी की निंदा की

मोदी डरपोक हैं, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं: खड़गे

नई दिल्ली, वार्ता

पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के आगे घुटने टेके, यूएस से डील करके भारतीय किसानों का नुकसान किया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भारत मंडपम में विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सीधा हमला किया और कहा कि कांग्रेस और उसके कार्यकर्ता नहीं, बल्कि मोदी खुद डरपोक हैं, जो संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेने से भी डरते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सामने घुटने टेकने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर किसानों का नुकसान किया है और उसके खिलाफ जब युवा कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हैं, तो उन्हें डराने के लिए गिरफ्तार किया जाता है लेकिन कांग्रेस डरने वाली नहीं है। श्री खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा ष्युवा आज नौकरी के लिए तड़प रहे हैं और देश का माहौल इतना खराब हो चुका है, जिसके कारण मोदी जी के प्रति लोगों में भारी रोष है।

ट्रम्प के सामने उन्होंने घुटने टेक दिए। नाक रगड़कर उनकी सारी शर्तों को मान लिया, जिससे पूरा देश शर्मिंदा हो गया। जो काम हमारे किसानों की भलाई और मदद के लिए किया जाना चाहिए था, उसकी बजाय किसानों का नुकसान करने की बातचीत की गई। इससे यह भी साफ हो गया है कि लोग समझते थे कि मोदी जी देश के हित में ट्रम्प से बात कर रहे हैं, लेकिन हकीकत में ट्रम्प हमें गुलाम बना रहा है और हमें बंधुआ मजदूर बनाने की दिशा में धकेला जा रहा है। यह काम मोदी जी कर रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा- कांग्रेस डरने वाली नहीं है और न ही डरपोक है। मोदी साहब खुद डरपोक हैं। डर के कारण वे संसद में आकर अपनी नीतियों का बचाव भी नहीं कर पाते। इसलिए वे हमें डराने की कोशिश कर रहे हैं, हमारे युवाओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं, हमारे युवा नेताओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं। यह नहीं चलेगा। मैं इसकी निंदा करता हूं। हमारे देश में लो. कतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जो भी त्याग करना पड़ेगा, हम करेंगे। हम लड़ते रहेंगे और देश को गिरवी रखने वाले लोगों के खिलाफ संघर्ष जारी रखेंगे।

गिरफ्तारी परेशान करने की राजनीति और लोकतंत्र की हत्या: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को लोकतंत्र की हत्या करार देते हुए इसकी कड़ी निंदा की और कहा कि यह सब असली मुद्दों से ध्यान भटकाने तथा परेशान करने वाली राजनीति का हिस्सा है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने मंगलवार को यहां जारी बयान में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को अवैध बताया और कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं की गिरफ्तारी लोकतंत्र की हत्या है।

उन्होंने इसे डराने की राजनीति बताया और कहा कि कांग्रेस इससे डरने वाली नहीं है। रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब और उनके साथी कार्यकर्ताओं की खुलेआम अवैध गिरफ्तारी की कांग्रेस कड़े शब्दों में निंदा करती है। साफ तौर पर यह एक शांतिपूर्ण और वैध विरोध प्रदर्शन था। प्रधानमंत्री स्पष्ट रूप से एप्सटीन फाइल्स में हुए खुलासों से विचलित हैं। साथ ही उन्हें किसानों के बढ़ते आक्रोश का भी सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्होंने उनके साथ विश्वासघात किया है और व्यापार समझौते के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि यह सब परेशान करने की राजनीति के अलावा कुछ नहीं है।

ईरान में फंसे छात्रों से घर लौटने का किया आग्रह

श्रीनगर, वार्ता

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने ईरान पर अमेरिका के संभावित हमले की आशंकाओं को देखते हुए वहां से जम्मू-कश्मीर के छात्रों और निवासियों से तुरंत घर लौटने का आग्रह किया है।

भारत द्वारा अपने नागरिकों को उपलब्ध साधनों का उपयोग कर ईरान छोड़ने के लिए जारी की गई नई सलाह पर प्रतिक्रिया देते हुए अब्दुल्ला ने मंगलवार को चेतावनी दी कि हवाई क्षेत्र बंद होने या संघर्ष के कारण यात्रा बाधित होने की स्थिति में देरी से परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अब्दुल्ला ने श्रीनगर में पत्रकारों से कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर के छात्रों से कहना चाहता हूं कि वे तुरंत निकल जाएं। अन्यथा, कल जब हवाई क्षेत्र बंद हो जाएगा, तो उनके माता-पिता और परिवार वाले चिंता और घबराहट फैलाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने उन्हें सलाह दी कि हालात बिगड़ने से पहले ही लौट जाएं, क्योंकि बाद में निकासी मुश्किल हो सकती है। उन्होंने आगे कहा कि उस स्थिति के उत्पन्न होने से पहले ही निकल जाना बेहतर है, क्योंकि बाद में उन्हें निकालने वाला कोई नहीं होगा। उन्हें अपना सामान पैक करके घर लौट आना चाहिए। भारतीय दूतावास ने सोमवार को जारी अपनी नवीनतम सलाह में अपने नागरिकों से उपलब्ध परिवहन साधनों, जिनमें वाणिज्यिक उड़ानें भी शामिल हैं, के ईरान छोड़ने का आग्रह किया है।

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 82225.92 | निफ्टी 25424.65 | सोना 160394 प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट) | चांदी रु. 263917 प्रति किलो

शेयर बाजारों में गिरावट, प्रमुख सूचकांक तीन सप्ताह के निचले स्तर पर

मुंबई, वार्ता

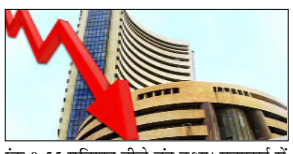

अमेरिकी आयात शुल्क को लेकर नए सिरे से बनी अनिश्चितता के कारण घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को गिरावट देखी गई और प्रमुख सूचकांक तीन सप्ताह से अधिक के निचले स्तर पर बंद हुए।

बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,068.74 अंक (1.28 प्रतिशत) लुढ़ककर 82,225.92 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी.50 सूचकांक भी 228.35 अंक यानी 1.12 प्रतिशत की गिरावट में 25,424.65 अंक पर रहा। यह दोनों सूचकांकों का 02 फरवरी के बाद का निचला स्तर है। अमेरिका में आयात शुल्क को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों में गिरावट रही जिसका असर घरेलू बाजारों पर भी देखने को मिला। मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांकों में अपेक्षाकृत कम गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचक. ांक 0.32 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचक. ांक 0.55 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। एनएसई में जिन 3,270 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, उनमें से 2,101 के शेयर गिरावट में और 1,068 के बढ़त में रहे। अन्य 101 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अतत: अपरिवर्तित रहे। अमेरिका में बीते दिन आईटी कंपनियों पर खासा दबाव रहा था। इससे निफ्टी आईटी सूचकांक 4.74 प्रतिशत टूट गया। रियलटी, रसायन और मीडिया सेक्टरों में भी ज्यादा गिरावट रही। ऑटो और निजी बैंकों के सूचकांक भी लाल निशान में रहे। एफएमसीजी, फार्मा, सार्वजनिक बैंकों, तेल एवं गैस और स्वास्थ्य सेक्टरों में तेजी रही। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर 6. 60 प्रतिशत टूट गया।

सोना और चांदी के धड़ाम से गिरे दाम

नई दिल्ली। मंगलवार की सुबह सोने और चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज(एमसीएक्स) पर 2 अप्रैल 2026 की एक्सपायरी वाला सोना आज सुबह 1,204 (0.75 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 160,394 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है, वहीं चांदी की कीमतों में भी आज कटौती देखी गई है। 5 मार्च 2026 की एक्सपायरी वाली चांदी आज 1,416 (0.53 प्रतिशत) फिसलकर 263,917 प्रति किलो पर आ गई है। ग्लोबल मार्केट के दबाव और निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते आज सर्राफा बाजार में दाम नीचे आए हैं, जिससे खरीदारों को थोड़ी राहत मिली है। आज दिल्ली में 24 कैरेट सोना 16,193 प्रति ग्राम, 22 कैरेट सोना14,845 प्रति ग्राम और 18 कैरेट सोना 12,149 प्रति ग्राम बिका। कॉमेक्स पर अप्रैल डिलीवरी वाले सोने का वायदा भाव 1.1 प्रतिशत गिरकर 5,170.70 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, जबकि स्पॉट गोल्ड 1.5 प्रतिशत गिरकर 5,150.38 डॉलर प्रति औंस पर रहा। दिन में इससे पहले सोना तीन सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंचा था। स्पॉट सिल्वर 3.1 प्रतिशत गिरकर 85.50 डॉलर प्रति औंस पर आ गई, जो पिछले सत्र में दो सप्ताह के उच्च स्तर पर थी। एक एक्सपर्ट के अनुसार सोने को 1,60,600 रुपए और 1,58,800 रुपए पर सपोर्ट मिल सकता है।

चावल, गेहूं और चीनी मजबूत दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए। गेहूं और चीनी की कीमतों में भी तेजी रही। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 13 रुपये बढ़कर 3,859 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं का भाव दो रुपये बढ़ा और यह 2,849 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा भी चार रुपये महंगा हुआ।

दाल-दलहनों में मिलाजुला रुख रहा। तुअर दाल की औसत कीमत 37 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। उड़द दाल में 31 रुपये और मूंग दाल में 15 रुपये की तेजी रही। चना दाल 14 रुपये महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत तीन रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 29 रिंगिट टूटकर 4,054 रिंगिट प्रति क्विंटल पर रहा। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.12 प्रतिशत की गिरावट में 59.81 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल की औसत कीमत 26 रुपये और वनस्पति की 22 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। पाम ऑयल नौ रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मूंगफली तेल की कीमत 39 रुपये और सरसों तेल की 17 रुपये प्रति क्विंटल घट गई। सोया तेल 14 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव 26 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए। चीनी भी सात रुपये महंगी हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7784.19 रुपये, मसूर काली 8086.69 रुपये, मूंग दाल 10140.11 रुपये, उड़द दाल 10717.51 रुपये, तुअर दाल 11163.10 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अखिलेश यादव पर बीजेपी का हमला

शाह टाइम्स ब्यूरो

अपने दम पर सरकार बनाने की बात क्यों नहीं कर रहे सपा सुप्रीमो: पंकज

लखनऊ। यूपी बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा जाति की राजनीति करती है। जनता उन्हें समझ चुकी हैं और जवाब जरूर देगी। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का ये बयान उनकी हताशा और निराशा का परिचायक है। वो अपने दम पर सरकार बनाने की बात नहीं कर रहे हैं।

पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा सर्व समाज की पार्टी है और बगैर किसी भेदभाव के काम करती है। बीजेपी की सरकार ने यूपी में जंगल राज को तिलांजलि देने का काम किया है। सपा जिस तरह से जाति और धर्म के आधार पर राजनीति कर रही उसे जनता समझ चुकी है और इसका जवाब जरूर देगी। सपा अध्यक्ष द्वारा एसआईआर को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर पंकज चौधरी ने कहा कि वो इसके विरोध में कभी सड़क, तो कभी संसद में हल्ला करते हैं। उत्तर प्रदेश में 2 करोड़ 88 लाख वोट कटा है, तो उसमें सभी विधानसभा में 70 से 75 हजार वोट भाजपा के भी कटे हैं। एसआईआर चुनाव आयोग का काम है और कहीं न कहीं यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। शंकराचार्य विवाद को लेकर अखिलेश यादव द्वारा किए जा रहे हमलों पर पंकज चौधरी ने कहा कि उनके संगठन में सभी को साथ लेकर चलने की परंपरा है। साधु-संतों का वे लोग सम्मान करते हैं, उन्हें नहीं लगता है कि संगठन में कोई कार्यकर्ता ऐसा है,जो उनका विरोधी है। वे सबको साथ लेकर चलने की विचारधारा रखते हैं, प्रदेश में भी वह सब को साथ लेकर चलेंगे। भाजपा के कार्यकर्ता 365 दिन काम करते हैं, जनता की सेवा करते हैं। उन्होंने कहा कि सालभर के अंदर चुनाव आने वाला है और चुनाव के दृष्टिकोण से हमारे कार्यकर्ता सदैव तैयार रहते हैं। जहां तक रणनीति की बात है, तो अभी समय है। सरकार और संगठन में कोई मतभेद नहीं है, दोनों मिलकर के कार्य कर रहे हैं। जहां सरकार का कार्य होता है, वहां सरकार कार्य करती है, संगठन का कार्य है योजनाओं को जनता के बीच ले जाकर उसे जमीनी धरातल पर लोगों के बीच पहुंचाना है।

वहीं कैबिनेट मंत्री संजय निषाद भदोही में निषाद पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे थे, जहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए शंकराचार्य विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी और अखिलेश यादव पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा नेतृत्व ने जो बयान दिया है, उससे ही साफ है कि उनके पास खुद सरकार बनाने की ताकत नहीं है। संजय निषाद ने कहा कि इससे स्पष्ट है कि सपा नेतृत्व खुद को कमजोर मान रहा है और दूसरों के सहारे सत्ता में आने का सपना देख रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे हैं। एक बात तो साफ है कि पीडीए संकट में ही है और यदि यही स्थिति रही, तो 2027 के चुनाव में उनका सूपड़ा साफ हो जाएगा।

भाजपा से असंतुष्ट सपा के बागियों की होगी घर वापसी

समाजवादी पार्टी ने अपने बागी विधायकों की वापसी को लेकर मुलायम रुख अपनाया

शाह टाइम्स ब्यूरो

सत्ताधारी दल से अपेक्षित महत्व न मिलने पर कुछ विधायक असहज: भाजपा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अब सभी राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी ने अपने बागी विधायकों की वापसी को लेकर सॉफ्ट स्टैंड अपनाया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, जो विधायक जिस परिस्थिति में पार्टी से अलग हुए थे, वे उसी रास्ते से वापसी कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए उन्हें पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण साबित करना होगा।

भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि पार्टी के भीतर यह चर्चा तेज है कि सत्ताधारी दल में अपेक्षित महत्व न मिलने से कुछ बागी विधायक असहज हैं और उन्होंने दोबारा संपर्क साधना शुरू किया है। सूत्रों का कहना है कि सपा नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया है कि वापसी की राह बंद नहीं है, लेकिन इसके लिए व्यवहारिक प्रमाण देना होगा। आगामी राज्यसभा चुनाव को बागी विधायकों की वापसी की कसौटी माना जा रहा है।

उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की 10 सीटों पर 25 नवम्बर को मतदान प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि यदि बागी विधायक सपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करते हैं, तो उनके लिए पार्टी में पुन: एंट्री का रास्ता आसान हो सकता है। सूत्रों के अनुसार समा. जवादी पार्टी की ओर से किसी लिखित माफीनामे की शर्त नहीं रखी गई है, बल्कि राजनीतिक आचरण को ही निष्ठा की असली परीक्षा माना जाएगा। 2024 के राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग कर भारतीय जनता पार्टी को समर्थन देने वाले समाजवादी पार्टी के सात विधायकों को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि ये विधायक दोबारा सपा में वापसी की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, कुछ विधायकों ने इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए कड़ा रुख अपनाया है। अभय सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से स्पष्ट किया कि वे सपा में वापस नहीं जा रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उन्हें प्रभु श्री राम मिल गए हैं और अब माया की जरूरत नहीं है। वहीं राकेश प्रताप सिंह ने इन खबरों को भ्रामक और उनकी छवि धूमिल करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि उनका रोम-रोम राम भक्ति में है और सपा में वापसी की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ वे विधिक कार्रवाई करेंगे। गौरतलब है कि 2024 के राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वालों में मनोज पांडेय, राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह, पूजा पाल, विनोद चतुर्वेदी और आशुतोष मौर्य शामिल थे। इस घटनाक्रम के बाद सपा ने मनोज पांडेय, अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह और पूजा पाल को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। अब बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच सपा नेतृत्व रणनीतिक रूप से संगठन को मजबूत करने और असंतुष्ट नेताओं को साधने की दिशा में कदम बढ़ाता दिख रहा है। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पहले ही यह संकेत दे चुके हैं कि संगठन सर्वोपरि है और जो भी पार्टी की विचारधारा और अनुशासन को स्वीकार करेगा, उसके लिए दरवाजे बंद नहीं हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राज्यसभा चुनाव से पहले सपा का यह कदम विपक्षी एकजुटता और संगठनात्मक मजबूती की दृष्टि से अहम साबित हो सकता है।

लापता लड़की को बरामद कर परिवार से मिलवाया

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने पंद्रह वर्षीय लापता/किडनैप हुई लड़की को बरामद कर उसके परिवार वालों से मिलवा दिया है।पीड़िता अपने माता-पिता को बताए बिना अपने दोस्तों के साथ देवरिया,चली गई थी। दिल्ली पुलिस उपायुक्त (अपराध) पंकज कुमार ने बताया कि 19 फरवरी को आदर्श नगर थाने के इलाके से पंद्रह साल की नाबालिग लड़की की किडनैपिंग/लापता होने की रिपोर्ट मिली थी। इसके बाद आदर्श नगर,थाने के तहत मामला दर्ज किया गया ।यह घटना चिंता की बात थी, क्योंकि पीड़िता नाबालिग थी। दिल्ली पुलिस की नोडल एजेंसी होने के नाते एसीपी सुरेश कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर मुकेश कुमार के नेतृत्व में एएसआई महेश कुमार और महिला हेड कांस्टेबल सीमा की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने पड़ोसी, रिश्तेदार और घर के लोगों से मिली जानकारी और टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर, पीड़िता को कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन के पास गेट नंबर 4 से ट्रेस कर लिया।

प्रॉपर्टी के नकली कागजात तैयार कर 35 लाख रुपये ठगे, पीओ गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने जालसाजी और धोखाधड़ी मामले के पीओ को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर पीड़ित से लगभग 35 लाख रुपये ठगे थे।

दिल्ली पुलिस उपायुक्त (अपराध) पंकज कुमार ने बताया कि एक शिकायत के अनुसार आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर बेगमपुर ई -ब्लॉक, में एक खाली प्लॉट को बेचने की साजिश रची, जिसके लिए उसने जाली प्रॉपर्टी चेन के डॉक्यूमेंट्स तैयार कर एक नकली व्यक्ति को मालिक बताया गया और बुध विहार में एक प्रॉपर्टी ऑफिस के जरिए ट्रांजैक्शन कर दिए।बाद में, पता चला कि डॉक्यूमेंट्स जाली थे और आरोपी ने पीड़ित को धोखा दिया था। इसके बाद विजय विहार,थाने के तहत रजिस्टर किया गया था।इसी बीच 23 फरवरी को अपराध शाखा के एसआई प्रदीप दहिया को गुप्त सूचना मिली कि जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले में पीओ दीपक उर्फ घ्ट्टूडा (33) किसी से मिलने रोहिणी सेक्टर-13, आएगा।इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, एसीपी सुरेश कौशिक की देखरेख में इंस्पेक्टर नीरज शर्मा के नेतृत्व में टीम ने जानकारी वाली जगह पर अपना जाल बिछाकर आरोपी दीपक उर्फ टूडा,को पकड़ लिया। पुलिस पूछताछ के दौरान उसने विजय विहार थाने के तहत दर्ज जालसाजी और धोखाधड़ी के एक मामले में अपना हाथ कबूल किया। पुलिस ने बताया किआरोपी दीपक उर्फ टूडा प्रॉपर्टी डीलिंग और स्क्रैप का बिजनेस करता है।उसने अपने साथियों के साथ मिलकर उसने नकली प्रॉपर्टी के कागजात तैयार किए और शिकायत करने वाले से करीब 35 लाख रुपये ठगे, जिसमें से उसे काफी रकम मिली और उसने आपस में बांट ली।

मुख्यमंत्री ने मुंडका में 264 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का किया शिलान्यास

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुंडका विधानसभा क्षेत्र में लगभग 264 करोड़ रुपये की 49 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर उत्तर पश्चिमी दिल्ली के सांसद योगेंद्र चंदोलिया, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, मुंडका के विधायक गजेंद्र सिंह दराल, दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड के अध्यक्ष राजकुमार चौहान सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि ये सभी परियोजनाएं दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड (डीवीडीबी), मुख्यमंत्री विकास कोष (सीएमडीएफ), विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि (एमएलएएडी) और अन्य मदों के अंतर्गत स्वीकृत की गई हैं।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इन कामों के पूरा होने से इलाके में सड़कों और यातायात की सुविधा बेहतर होगी। लोगों को साफ पीने का पानी मिलेगा और सीवर व्यवस्था भी सुधरेगी। साथ ही, स्कूल और स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होंगी, जिससे आम लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि ये सभी योजनाएं ग्रामीण दिल्ली को शहर जैसी सुविधाएं देने की दिशा में बड़ा कदम हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि ग्रामीण क्षेत्र में पिछले एक वर्ष में लगभग 1600 करोड़ के विकास कार्य प्रारंभ किए गए हैं।मुख्यमंत्री ने बताया कि मात्र 365 दिनों में ग्रामीण क्षेत्र में लगभग 1600 करोड़ रुपये के विकास कार्य प्रारंभ किए जा चुके हैं। गांवों में सड़कों का निर्माण, बड़े नालों का निर्माण, बॉर्डर क्षेत्रों का विकास, नए स्कूल, अस्पताल और डिस्पेंसरी स्थापित करने पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। लगभग 500-600 करोड़ रुपये की लागत से पेरिफेरल सड़कों और नालों के निर्माण के कार्य भी पूरे ग्रामीण क्षेत्र में कराए जा रहे हैं। इसके अलावा, नए मास्टर प्लान के माध्यम से किसानों को भी सीधा लाभ मिलेगा, चकबंदी से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जाएगा और 900 बीघा भूमि पर प्रस्तावित ग्रोथ सेंटर को विकसित किया जाएगा।इस अवसर पर दिल्ली के विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में दिल्ली ने वह दौर देखा है जब ग्राम विकास बोर्ड ठप हो गया था, जब एक-एक, दो-दो करोड़ रुपये की परियोजनाएं भी पास नहीं होती थीं। गांवों में सड़क, पानी, सीवर के लिए लोगों को धक्के खाने पड़ते थे और मुख्यमंत्री कार्यालय के दरवाजे नहीं खुलते थे। लेकिन आज तस्वीर बदल चुकी है। आज दिल्ली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है।

ट्यूलिप फूलों की सजावट से बसंत ऋतु का स्वागत कर रही लुटियंस दिल्ली

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली ट्यूलिप पुष्प सज्जा के माध्यम से बसंत ऋतु का स्वागत कर रही है। एनडीएमसी एरिया की सड़कों पर लगे तीन लाख से अधिक ट्यूलिप खिल चुके हैं। दूसरी बार एनडीएमसी ने एक लाख ट्यूलिप बल्बों के गमले आम जनता के लिए बिक्री के लिए उपलब्ध कराया है। ये गमले शांति पथ लान, लोधी गार्डन, नेहरू पार्क, तालकटोरा गार्डन, सेंट्रल पार्क तथा एनडीएमसी की नर्सरियों (सफदरजंग मदरसा, गुरुद्वारा पार्क, पुराना किला मार्ग आदि) में बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

एनडीएमसी ने लगभग 2,25,000 बल्ब शांति पथ, सेंट्रल पार्क (कनाट प्लेस), कन्वेंशन सेंटर, लोधी गार्डन, तालकटोरा गार्डन, सरदार पटेल मार्ग, मंडी हाउस, विंडसर प्लेस, शेरशाह सूरी मार्ग तथा उपराष्ट्रपति भवन के निकट स्थित गोल चक्कर सहित प्रमुख स्थलों पर लगाए गए है। इसके अतिरिक्त लगभग 1,00,000 गमलो में लगे ट्यूलिप बल्ब आम जनता की खरीद के लिए भी उपलब्ध कराए गए है।

एनडीएमसी ने लोधी गार्डन स्थित ट्यूलिप हाउस संरक्षण केंद्र में सुरक्षित रखे गए 15,000 बल्बो तथा पालमपुर स्थित वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-हिमालय जैव संपदा प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र से प्राप्त 20,700 बल्बो का भी रोपण किया था। दूसरे वर्ष एनडीएमसी ने एक लाख गमले वाले ट्यूलिप पौधे सार्वजनिक बिक्री के लिए तैयार किए हैं।

इंस्टाग्राम स्टोरी पर चाकू घोंपकर हत्या, तीन पकड़े

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। सदर बाजार में सोशल मीडिया पर किए गए एक कमेंट को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। इंस्टाग्राम पर बेटी की शादी की स्टोरी पर आपत्तिजनक टिप्पणी का विरोध करने पहुंचे एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान सतीश कुमार के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, सतीश की बेटी ने अपनशादी से जुड़ी एक स्टोरी इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थी। आरोप है कि आरोपित अश्वनी की बेटी तान्या ने उस पर अपशब्द लिख दिए। इस पर आपत्ति जताने के लिए सतीश अपनी पत्नी सोनिया और बेटी के साथ अश्वनी के घर पहुंचे थे। दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई और मामला शांत होता नजर आया। सतीश का परिवार घर लौटने लगा, तभी अश्वनी के बेटे अमन ने दोबारा झगड़ा शुरू कर दिया। कहासुनी के दौरान अमन ने चाकू निकाल. कर सतीश के सीने में वार कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंची सतीश की पत्नी सोनिया के साथ भी मारपीट की गई। घायल सतीश को तत्काल हिंदू राव अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर मुख्य आरोपित अमन के साथ उसके पिता अश्वनी और बहन तान्या को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि अश्वनी रिश्ते में सतीश का भांजा लगता है।

मॉल की पार्किंग में कार से मिला शव

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। मयूर विहार इलाके में स्थित एक मॉल की पार्किंग में एक कार के अंदर एक व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और मौत के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। मयूर विहार स्थित स्टार सिटी मॉल की पार्किंग में खड़ी एक कार से शव मिला है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार से एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। दिल्ली पुलिस के अनुसार, शपीड़ित की पहचान नोएडा के इलाहाबास निवासी नरेंद्र के रूप में हुई है। मौत का कारण नेचुरल लग रहा है।

एक नजर

चुनौतियों से निबटने को राइड-बुकिंग 'ऐप नेमभारत'

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। वर्ल्ड इकोनॉमिक मोबिलिटी एक नया राइड-बुकिंग ऐप 'नेमभारत' लॉन्च करने जा रहा है। यह ऐप कैब ड्राइवरों के लिए जीरो कमीशन और यात्रियों के लिए बिना किसी श्सर्ज प्राइसिंगश (किराये में अचानक बढ़ोतरी) के काम करेगा।

नेमभारत को ऐसे समय में लॉन्च किया जा रहा है जब ट्रांसपोर्ट सेक्टर कम कमाई को लेकर ड्राइवरों की हड़ताल, सुरक्षा चिंताओं और मनमाने किराये को लेकर यात्रियों की बढ़ती शिकायतों से जूझ रहा है। नारायणीहिती ट्रस्ट द्वारा संचालित यह सर्विस एक प्रीपेड और कैशलेस सिस्टम पर काम करेगी। इस नए बिजनेस मॉडल के तहत ड्राइवर अपनी पूरी कमाई अपने पास रख सकेंगे और यात्रियों को सफर के लिए एक तय किराया देना होगा। डब्ल्यूईएमएल के निदेशक और सीईओ दीपक के. शाह ने कहा, हमारा प्लेटफॉर्म गिग वर्कर्स की आय में अनिश्चितता की समस्या को दूर करेगा।

परीक्षा इकोसिस्टम को सशक्त बनाने का प्रयास

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। लर्निंग स्पाइरल एक अग्रणी एंड-टू-एंड असेसमेंट सॉल्यूशंस प्रदाता अपने सुरक्षित डिजिटल इकोसिस्टम के माध्यम से विश्व. विद्यालयों की परीक्षा प्रणालियों को रूपांतरित करने में सहायता करता है। भारत की विस्तृत होती उच्च शिक्षा व्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही है। बढ़ती छात्र संख्या के बीच विश्वविद्यालयों के लिए निष्पक्ष परीक्षा संचालन, सटीक परिणामों की घोषणा और संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करना एक बड़ी जिम्मेदारी बन गई है।

लर्निंग स्पाइरल के संस्थापक श्री मनीष मोहता ने कंपनी के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा लर्निंग स्पाइरल में हमारा ध्यान ऐसे परीक्षा इकोसिस्टम के निर्माण पर है जो तकनीकी रूप से मजबूत होने के साथ-साथ विश्वसनीय और छात्र-केंद्रित भी हों। हमारे असेसमेंट समाधान विश्वविद्यालयों को सुरक्षा नियमों और अनुपालन आवश्यकताओं का पालन करते हुए पारदर्शी और निष्पक्ष मूल्यांकन करने में सक्षम बनाते हैं।

एआरई इंफ्रा हाइट्स ने दी परियोजना को गति

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। एआरई इंफ्रा हाइट्स ने पश्चिमी दिल्ली में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करते हुए नांगली मेट्रो स्टेशन के निकट स्थित राणा जी एन्क्लेव, निरंजन पार्क, परियोजना को गति दी है। बेहतर कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के विस्तार के कारण यह क्षेत्र तेजी से एक उभरते आवासीय केंद्र के रूप में सामने आ रहा है। कंपनी द्वारका क्षेत्र में अन्य आवासीय परियोजनाओं पर भी कार्य कर रही है, जिनमें सैंपल फ्लैट्स तैयार किए गए हैं, जो आधुनिक डिजाइन और व्यावहारिक जीवनशैली को ध्यान में रखकर विकसित किए गए हैं। कंपनी के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक दीपक गर्ग ने कहा, "राणा जी एन्क्लेव ऐसे विकास गलियारे में स्थित है जहां कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर लगातार मजबूत हो रहे हैं। आज का खरीदार केवल कीमत नहीं, बल्कि दीर्घकालिक सुविधा और भविष्य की संभावनाएं देखता है। दीपक गर्ग के अनुसार, "बुनियादी ढांचे के विस्तार और पर्यावरण सुधार की पहल के बीच यह समय दीर्घकालिक निवेश और घर खरीदने के लिए अनुकूल माना जा सकता है।

विदेशी नागरिक के डॉलर चोरी मामले में नाबालिग बच्चों सहित पिता को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। थाना जामा मस्जिद पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, उज्बेकिस्तान के एक नागरिक से 7200 अमेरिकी डॉलर की चोरी के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने इस गिरोह के मास्टरमाइंड पिता और उसके दो नाबालिग बच्चों को पकड़ा है। यह घटना तब हुई जब पीड़ित परिवार दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके में घूमने आया था।

पीड़ित उज्बेकिस्तान का नागरिक है, जो अपनी नाबालिग बेटी के कैंसर के इलाज के लिए गुरुग्राम आया हुआ था। 15 जनवरी को वह अपने परिवार के साथ जामा मस्जिद मार्केट में घूम रहा था, तभी उसके बैग से 7200 अमे. रिकी डॉलर (100-100 डॉलर के 72 नोट) चोरी हो गए। घटना के तुरंत बाद, पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए, पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की।

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। इस जांच के दौरान न्यू सीलमपुर निवासी एक 15 वर्षीय लड़का और उसकी 13 वर्षीय बहन को संदिग्ध के रूप में चिन्हित किया गया। दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने चौंकाने वाला खुलासा किया। पूछताछ में पता चला कि ये दोनों नाबालिग बच्चे अपने पिता के कहने पर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस के अनुसार, पिता ही इस पूरे गिरोह का सरगना था। वह बच्चों को आगे करके खुद को बचाने का प्रयास करता था और चोरी की गई रकम को अपने पास रखता था। मामले की गंभीरता को समझते हुए, पुलिस ने आरोपी पिता को भी गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई रकम का एक बड़ा हिस्सा बरामद किया है। गिरफ्तार पिता के पास से 2500 अमेरिकी डॉलर और शिकायतकर्ता का एटीएम कार्ड बरामद हुआ। इसके अलावा, तलाशी के दौरान, आरोपी के घर से 4000 अमेरिकी डॉलर भी मिले। चोरी की रकम से खरीदा गया 48 हजार रुपये का एक मोबा. इल फोन और 4700 रुपये भारतीय मुद्रा भी जब्त की गई है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी पिता का आपराधिक इतिहास रहा है। वह पहले भी लूट के एक मामले में संलिप्त पाया गया था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह एक आदतन अपराधी है।

रामायण काल में हुआ था एआई का प्रयोगः डॉ. शर्मा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। भले ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब लो. कप्रिय हो रहा हो, लेकिन इसका आविष्कार रामायण काल में ही हो चुका था। रामायण पर शोधकर्ता डॉ रामोतार शर्मा का कहना है कि राम रावण युद्ध में राक्षस विद्युजीही ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग करके राम लक्ष्मण के कटे हुए सिर तैयार किए थे। रोहिणी स्थित महारा. जा अग्रसेन कॉलेज में इंजीनियरिंग के छात्रों को सम्बोधित करते हुए डॉ शर्मा ने कहा कि ये कटे हुए सिर दिखाकर राक्षस ने माता सीता को डराने का प्रयास किया था। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कॉलेज के अप्लाइड साइंस विभाग ने विज्ञान और अध्यात्म विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया था। व्याख्यान माला में संस्था के वाइस चेयरमैन जगदीश मित्तल, संयुक्त महासचिव मोहन गर्ग, शोध संस्थान के उपाध्यक्ष अतुल सिंघल और प्रो नम्रता शर्मा ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर श्रीराम सांस्कृतिक शोध संस्थान न्यास संस्थान के उपाध्यक्ष अतुल सिंघल ने बताया कि राम वन गमन मार्ग को विश्व धरोहर के रूप में सुरक्षित करने की दिशा में कार्य जारी है।

मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन के आगे कूदकर जान दी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन पर मंगलवार सुबह ट्रेन के सामने छलांग लगाकर 45 साल के व्यक्ति ने खुदकुशी कर ली। मृतक की शिनाख्त करोली राजस्थान निवासी महाराज सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मेट्रो पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने बताया कि मंगलवार को 10.12 बजे जनकपुरी मेट्रो स्टेशन थाना पुलिस को एक शख्स के उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन के सामने छलांग लगाने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला।

परिवार वालों से पूछताछ में पता चला कि महाराज सिंह काफी दिन से डिप्रेशन के मरीज थे और इनका राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इलाज चल रहा था। वह कल भी इलाज के लिए अस्पताल गए थे। वह उत्तम नगर में रहने वाले अपने बड़े भाई की बेटी की शादी में शामिल होने दिल्ली आए थे। उनके परिवार में उसकी पत्नी, एक बेटी और दो बेटे हैं। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। हादसे की वजह से द्वारका से नोएडा और वैशाली के मार्ग पर करीब आधे घंटे तक ट्रेन का परिचालन बाधित रहा।

सीबीएसई सर्टिफिकेट में संशोधन कराना पड़ेगा महंगा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के दसवीं व बारहवीं के छात्रों को अब अपने सर्टिफिकेट में नाम, माता-पिता का नाम व जन्मतिथि में संशोधन कराना मंहगा पड़ेगा। सीबीएसई ने वर्ष 2026 से संशोधन शुल्क में बढ़ोतरी की है। इस बढ़ोतरी के तहत अब छात्रों को सुधार के लिए पांच हजार रुपये शुल्क देना होगा। इसके लिए सीबीएसई की गवर्निंग बॉडी ने एग्जामिनेशन कमेटी की सिफारिशों को मंजूरी दी है। अब तक छात्रों को सुधार शुल्क के रूप में 1 हजार रुपये का भुगतान करना होता था।सीबीएसई के अनुसार हल साल स्कूलों को दसवीं व बारहवीं की लिस्ट ऑफ कैंडिडेट तैयार करते समय अत्यंत सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

पुस्तक का विमोचन किया

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। शाहदरा विधानसभा से विधायक संजय गोयल ने 105 करोड़ की विकास कार्यों का वर्णन किया। दिल्ली सरकार एक साल बेमिसाल शाहदरा विधानसभा विधायक संजय गोयल ने अपने कार्यालय पर अपने एक साल के कार्यों का वर्णन करते हुए एक पुस्तक लॉन्च की एवं पत्रकारों के साथ वार्ता कर अपने विकास कार्यों पर चर्चा की, प्रेस वार्ता में शाहदरा जिला प्रभारी प्रवक्ता अनिल गुप्ता, विधायक संजय गोयल, जिला अध्यक्ष संजय गाबा, एवं तीनों मंडल अध्यक्ष और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। शाहदरा विधानसभा में लगभग 105 करोड़ के विकास कार्यों के बारे में बताया उन्होंने कहा कि सारे डिपार्टमेंट के बारे में विस्तार से इस

पुस्तक में बताया गया हैं। पहली पीडब्ल्यूडी की रोड शाहदरा विधानसभा में मेरे आने के बाद में नई रोड बनाई गई, फुटपाथ नए बन रहे हैं। पहली बार ऐसा हुआ कि हमारे यहां सात अंडर पास हैं और सातो में पानी नहीं भरा क्योंकि हमने इसकी प्लानिंग की थी, बरसात से पहले और जो कमियां रह गई हैं वह भी आने वाले समय में पूरी की जाएगी लेकिन साथ में जी टीवी हॉस्पिटल राजीव गांधी हॉस्पिटल इबाहस हॉस्पिटल है। उनके लिए हमारे पास जो भी लोग एडमिशन के लिए आते हैं उनको एडमिशन दिलाना उनकी मदद करना सात आयुष्मान आरोग्य मंदिर साथ बन चुके हैं और आठ बाकी हैं। शिक्षा की बात करें तो हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई शिक्षा नीति 2020 लागू की थी लेकिन पिछली सरकारों ने उसको लागू नहीं किया उसमें आठवीं कक्षा तक जो बच्चे पढ़ने में कमजोर होते हैं आर्ट के द्वारा उनको पढ़ाया जाता है छठवीं सातव. ीं कक्षा के बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार पढ़ाया जाता है जिससे वह 12वीं पास करके या तो रोजगार लेने वाले बने या रोजगार देने वाले बने, हम दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर मंत्री जी का धन्यवाद करते हैं।

लेह जा रहे स्पाइसजेट के विमान की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट से मंगलवार सुबह लेह के लिए उड़ान भरने वाले स्पाइसजेट के एक विमान को तकनीकी खराबी के कारण बीच रास्ते से वापस लौटना पड़ा। विमान के इंजन में आई खराबी के बाद पायलट ने एहतियात बरतते हुए विमान को सुरक्षित दिल्ली में लैंड कराया। विमान में करीब 150 यात्री सवार थे। स्पाइसजेट की उड़ान एसजी-121 ने मंगलवार सुबह दिल्ली से लेह के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही विमान के इंजन में कुछ तकनीकी समस्या महसूस की गई। पायलट ने तुरंत इसकी सूचना एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी और विमान को वापस दिल्ली ले जाने का निर्णय लिया। एटीसी की अनुमति के बाद विमान एयरपोर्ट पर सुरक्षित रूप से उतरा और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि तकनीकी समस्या के कारण विमान को एहतियाती तौर पर वापस लाया गया था।

रणहौला के सरकारी स्कूल में लगी आग

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। रणहौला इलाके में सोमवार देर रात एक सरकारी स्कूल में आग लगने की घटना सामने आई है। इस हादसे में स्कूल के गार्ड की जलने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार पश्चिमी दिल्ली के रणहौला थानाक्षेत्र स्थित एक सरकारी स्कूल के गार्ड रूम में सोमवार देर रात आग लग गई। बताया जा रहा है कि जिस वक्त आग लगी उस वक्त गार्ड उसी कमरे में सो रहा था।

आग इतनी अचानक और तेज लगी कि गार्ड की जलने से मौत हो गई। जांच कर रही पुलिस आग लगने कारणों का पता लगाने में जुटी है। मृतक गार्ड की पहचान 58 वर्षीय नरेश के रूप में हुई है।

फरवरी में ही गर्मी ने दिखाए तेवर तेज धूप करा रही तपिश का अहसास

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर भारत में फरवरी में ही पारा 30 डिग्री से ऊपर चल रहा है उससे आने वाले सप्ताह में सूरज के तेवर और कड़े होंगे। इससे पारा 31 डिग्री के पार पहुंचने की संभावना है। इस कारण से फरवरी-मार्च में ही अप्रैल-मई सा गर्मी का अहसास होगा।

दिल्ली में बीते चार दिन से दिन में तेज धूप तपिश का अहसास करा रही है, और सुबह-शाम हल्की सर्दी गायब सी है। अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के पार है। अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री व न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस फरवरी का तीसरा सबसे अधिक तापमान है। इससे पहले 16 फरवरी को अधिकतम तापमान 31.6 और न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस था, जबकि 17 फरवरी को अधिकतम तापमान 30. 6 और न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मौसम विभाग के अनुसार अब एक मार्च तक लगातार तापमान में इजाफा होगा। 26 फरवरी तक

तापमान 32 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 13-15 डिग्री के बीच रहेगा। वहीं 27 फरवरी से 1 मार्च तक अधिकतम तापमान 31-33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15-17 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है।

अगले एक सप्ताह तक कोई सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ नहीं आ रहा। इस कारण से मैदानी इलाकों में कोई बड़ी मौसमी गतिविधि नहीं होगी। एक सप्ताह तक तेज धूप खिली रहेगी और तापमान में बढ़ोतरी होगी। हालांकि 25 व 26 फरवरी को दिन के समय 15-25 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से सतही हवाएं चलने की संभावना है।

पॉलिसीमेकर्स, रेगुलेटर्स व फाइनेंशियल लीडर्स को बुलाया

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। युग्रो कैपिटल लिमिटेड ने भारत के एमएसएमई क्रेडिट गैप को संरचनात्मक रूप से संबोधित करने और समावेशी विकास को मजबूत करने पर विचार-विमर्श करने के लिए, अपने इंडिया बाय एमएसएमई पहल के तहत नीति निर्माताओं, नियामकों, बैंकिंग नेताओं, पूंजी बाजार संस्थानों और फिनटेक प्लेटफार्मों को बुलाया। मंगल प्रभात लोढ़ा, माननीय कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार मंत्री, महाराष्ट्र सरकार, द्वारा उद्घाटन किए गए इस फोरम में भारतीय स्टेट बैंक, सिडबी, क्रिसिल लिमिटेड, एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड, एशियन डेवलपमेंट बैंक, डन एंड ब्रैडस्ट्रीट और फोनपे सहित अन्य के वरिष्ठ अधिकारी सह-उधार ढांचे, डिजिटल अंडरराइटिंग मानकों और दीर्घकालिक पूंजी भागीदारी को मजबूत करने पर चर्चा के लिए एक साथ आए। युग्रो कैपिटल के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर शचींद्र नाथ ने कहा, एमएसएमई भारत की जीडीपी में लगभग 31% का योगदान देते हैं और रोजगार पैदा करने में अहम हैं।

14,000 मीट्रिक टन प्लास्टिक कचरे का संग्रहण व रिसाइक्लिंग

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। कीया इंडिया ने इंडियन पॉल्यूशन कंट्रोल एसोसिएशन (आईपीसीए) के साथ साझेदारी में अपनी प्रमुख सीएसआर पहल प्रोजेक्ट डीआरओपी के तीसरे चरण के सफल समापन के उपलक्ष्य में गुरुग्राम स्थित क्लब फ्लोरेंस में एक समापन समारोह का आयोजन किया। अपने संबोधन में आईपीसीए के संस्थापक एवं निदेशक आशीष जैन ने परियोजना के प्रभाव, विस्तार और प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा, "गुरुग्राम में डीआरओपी परियोजना ने यह सिद्ध किया है कि सरकारी संस्थाओं, कॉर्पोरेट साझेदारों, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिकों के बीच सहयोगात्मक प्रयास किस प्रकार ठोस परिणाम दे सकते हैं। इस

अवसर पर टिप्पणी करते हुए कीया इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अतुल सूद ने कहा, "सतत विकास किया इंडिया की दीर्घकालिक कॉर्पोरेट रणनीति और मूल्य प्रणाली का अभिन्न अंग है।

भारत माँ के चार सिपाही
हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई
देश को मज़बूत बनाना है तो
भाईचारा मज़बूत बनाएं

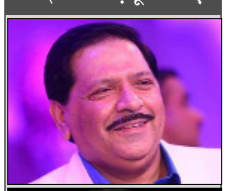

फैसल कुरैशी

भाई मेहरबान
अध्यक्षः भाईचारा समिति
दिल्लीप्रदेश 9810024415

कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी का किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

साहिबाबाद। कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी के औद्योगिक क्षेत्र यूपीएसआईडीसी के आगमन पर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन ट्रांस हिंडन एवं एमजीआर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पदाधिकारियों व क्षेत्र के उद्यमियों द्वारा उनका स्वागत कर बैठक का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में उद्योग प्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। बैठक के दौरान औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

विशेष रूप से प्रदूषण स्तर बढ़ने पर उद्योगों को जिम्मेदार ठहराकर की जा रही अनुचित करवाई, तथा सड़क, बिजली, जल निकासी, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य आधारभूत संरचना संबंधी मुद्दे मंत्री जी के समक्ष रखे गए।

एमजीआर औद्योगिक क्षेत्र के लिए अलग मार्ग (सेपरेट रूट) की व्यवस्था बनाए जाने पर गंभीर विचार-विमर्श हुआ, जिससे आवागमन सुगम हो, ट्रैफिक की समस्या कम हो तथा उद्योगों को सुचारु संचालन में सुविधा मिल सके।

कैबिनेट मंत्री ने सभी विषयों को गंभीरता से सुनते हुए उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि औद्योगिक क्षेत्र से संबंधित प्रमुख समस्याओं के समाधान हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 5 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक आयोजित की जाएगी।

बैठक में अशोक चौधरी, प्रमोद नागर, सचिन चौधरी, निरंकार सिंह, गगनदीप सिंह, विपिन गर्ग, राजपाल प्रधान, सुभाष चौहान, रवि चतुर्वेदी, नवीन जी एवं संजीव जी, सुनील कुमार, विश्वनाथ शर्मा, प्रशांत शर्मा, निशांत सिंह, सुनील सिंह सुधीर जैन, अनिल गर्ग सहित अनेक गणमान्य उद्यमी उपस्थित रहे। सभा के अंत में सभी उद्योग प्रतिनिधियों ने क्षेत्र के समग्र विकास हेतु मिलकर कार्य करने का विश्वास व्यक्त किया।

जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों का करें गुणवत्तापूर्ण निस्तारण: मुख्य विकास अधिकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ के निर्देशन पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनता दर्शन के दौरान जनसुनवाई की गयी। जन सुनवाई के दौरान राजस्व विभाग, जीडीए, नगर निगम, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। उन्होने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री मंशानुरूप एवं शासन द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार हर शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं। कोई भी किसी गरीब, असहाय व बेबस व्यक्ति को परेशान या पीड़ित करता है तो सम्बंधित के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही की जाएं। जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। प्रत्येक जन के विकास एवं जनपद के विकास में सभी अपने महत्वपूर्ण ध्भूमिका निभाने का कार्य करें। एडीएम जे अंजूम बी द्वारा भी जन शिकायतें सुनते हुए निस्तारण के निर्देशत दिए गए।

गांजा तस्करी का आरोपी पकड़ा, 1 किलो 30 ग्राम गांजा बरामद

गाजियाबाद। थाना कौशाम्बी पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर गांजा तस्करी के आरोपी को पकड़ा है। आरोपी का नाम सुहेब उर्फ सुहेल पुत्र बूदां खान निवासी रईसपुर थाना मधुबन बापूधाम है। उसके पास से 1 किलो 30 ग्राम अवैध गांजा के साथ सेक्टर 2/5 की पुलिया वैशाली से गिरफ्तार किया गया है। बारामती के संबंध में सम्बंध में थाना कौशाम्बी पर धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जेल भेजा गया। पूछताछ में सुहेब ने बताया कि वह अवैध गांजा दिल्ली से किसी अज्ञात व्यक्ति से लाता है। जिसका नाम पता नही जानता। वह दिल्ली एनसीआर के क्षेत्रों मे नशा करने वाले व्यक्तियो को घूम घूम कर बेचता है और गांजा बेचने से प्राप्त पैसो से अपने शौक मौज पूरे करता है।

आधा दर्जन मोर की की मौत से हड़कंप

मोर जो हमारे राष्ट्र का राष्ट्रीय पक्षी है साथ ही संरक्षित जीव भी है उसकी बड़े पैमाने पर मौत होना एक सवालिया निशान खड़ा करता है

शाह टाइम्स संवाददाता

लोनी। थाना टोनिका सिटी क्षेत्र के ग्राम पचायरा में राष्ट्रीय पक्षी मोर के शव मिलने पर पर हडकंम मच गया स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना वन विभाग एवं स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग व स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मोरों के शवो को अपने कब्जे में लेकर जान शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय पक्षी मोर की अचानक मौत के चलते क्षेत्र में तरह-तरह की अफवाह का बाजार गर्म है। मोर जो हमारे राष्ट्र का राष्ट्रीय पक्षी है साथ ही संरक्षित जीव भी है उसकी बड़े पैमाने पर मौत होना एक सवालिया निशान खड़ा करता है हालांकि अभी उनकी मृत्यु के कारणो का पता नहीं चल पाया है। पुलिस विभाग की टीम इस हादसे की जांच में जुटी है पुलिस का कहना है कि अगर इसमें किसी स्थानीय लोगों या शिक. ारी का कोई रोल पाया जाता है तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मोरों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। एक साथ हुई आधा दर्जन मोरो की मृत्यु के चलते क्षेत्र के लोगों मे रोष व्याप्त है।

दिव्य ज्योति आश्रम मे संकल्प अभियान के अंतर्गत म्यूजिकल कॉन्सर्ट का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान एवं युवा परिवार सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के आश्रम में एक विशेष Thematic Musical Concert का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम SANKALP – A Campaign Against All Addiction (2025–2029) के अंतर्गत संचालित kThe Real Heroes, पहल का हिस्सा रहा। इस musical concert का केंद्रीय विषय था– "क्या भगवान शिव नशा करते थे?"

कार्यक्रम के माध्यम से भगवान शिव से जुड़े प्रचलित मिथकों को तोड़ते हुए, उन्हें आत्मसंयम, जागरूकता, संतुलन और चेतना के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया। संगीत और narration के प्रभावी संयोजन से शिव के विभिन्न सामाजिक, मानसिक एवं जीवनोपयोगी आयामों को सरल भाषा में दर्शाया गया। इस कार्यक्रम में अनेकों युवाओं ने सहभागिता की। प्रतिभागियों को यह समझाया गया कि शिव जीवन की चुनौतियों से भागने का नहीं, बल्कि सचेत रूप से उनका सामना करने, भावनाओं को साधने और सही निर्णय लेने के आदर्श हैं।

नशे के स्थान पर self&control, विवेक और inner strength को वास्तविक शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा, "शिव नशे के नहीं, बल्कि पूर्ण जागरूकता और आत्मबल के प्रतीक हैं।

जो व्यक्ति अपने मन, इच्छाओं और भ्रम पर नियंत्रण रखता है–वही आज के समय का सच्चा Real Hero है।" कार्यक्रम का संदेश स्पष्ट रहा– सच्ची वीरता बाहरी उत्. जनाओं में नहीं, बल्कि आत्मसंयम और जागरूक जीवन में है; और शिव उसी चेतना के आदर्श प्रतीक हैं।

आईटीएस डेंटल कॉलेज में मनाया गया राष्ट्रीय पेरियोडोंटिस्ट दिवस

साथ ही एक क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य छात्रों के ज्ञान का परीक्षण करना एवं स्वस्थ शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना था

शाह टाइम्स संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज के पेरियोडॉन्टोलॉजी विभाग द्वारा राष्ट्रीय पेरियोडॉटिस्ट दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान की डेन्टल ओपीडी में आने वाले सभी मरीजों को मौखिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया गया। जिससे उन्हें अपने दांतों को स्वस्थ रखने में मदद मिलेगी। यह आयोजन दंत चिकित्सा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास था, ताकि लोग अपने दांतों की उचित देखभाल के तरीके के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकें। साथ ही सभी मरीजों को टूथपेस्ट एवं माउथवॉश के नि:शुल्क सैम्पल भी वितरित किये गये।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान के बीडीएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के लिये विभिन्न प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया। ब्रेकडाउन टू रिजेन. रेशन रिबिल्डिंग स्माईल विषय पर कोलाज मैकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने मसूड़ों की बीमारियों से लेकर पुनर्निर्माण तक की प्रक्रिया को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया।

इसके अतिरिक्त ''बैटल अगेंस्ट बॉयोफिल्म'' विषय पर मैड-एड प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बीडीएस एवं एमडीएस छात्रों द्वारा वीडियो रील्स तैयार की गई। इन रील्स के माध्यम से पेरियोडॉन्टल स्वास्थ्य एवं बायोफिल्म के विरूद्ध जागरूकता संदेश दिया गया। साथ ही एक क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य छात्रों के ज्ञान का परीक्षण करना एवं स्वस्थ शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत पेरियोडोन्टोलॉजी, ओरल सर्जरी और प्रोस्थोडोन्टिक्स विभाग के एमडीएस विद्यार्थियों के लिये ''सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल केस प्रतियोगिता'' आयोजित की गयी, जिसका उद्देश्य उन्नत पेरियोडोंटल और इम्प्लांट प्रक्रियाओं के लिये उनके क्लीनिकल कौशल को बेहतर बनाना था। इसके अतिरिक्त बीडीएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों द्वारा मौखिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने पर एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। अंत मे विजेताओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आरपी चड्ढा एवं आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

डॉक्टर के खाते से निकाले 32 लाख, बैंक के बाहर दिया धरना

गाजियाबाद। नगर के श्रीनगर कॉलोनी निवासी चिकित्सक डॉ. श्रवण कुमार शर्मा के बैंक खातों से 32 लाख रुपए गायब होने के मामले में कार्रवाई न होने से नाराज लोगों ने मंगलवार को बैंक के बाहर धरना दिया। इस दौरान दिल्ली-मेरठ मार्ग पर यातायात भी बाधित रहा। डॉ. एसके शर्मा ने बताया कि उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक की स्थानीय शाखा में उनके बचत और चालू खाता है। आरोप है कि 17 से 19 फरवरी के बीच उनके दोनों खातों से 35 बार में कुल 32 लाख रुपए यूपीआई और आईएमपीएस के माध्यम से निकाल लिए गए। डॉ. शर्मा ने आरोप लगाया कि खातों से रकम गायब होने में बैंककर्मियों का हाथ है।

स्व. किरण पाल जी की शोकसभा में दी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। विजयनगर बाईपास सर्वोदय नगर में स्वर्गीय किरण पाल जी की शोक सभा में भाजपा नेता वीरेंद्र कुमार कंडेरे मास्टर रामकिशन कारण जयप्रकाश कारण पप्पू कंडेरे ईश्वर चंद कंडेरे चंद्रपाल कंडेरे कुमारपाल सिंह कारण जितेंद्र कंडेरे विपिन कंडेरे दीपक कंडेरे हरेंद्र कंडेरे व अन्य समाजसेवियों ने नम आंखों से आंखों से भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर व जागरूकता सेमिनार आयोजित

बच्चों को दी सुरक्षा व स्वास्थ्य की जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन स्थित श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल में गणेश हॉस्पिटल की ओर से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर एवं जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बिराज फाउंडेशन तथा उज्जवल भारत मिशन के संयुक्त संयोजन में संपन्न हुआ, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान गणेश हॉस्पिटल की सीईओ डॉ मो. निशा शर्मा एवं उज्जवल भारत मिशन की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पल्लवी भारद्वाज ने बच्चों को 'गुड टच-बैड टच', व्यक्तिगत सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, संतु. लित खानपान तथा सोशल मीडिया के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बच्चों ने इन महत्वपूर्ण विषयों को गंभीरता से सुना और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया। साथ ही हॉस्पिटल की मेडिकल टीम द्वारा सभी बच्चों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

बिराज फाउंडेशन की ओर से डॉ निशा ने बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में प्रेरित किया और जीवन में शिक्षा की भूमिका पर प्रकाश डाला। विद्यालय की प्रिंसिपल प्रीति तिवारी ने कहा कि विद्यालय में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य शिविर भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, जिससे बच्चों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

बिराज फाउंडेशन के संस्थापक एवं गणेश हॉस्पिटल के जनरल मैनेजर डॉ बिराज ने कहा कि उनकी संस्था सामा. जिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर कार्य करती रहेगी। वहीं उज्जवल भारत मिशन के प्रदेश अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने बताया कि उनकी संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, बाल अधिकार एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती रहती है।

इस अवसर पर उज्जवल भारत मिशन के संस्थापक अध्यक्ष उमेश शर्मा, विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी दिलीप जी सहित स्कूल प्रबंधन, समस्त स्टाफ, गणेश हॉस्पिटल की मेडिकल टीम और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करना रहा।

स्वामी यशवीर जी ने सैकड़ो हिंदुओं को दिलवाया जात पात से विदाई का प्रण

शाह टाइम्स संवाददाता

साहिबाबाद। कौशांबी के इतिहास का अभी तक का सबसे यादगार दिन रहा जब कौशांबी सेंट्रल पार्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में सैकड़ो की संख्या में कौशांबी का हिंदू समाज जुटा। इस अवसर पर कौशांबी के स्थानीय निवासियों द्वारा हिंदू एकता मंच (कौशांबी) के बैनर तले इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मंच संचालक वरुण शर्मा ने बताया की इस अवसर पर लगभग 700 से अधिक कौशांबी वासी उपस्तिथ रहे और कौशांबी के हिंदू बच्चो और बड़ों द्वारा अनेकों सांस्कृतिक व देशभक्ति के कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बच्चों ने गणेश वंदना, सरस्वती वंदना, लव जिहाद, नवदुर्गा स्वरूप के कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कला स्तुति द्वारा प्रशिक्षित बच्चों ने एकल गीत और पियानो पर संगीतमय भजन प्रस्तुत किये तो कौशांबी वासी मधु गुप्ता और प्रतिभा त्यागी ने सामूहिक वंदे मातरम और कौशांबी पार्क ग्रुप हनुमान चालीसा का गान किया। समाज के बंधुओ प्रेम जोगिया मुदित दीक्षित ने देश भक्ति गीत और भजन प्रस्तुत किये। इसके पश्चात विख्यात राष्ट्रकवि दुर्गेश कुमार अवस्थी ने अपनी वीर रस की कविताओं से माहौल को एकदम जोश से भर दिया।

कार्यक्रम में तीन वक्ताओं का उद्बोधन भी रहा. सबसे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महानगर प्रचारक रोहित जी जिन्होंने संघ की 100 वर्ष की यात्रा का विषय रखा। फिर मुजफ्फरनगर स्थित योग साधना आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी यशवीर जी महाराज ने हिंदू समाज के आगे आई हुई चुनैतियों को रखा और उनसे बचने के लिए आपसी मतभेद भुला कर देश और धर्म के लिए एकजुट होने की शपथ दिलाई।

तीसरे वक्ता रहे वैशाली महानगर के माननीय महानगर संघचालक मक्खन लाल शर्मा जिन्होंने जलवायु परिवर्तन की आगामी चुनैतियों को और पंच परिवर्तन के विषय को सबके सामने रखा. तीनो वक्ताओं के विषय को उपस्तिथ जनमानस ने बेहद सराहा और तालियों से अभिवादन किया।

इस आयोजन में सुधीश अग्रवाल, वरुण शर्मा, अशोक परवाल, अशोक गौतम, संदीप गुप्ता, आलोक माथुर, सौरभ गुप्ता, सुशील सिंह, सतीश रस्तोगी, सरोज वर्मा, ओंकार शर्मा, संगीता श्रीवास्तव, डॉ आचार्या कृति शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समाज की ओर से आरके गुप्ता, मधु गुप्ता, मुकेश गौतम, गौरव स्वामी, कमल पांडे, एम एल कटारिया, संजय मित्तल, आर के चोपड़ा, KWA महासं. चव शोभा रानी बरनवाल, शिव भारद्वाज, रीना श्रीवास्तव, पंडित राजमन पान्डे, गुंजन शर्मा, संगीता शर्मा, जगदीश कलावतिया, प्रभा सिंह नीरा गुप्ता, पवन गुप्ता, राकेश, नरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र वासियों ने भाग लिया और आयोजन समिति से जल्दी ही ऐसा कार्यक्रम फिर से करने की अपील करते हुए आशीर्वाद दिया।

यशोदा मेडिसिटी ने एमएमजी अस्पताल के साथ

एआई-सक्षम ई-आईसीयू कमांड सेंटर की शुरुआत की

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जे. पी नड्डा ने किया उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। यशोदा मेडिसिटी ने रोगी-केंद्रित और तकनीक आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए एआई-सक्षम ई-आईसीयू कमांड सेंटर की शुरुआत की। यह पहल यशोदा फाउंडेशन्स के अंतर्गत एक सीएसआर (कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य तकनीक और विशेषज्ञ निगरानी के माध्यम से गंभीर मरीजों की देखभाल को बेहतर बनाना है। इस कमांड सेंटर का उद्घाटन केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जे. पी. नड्डा ने यशोदा मेडिसिटी के वरिष्ठ नेतृत्व और चिकित्सकों की उपस्थिति में किया। इस पहल के तहत यशोदा मेडिसिटी के बेस कमांड सेंटर को एमएमजी जिला अस्पताल, गाजियाबाद के आईसीयू से जोड़ा गया है।

यशोदा मेडिसिटी की एक समर्पित और विशेषज्ञ क्रिटिकल केयर टीम इस कमांड सेंटर से 24ः7 निगरानी करती है और जरूरत के अनुसार समय पर मार्गदर्शन करती है, जिससे वैश्विक मानकों के अनुरूप इलाज सुनिश्चित होता है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जे. पी. नड्डा ने कहा, "यशोदा मेडिसिटी को एआई-सक्षम ई-आईसीयू जैसी पहल यह दिखाती है कि तकनीक के जरिये स्वास्थ्य सेवाओं को किस तरह मजबूत किया जा सकता है। यह सीएसआर पहल गंभीर मरीजों के लिए लगातार विशेषज्ञ निगरानी और मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगी साथ ही अन्य अस्पतालों को भी समाज के लिए योगदान देने के लिए प्रेरित करेगी।"

डॉ. पीएन अरोड़ा, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स, ने कहा कि हमारी हमेशा से यही सोच रही है कि हर मरीज को विश्वस्तरीय इलाज मिले। एआई-सक्षम ई-आईसीयू कमांड सेंटर के जरिये हम आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ देखरेख को अस्पताल की सीमाओं से बाहर तक पहुंचा रहे हैं। इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर काम कर रही मेडिकल टीमों को लगातार सहयोग देना है ताकि सही समय पर सही इलाज संभव हो सके। शुभांग अरोड़ा, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने कहा कि यह एआई-सक्षम ई-आईसीयू कमांड सेंटर हमारी उस सोच को दर्शाता है, जिसमें तकनीक के जरिये बड़े स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

प्रशासन का लक्ष्य:भीड़भाड़ वाले स्थलों पर स्थापित किए जाए स्तनपान कक्ष

राष्ट्र वंदना चौक पर जनपद प्रभारी मंत्री जसवंत सिंह सैनी ने किया आंचल स्तनपान बूथ का विधिवत शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। राष्ट्र वंदना चौक पर जनपद प्रभारी मंत्री एवं राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी ने 'आंचल स्तनपान बूथ' का विधिवत शुभारंभ किया। सार्वजनिक स्थानों पर माताओं को होने वाली असहजता को समाप्त करने और शिशुओं के पोषण के अधिकार को सुनिश्चित करने की दिशा में अब राष्ट्र वंदना चौक जैसे व्यस्त स्थल पर भी माताएं अपने शिशु को बेझिझक, सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में स्तनपान करा सकेंगी। अक्सर बाजार, बस अड्डे, सरकारी कार्यालय या सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचने वाली महिलाओं को गोप. नीय स्थान के अभाव में कठिनाई उठानी पड़ती थी। कई बार शिशु को भूखा रखना पड़ता था या असुविधा. जनक परिस्थितियों में स्तनपान कराना पड़ता था। 'आंचल' पहल ने इस समस्या का समाधान प्रस्तुत किया है।

विशेषज्ञों के अनुसार जन्म के बाद पहले छह माह तक शिशु के लिए केवल स्तनपान ही सर्वोत्तम पोषण है। यह न केवल बच्चे की रोग प्रति. रोधक क्षमता बढ़ाता है, बल्कि मां और शिशु के भावनात्मक संबंध को भी सुदृढ़ करता है। ऐसे में यह पहल केवल एक संरचना नहीं, बल्कि मातृत्व सम्मान और बाल स्वास्थ्य की सुरक्षा का प्रतीक है। जिला. धिकारी अस्मिता लाल के निर्देशन में 'आंचल पहल' की शुरुआत पूर्व में बड़ौत बस अड्डे से की गई थी, जहां प्रदेश का पहला स्तनपान कक्ष स्थापित हुआ। वहां से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया और महिलाओं की मांग को देखते हुए अब राष्ट्र वंदना चौक पर दूसरा बूथ स्थापित किया गया है। प्रशासन का लक्ष्य है कि भविष्य में जिला अस्पताल, तहसील परिसर, प्रमुख बाजार, पार्क और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थलों पर भी इस प्रकार के स्तनपान कक्ष स्थापित किए जाएं, ताकि अधिक से अधिक महिलाओं को सुविधा मिल सके। इस स्तनपान बूथ की एक और खासियत यह है कि इसे पूरी तरह रिसाइकल्ड मेटीरियल से तैयार किया गया है। प्लास्टिक और अन्य पुनर्चक्रित सामग्री का उपयोग कर इसे पर्यावरण अनुकूल बनाया गया है। राष्ट्र वंदना चौक पर किए गए ये नवाचार शहर की बदलती तस्वीर को दर्शाते हैं। प्रशासन का प्रयास है कि विकास कार्य आम नागरिक को सीधा लाभ पहुंचाएं। बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाएं तैयार की जा रही हैं। शुभारंभ अवसर पर बागपत विधायक योगेश धामा, छपरौली विधायक डा.अजय कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया। राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि महिलाओं और बच्चों को सम्मान और सुरक्षा मिले। उन्होंने प्रशासन की टीम को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के नवाचार अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेंगे। राष्ट्र वंदना चौक पर स्थापित 'आंचल स्तनपान बूथ' और व्याघ्रप्रस्थ थीम आधारित वाटर कियोस्क ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बागपत विकास की नई दिशा तय कर रहा है। इस अवसर पर अपर जिलाधिक. ारी वित्त राजस्व विनीत कुमार उपाध्याय, ईओ के के भड़ाना भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष सूरजपल सहित आदि उपस्थित रहे।

स्तनपान बूथ केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि यह है एक संदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। स्वच्छता और स्थायित्व को ध्यान में रखते हुए अंदर वेंटिलेशन, साफ-सफाई की व्यवस्था, बैठने की आरामदायक सीट और पर्याप्त रोशनी की सुविधा दी गई है। राष्ट्र वंदना चौक पर केवल स्तनपान बूथ ही नहीं, बल्कि बागपत के ऐतिहासिक नाम 'व्याघ्रप्रस्थ' की थीम से प्रेरित बाघ की आकर्षक डिजाइन वाला वाटर कियोस्क भी स्थापित किया गया है। यह कियोस्क न केवल राहगीरों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएगा, बल्कि शहर की सांस्कृतिक पहचान को भी सशक्त करेगा। बाघ की सुंदर आकृति और कलात्मक डिजाइन से सुसज्जित यह कियोस्क लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। साथ ही वहां एक मजबूत और आरामदायक बैठने की बेंच भी लगाई गई है, जिससे बुजुर्गों, महिलाओं और राहगीरों को विश्राम की सुविधा मिल सके। प्रशासन द्वारा श्रावणी और फाल्गुनी मेले के दौरान परशुरामेश्वर महादेव मंदिर परिसर में 'आंचल कक्ष' अस्थायी रूप से स्थापित किया गया था। मेले में दूर-दराज से आने वाली हजारों महिलाओं ने इस सुविधा का लाभ उठाया। महिलाओं ने इसे अत्यंत उपयोगी और आवश्यक पहल बताया। मेला क्षेत्र जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर इस प्रकार की व्यवस्था ने प्रशासन की संवे. दनशीलता को दर्शाया। अब स्थायी बूथ स्थापित होने से यह सुविधा वर्षभर उपलब्ध रहेगी। यह पहल प्रदेश सरकार की महिला सशक्तिकरण और मातृ-शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने वाली नीतियों के अनुरूप है। स्तनपान बूथ केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि यह संदेश है कि समाज में मातृत्व को सम्मान दिया जाना चाहिए। इससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय भागीदारी कर सकेंगी। बागपत अब स्मार्ट सिटी की तर्ज पर विकास की राह पर अग्रसर है। शहर के सौंदर्यीकरण, पेयजल व्यवस्था, बैठने की सुविधा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण जैसे पहलुओं पर एक साथ काम किया जा रहा है।

गांव में बंदरों ने आतंक, दर्जनों लोगों को किया घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

बड़ौत। तहसील क्षेत्र के मलकपुर गांव में बंदरों ने आतंक मचाया। दर्जनों लोगों को अब तक घायल कर चुके हैं। अपना निशाना वरिष्ठ समाजसेवी मलकपुर एडवोकेट अश्वनी कुमार ने पुलिस प्रशासन से बंदरों को पकड़वाने की मांग की है। उनका कहना है कि कई बार इसकी शिकायत प्रशासन से भी की जा चुकी है, मगर आज तक इस समस्या का कोई भी समाधान नहीं हो पाया आए। दिन बंदर ग्राम वासियों को अपना निशाना बना रहे

हैं। गांव में दर्जनों लोगों को अब तक अपनी चपेट में ले चुके है। लोगों में गांव के लोगों में भय बना हुआ है और गांव के लोग भयभीत हो रहे हैं। गांव के जितेंद्र तोमर रवि कुमार सत्येंद्र सिंह रमेश तोमर धर्मपाल सिंह रामधन चौधरी मुकेश आदि गांव के लोगों ने इन बंदरों से निजात दिलाने की मांग की है।

पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में मामले में दो आरोपियों को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

खेकड़ा। चांदीनगर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट से जुड़े दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इन पर पीड़िता को धमकाकर आभूषण लूटने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। यह मामला 17 फरवरी 2026 को थाने में दर्ज किया गया था।

पीड़िता ने 17 फरवरी 2026 को चांदीनगर थाने में लिखित तहरीर दी थी। इसमें बताया गया कि आरोपियों ने तमंचा दिखाकर उसे भयभीत किया और घर से कुंडल व अंगूठी जैसे आभूषण लाने को मजबूर किया।

डर के कारण पीड़िता ने अपने आभूषण आरोपियों को दे दिए, जिसके बाद महिला दोबारा पुलिस थाने पहुंची और चौंकाने वाले खुलासे किए, जिसमें उसने अपने बयान में बताया कि आरोपियों ने तमंचे के बल पर उसके साथ 7 महीनों तक दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो भी बनाई और वायरल करने की धमकी दी जिसके डर युवती खामोश रही।

आरोपियों ने किसी को घटना बताने पर पीड़िता के भाई को जान से मारने की धमकी भी दी थी। शिकायत के आधार पर थाना चांद. ीनगर में बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए साक्ष्य जुटाते हुए जांच तेज की और कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान आस्कि पुत्र हनीफ और साहिल पुत्र अनीश के रूप में हुई है, जो लहचौड़ा, थाना चांदीनगर के निवासी हैं।

एक नजर

उत्तर प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा बेड एण्ड ब्रेकफास्ट एवं होमस्टे नीति-2025 लागू

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। उ.प्र. बेड एण्ड ब्रेकफास्ट व होमस्टे नीति-2025 के अन्तर्गत जनपद बागपत में प्रस्तुतीकरण एवं गोष्ठी का आयोजन जिलाधिकारी अस्मिता लाल के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी न्यायिक शिव नारायण की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन देने, गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधाओं का विस्तार करने तथा स्थानीय नागरिकों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उ.प्र.बेड एण्ड ब्रेकफास्ट एवं होमस्टे नीति-2025 प्रख्यापित की गई है। यह नीति प्रदेश की पर्यटन अवसंरचना को सुदृढ़ करने एवं घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं किायती आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नीति के अंतर्गत इच्छुक आवासीय भवन स्वामी निर्धारित मानकों एवं शर्तों के अधीन अपने भवन अथवा आवासीय इकाई का पंजीकरण कर उसे बेड एण्ड ब्रेकफास्ट अथवा होमस्टे इकाई के रूप में संचालित कर सकेंगे। इससे पर्यटकों को स्थानीय परिवेश में ठहरने का अवसर मिलेगा, वहीं भवन स्वामियों को अतिरिक्त आय एवं स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। यह नीति विशेष रूप से ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ावा देगी तथा स्थानीय हस्तशिल्प, खान-पान, लोककला एवं सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में सहायक सिद्ध होगी। साथ ही, महिला उद्यमियों एवं युवाओं के लिए भी यह योजना आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रभावी पहल है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि पर्यटन क्षेत्र में निजी सहभागिता को बढ़ावा देकर उत्तर प्रदेश को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित किया जाए। इस नीति के माध्यम से राज्य की आतिथ्य परंपरा को सशक्त करते हुए स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की जाएगी। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी दीपिका सिंह ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी एवं भवन स्वामी विस्तृत जानकारी के लिए क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय, मेरठ से संपर्क कर सकते है। इस अवसर पर क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी दीपिका सिंह, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत जितेंद्र सिंह ,जिला कृषि अधिकारी बाल गोविंद यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

बिना फिटनेस बिना लाइसेंस के सड़क पर मिले तो होगा जुर्माना

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। जिलाधिकारी अस्मिता लाल के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा माह 01-01-2026 से 28-02-2026 तक के अन्तर्गत जनपद बागपत में, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी विपिन कुमार द्वारा 02 स्कूली वाहनो के चालान किये गया तथा ई-रिक्शा चैकिंग के दौरान लाइसेंस अभियोग में 06 चालान किये गये तथा यात्री/माल कर अधिकारी संदीप कुमार जायसवाल द्वारा 01 ओवरलोड् वाहन को निरूद्ध चालान किया गया तथा 38 चालान हेलमेट, शीट बेल्ट, नो पार्किंग, ओवरस्पीड् स्पीड् एवं रॉग साइड् के अभियोग में किये गये। सहायक संभाग के परिवहन अधिकारी ने बताया कि बिना फिटनेस बिना पंजीकरण बिना लाइसेंस के जनपद में कोई भी ई-रिक्शा चला पाया जाएगा तो उसे पर कार्यवाही की जाएगी और जुर्माना भी लगाया जाएगा। उन्होंने समस्त ई रिक्शा चालकों से अपील की है कि अपनी रिक्शा की फिटनेस कराये, बिना लाइसेंस के ना चले सड़क सुरक्षा के मानकों का अनुपालन करें जो नियमों का उल्लंघन करेगा उन के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी और जनपद में निरंतर चेकिंग का कार्य जारी रहेगा यातायात के नियमों का पालन करें सुरक्षित चलें सतर्क चले।

किसानों ने दी जमीन का जबरन अधिग्रहण करने पर बड़े आंदोलन चेतवानी

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। सांकरोद और मवी कला गांव के किसानों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। किसानों ने आरोप लगाया कि उनकी भूमि पर रीजनल पार्क बनाने की योजना तैयार की जा रही है, जिसके लिए वे अपनी जमीन नहीं देना चाहते।

किसानों का कहना है कि रीजनल पार्क के लिए उनकी जमीन का अधिग्रहण होने पर उन्हें कम मुआवजा मिलेगा, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे किसी भी कीमत पर अपनी जमीन नहीं देंगे। प्रदर्शन कर किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी जमीन का जबरन अधिग्रहण किया गया, तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे और इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। भारतीय किसान यूनियन के नेता विनोद चौधरी ने बताया कि

रीजनल पार्क में जमीन जाने पर किसानों को मौजूदा बाजार दर से बहुत कम मुआवजा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में जमीन की दरें काफी अधिक हैं, जिससे किसानों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। चौधरी ने यह भी बताया कि रीजनल पार्क की योजना सामने आने के बाद से निजी बिल्डर लगातार गांवों में पहुंच रहे हैं और किसानों को लुभाकर उनकी जमीन हड़पने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि किसान अपनी जमीनों के बचाव के लिए लगातार विरोध कर रहे हैं और यदि जबरन अधिग्रहण हुआ तो वे गांव-गांव जाकर रणनीति तैयार कर एक बड़ा आंदोलन करेंगे। इस दौरान कलेक्ट्रेट पर दर्जनों किसान मौजूद रहे।

राज्यमंत्री ने सुनी कार्यकर्ताओं की समस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर प्रदेश सरकार में संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास राज्यमंत्री व प्रभारी मंत्री जशंवत सैनी ने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं। उन्होंने सम्बोधित अधिकारियों से वार्ता कर जल्द समाधान कराने का भरोसा दिलाया।

इस दौरान राज्यमंत्री के सामने कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याएं रखीं। पूर्व मंडल अध्यक्ष सत्यबीर सिंह बड़का ने बड़का गांव के तालाब की सफाई के लिए मंत्री से कहा, उन्होंने कहा कि तालाब ओव. रफ्लो होने के कारण आए दिन बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, पशु-बच्चे दलदल में फंस जाते हैं। मंडल अध्यक्ष दिनेश प्रधान ने मंत्री के सामने खनन का मुद्दा उठाया। भाजपा नेता रविंद्र आर्य ने बावली गांव स्थित अंडरपास में बरसात के समय पानी भरने से लोगों की परेशानी के बारे में बताया। राज्य मंत्री ने सभी समस्याएं सुनकर कहा कि जो उचित समस्याएं हैं, उनका जल्दी समाधान कराया जाएगा। सरकार का कहना है कि किसी भी कार्यकर्ता की कोई समस्या हो, तो उसे जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि योगी मोदी का आशीर्वाद हम सभी कार्यकर्ताओं को प्राप्त है। जिले में बहुत सारी परियोजनाएं समाप्ति की ओर हैं। कहा कि संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनसेवा के संकल्प के साथ हम सब मिलकर समाज एवं राष्ट्रहित में निरंतर कार्यरत हैं। जिला प्रभारी व प्रदेश मंत्री डा.चंद्र मोहन ने कहा कि पार्टी में सरकार की ताकत कार्यकर्ताओं से जो विषय समाधान के होते हैं, उन्हें जल्द हल कराया जाएगा। हमारी पार्टी विचारों की पार्टी है।

स्वयंसेवकों ने सामाजिक कुरीतियों को दर्शाते हुए किया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

बड़ौत। नगर के दयानंद विद्या मंदिर में आयोजित जनता वैदिक कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के तृतीय दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय परिसर में NSS द्वितीय इकाई द्वारा किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

प्रथम सत्र में स्वयंसेवकों द्वारा महिला शिक्षा विषय पर एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि शिक्षा प्रत्येक बालिका का अधिकार है और समाज के विकास के लिए महिलाओं का शिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है। स्वयंसेवकों ने बाल विवाह, लैंगिक भेदभाव और अशिक्षा जैसी सामाजिक कुरी. तियों को दर्शाते हुए लोगों को जागरूक किया। नाटक के माध्यम से यह भी बताया गया कि एक शिक्षित महिला पूरे परिवार और समाज को सशक्त बनाती है। द्वितीय सत्र महिला सशक्तिकरण पर डा. आकांख्या गुरु ने अपने विचार साझा किए। महिला सशक्तिकरण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सत्र में महिलाओं के अधिकार, आत्मनिर्भरता, शिक्षा, रोजगार एवं आत्मरक्षा के महत्व पर प्रकाश

डाला गया। वक्ताओं ने बताया कि आज की महिला हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही है और समाज को समानता एवं सम्मान की दिशा में आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के अंत में NSS कार्यक्रम अधिकारी सरिता व उपस्थित स्कूल प्राचार्य राजकुमार ने सभी स्वयंसेवकों की सराहना की और समाज सेवा के प्रति समर्पित रहने का आहवान किया।

रवि बेंसला ने समर्थकों के साथ ली सपा पार्टी की सदस्यता

शाह टाइम्स संवाददाता

रटौल। भागोंट निवासी रवि बैंसला पिछले काफी समय से समाजवादी पार्टी के लिये मेहनत कर रहे हैं और बागपत के हर गांव में घूम-घूमकर समाजवादी पार्टी के विचारों का संदेश दे रहे हैं। वे अपने सेंकड़ों कार्य कर्ताओं सहित भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में आयें है। लखनऊ पहुंचने पर अखिलेश यादव ने रवि नेता को समर्थकों सहित समाजवादी पार्टी की सदस्यता दिलाई और पार्टी की विचारधारा हर गरीब दुबले कुचले किसानों मज़दूरों पिछड़ों आदि के लिए काम करने का आहवान किया। पुर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम देख रहे है कि एक युवा नोजवान नेता कुछ दिनों से समाजवादी पार्टी के लिए क्षेत्र में

रहकर जान लगाकर मेहनत कर रहे है। ऐसे युवा नेताओंओ का समा. जवादी पार्टी स्वागत करती है और रवि बैसला से समाजवादी सोच को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करने के लिए आहवान करती है। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी कांशीराम प्रधान योगेंद्र आदि मौजूद रहे।

अनधिकृत कॉलोनियों के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

शाह टाइम्स सवांददाता

बागपत। बागपत-बड़ौत-खेकड़ा विकास प्राधिकरण द्वारा उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 के अंतर्गत अनधिकृत कॉलोनियों के विरुद्ध सख्त प्रवर्तन कार्यवाही की गई।

24 फरवरी 2026 को प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम द्वारा बड़ौत क्षेत्र में विकसित की जा रही दो अनधिकृत कॉलोनियों का ध्वस्तीकरण किया गया। विवरण निम्नवत् है-बिलाल व रिजवान पुत्रगण हाजि उस्मान, हरबीर व रमेश रिडकु आदि द्वारा बारुखानें के पीछे के बागपत में 10000 वर्ग मीटर में विकसित की जा रही अना. धिकृत कॉलोनी। सुधारस चौहान द्वारा महावीर एन्क्लेव कॉलोनी के पीछे लगभग 5000 वर्ग मीटर में विकसित की जा रही है अनधिकृत कॉलोनी। उक्त दोनों कॉलोनियाँ बिना ले-आउट स्वीकृति एवं बिना विकास अनुमति के विकसित की जा रही थीं, जो कि अधिनियम के प्रावधानों के विरुद्ध है। जनहित एवं सुनियोजित शहरी विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उक्त अनधिकृत प्लॉटिंग/निर्माण को ध्वस्त किया गया। प्राधिकरण द्वारा आम नागरिकों से अपील की जाती है कि किसी भी भूमि/प्लॉट का क्रय करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि संबंधित ले-आउट एवं मानचित्र विकास प्राधिकरण से विधिवत स्वीकृत है, अन्यथा ऐसे अनधिकृत निर्माण/प्लॉटिंग के विरुद्ध भविष्य में भी कठोर कार्यवाही की जाएगी।

भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ताओं ने किया कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर जमकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन बिजनौर जिले में किसानों ओर ग्रामीणों पर कथित अत्याचार और उनके खिलाफ दर्ज मुकदमों के विरोध में था। संघ ने बिजनौर प्रशासन और एनएचएआई अधिक. ारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

संघ के अनुसार, बिजनौर में निर्माणाधीन मेरठ-पौड़ी हाईवे पर बैराज के पास हेमराज कॉलोनी चौराहे पर ग्रामवासी पिछले नौ महीने से अंडरपास की मांग को लेकर शांतिपूर्ण धरना दे रहे थे। यह धरना भारतीय किसान संघ के बैनर तले चल रहा था और उनकी मांग को जायज बताया गया। आरोप है कि अधिकारियों से आश्वासन मिलने के बावजूद, एनएचएआई

अधिकारियों और बिजनौर जिला प्रशासन ने कुछ राजनीतिक लोगों और भू-माफिया के फायदे के लिए मिलीभगत कर शांतिपूर्ण धरने को अमर्यादित तरीके से हटा दिया। इसके बाद कई थानों की पुलिस फोर्स लगाकर ग्रामवासियों को रात भर नजरबंद रखा गया। अब जानक. ारी मिली है कि हेमराज कॉलोनी के निवासियों और किसानों के खिलाफ शासन स्तर पर मुकदमे दर्ज कराए गए हैं। भारतीय किसान संघ, जनपद बिजनौर मेरठ प्रांत, ने इसे निंदनीय बताया है और इसका कड़ा विरोध किया है। भारतीय किसान संघ, जनपद बिजनौर मेरठ प्रांत, ने मांग की है कि इसमें दोषी जिला प्रशासन अधिकारियों और एनएचएआई अधिकारियों को तुरंत हटाया जाए। साथ ही, हेमराज कॉलोनी के निवासियों और किसानों के खिलाफ दर्ज मुकदमे तत्काल वापस लिए जाएं। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि बिजनौर जिला प्रशासन ने ग्रामीणों की आवाज दबाने का प्रयास किया और मांगें पूरी नहीं कीं, तो मेरठ प्रांत बिजनौर में एक बड़ा आंदोलन करेगा, जिसकी जिम्मेदारी बिजनौर जिला प्रशासन की होगी।

आपातकाल के 50 वर्ष पर अपनी बात रखेंगे युवा, विजेताओं को राज्य स्तर पर मिलेगा मौका

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। युवा शक्ति को लोकतंत्र की मूल भावना से जोड़ने हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की इकाई माय भारत केंद्र बागपत द्वारा 27 फरवरी को जिला स्तरीय विकसित भारत युवा संसद-2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम बड़ौत स्थित जनता वैदिक डिग्री कॉलेज में प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें जनपद भर से युवा प्रतिभाग कर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। युवा संसद का विषय आपातकाल के 50 वर्ष-भारतीय लोकतंत्र के लिए सीख निर्धारित किया गया है ताकि युवाओं को उस दौर की घटनाओं, लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, नागरिक अधिकारों और संविधान की मूल भावना पर चिंतन-मनन करने का अवसर दिया जा सके। निर्धारित विषय पर प्रत्येक प्रतिभागी को तीन मिनट का समय दिया जाएगा। प्रतिभागी हिंदी अथवा अंग्रेजी में अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे। जिला युवा अधिक. ारी डा.योगेश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में जनपद बागपत के 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवा भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए माय भारत प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। जिला स्तरीय युवा संसद के विजेताओं को लखनऊ विधानसभा में राज्य स्तरीय युवा संसद में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा। राज्य स्तर के विजेताओं को देश की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद में भाग लेने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा।

परिवहन मंत्री को संबोधित ज्ञापन मैनेजर को सौंपा

भाकियू कार्यकर्ताओं ने टोल का संचालन अवैध बताकर किया हंगामा

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। आरटीआई के तहत मांगी गई जन सूचना में सच्चाई का खुलासा होने पर भाकियू कार्यकर्ताओं ने टोल प्लाजा को मानक के विपरीत बताकर हंगामा करते हुए परिवहन मंत्री को संबो. धित ज्ञापन मैनेजर को सौंपा।

भाकियू महात्मा टिकैत के दर्जनों कार्यकर्ता मंगलवार को युवा प्रदेश महासचिव आमिर चौधरी और जिला अध्यक्ष अमित त्यागी के नेतृत्व में ब्रजघाट टोल प्लाजा पर पहुंचे। जिन्होंने हंगामा करते हुए आरोप लगाया कि एनएचएआई द्वारा जो मानक तय किए हुए हैं, उसका खुला उल्लंघन करते हुए करीब 15 साल से ब्रजघाट टोल प्लाजा का अवैध ढंग में संचालन किया जा रहा है। भाकियू

कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि राजपत्र में गढ़ पालिका के अंतर्गत आने वाली ब्रजघाट गंगानगरी को एक गांव दर्शाते हुए पालिका सीमा से 3.9 किलोमीटर दूर दिखाकर स्थापित किया गया था। समाजसेवी पंकज लोधी द्वारा आरटीआई के तहत ली गई सूचनाओं में सारा कच्चा चिट्ठा खुलकर सामने आ गया, जिससे अपने ही घर में गढ़ से ब्रजघाट आने जाने के दौरान टोल टैक्स अदा कर रहे लोगों में भारी रोष व्याप्त हो रहा है। अवैध रूप से संच. ालित हो रहे टोल प्लाजा के विरोध में पंकज लोधी द्वारा 22 दिसंबर से 27 दिन तक तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन किया गया था। डीएम के बुलावे पर पीडी अरविंद कुमार से एडीएम की मौजूदगी में वार्ता हुई थी, जिसमें पालिका सीमा के अंदर होने पर टोल प्लाजा को एक माह में हटवाने की मोहलत ली गई थी। परंतु नियत अवधि बीतने के बाद भी अवैध टोल को हटवाने के संबंध में कोई कार्रवाई किया जाना संभव नहीं हो पाया है। भाकियू नेताओं ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को संबोधित ज्ञापन टोल प्लाजा के जीएम पीतम और वरिष्ठ अधिकारी संजय को सौंपते हुए जल्द ही बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी भी दी। इस दौरान रानी, अनुज शर्मा, सलीम चौधरी, वसीम चौधरी, उस्मान, हरशरण प्रजापति, बबलू सहगल, शिव त्यागी, शाहनवाज, आशीष शर्मा, पिंटू जाटव, शाहिद समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पंकज लोधी 27 पफरवरी से अन्न जल का करेंगे त्याग

समाजसेवी पंकज लोधी ने बताया कि एनएचएआई पीडी ने ब्रजघाट टोल प्लाजा हटवाने को लेकर मांगी गई मोहलत बीतने के बाद भी कोई सुनवाई संभव नहीं हो पाई है। इसलिए वे दोबारा आंदोलन करते हुए 27 फरवरी से अन्न जल का त्याग करेंगे। जिसको लेकर दिल्ली समेत लखनऊ प्रशासन और एनएचएआई को भी सूचना भेज दी गई है।

शहर से जाम खत्म करने को प्रशासन सख्त, शहरभर में चला चालान अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नगर में बढ़ती जाम की समस्या और अव्यवस्थित यातायात को नियंत्रित करने के लिए सोमवार को परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने व्यापक अभियान चलाया। शहर के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर सड़क किनारे खड़े गलत पार्किंग वाले वाहनों के चालान किए गए और वाहन चाल. कों को सख्त निर्देश दिए गए कि सड़क पर वाहन खड़ा न करें।

अभियान के दौरान टीम ने प्रमुख व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, जिनमें डोमिनोज और ब्लिंकिट शामिल रहे, की पार्किंग व्यवस्था का निरीक्षण किया। संचालकों को चेतावनी दी गई कि ग्राहक वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग से यातायात प्रभावित न हो और सभी वाहन वैध दस्तावेजों के साथ ही संचालित हों। संयुक्त टीम ने ऑटो स्टैंडों पर भी पहुंचकर ऑटो चाल. कों को दस्तावेज पूर्ण रखने और यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहन संचालन करने के निर्देश दिए। प्रवर्तन कार्रवाई के तहत ओवरस्पीड में 143 वाहनों के चालान किए गए, जबकि गलत पार्किंग में 19 वाहनों पर कार्रवाई हुई। विभिन्न अभियोगों में 14 वाहनों को निरुद्ध किया गया। अभियान के दौरान कुल लगभग 8.05 लाख रुपये का प्रशमन शुल्क वसूला गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सख्ती और सीमित रूट से बढ़ी मुश्किलें, ई-रिक्शा चालकों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। मंगलवार को ई-रिक्शा चालकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी से मुलाकात कर समाधान की मांग उठाई। उत्तर प्रदेश ई-रिक्शा चालक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष विशाल कौशिक के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि शहर में हजारों परिवारों की रोजी-रोटी ई-रिक्शा संचालन पर निर्भर है, लेकिन हालिया व्यवस्थागत बदलावों से उनकी आय पर गंभीर असर पड़ा है। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि प्रशासन द्वारा निर्धारित रूटों को छोटा किए जाने से सवारियों की उपलब्धता कम हो गई है। पहले जहां चालक दिनभर में संतोषजनक कमाई कर लेते थे, वहीं अब आमदनी घटकर आधे से भी कम रह गई है। चालकों का कहना है कि बढ़ते खर्च और घटती आय के बीच परिवार का भरण-पोषण कठिन होता जा रहा है।

ज्ञापन में पुलिस की सख्ती को लेकर भी चिंता जताई गई। चालकों का आरोप है कि छोटी-छोटी बातों पर चालान और बार-बार रोक-टोक से कामकाज प्रभावित हो रहा है और भय का माहौल बन रहा है। एसोसिएशन ने प्रशासन से अपील की कि नियमों के पालन के साथ-साथ अनावश्यक दिक्कतों से भी राहत दिलाई जाए, ताकि व्यवस्था और रोजगार दोनों संतुलित रह सकें। चालकों ने शहर में स्थायी ई-रिक्शा स्टैंड के अभाव को प्रमुख समस्या बताते हुए कहा कि निर्धारित स्थान न होने से उन्हें

सड़क किनारे या भीड़भाड़ वाले इलाकों में वाहन खड़े करने पड़ते हैं। इससे जाम की स्थिति बनती है और कार्रवाई का खतरा भी बना रहता है। एसोसिएशन ने शहर के प्रमुख स्थानों पर व्यवस्थित स्टैंड चिन्हित करने की मांग की है, ताकि यातायात सुचारू रहे और चालकों को सुरक्षित संचालन का वातावरण मिल सके।

गरीबों की शादी में लापरवाही भारी पड़ी, 75 लाख का टेंडर पाने वाली फर्म ब्लैकलिस्ट

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत आयोजित होने वाला बहुप्रतीक्षित विवाह समारोह प्रशासन ने अंतिम क्षणों में रद्द कर दिया। कार्यक्रम में गंभीर अव्यवस्थाएं और गुणवत्ता से जुड़ी अनियमितताएं सामने आने के बाद जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय ने संबंधित आयोजन फर्म को तत्काल प्रभाव से ब्लैकलिस्ट कर दिया। यह कार्यक्रम मंगलवार को रामलीला मैदान में 517 जोड़ों के विवाह के लिए प्रस्तावित था। समाज कल्याण विभाग की देखरेख में हो रहे आयोजन के लिए लगाए गए पंडाल और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किए जाने पर कई गंभीर कमियां उजागर हुईं। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने पाया कि पंडाल में उपयोग किए गए

कपड़े फटे और गंदे थे, जबकि भोजन की गुणवत्ता भी मानकों के अनुरूप नहीं थी। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम ने व्यवस्थाओं पर कड़ी नारा. जगी जताते हुए इसे गरीब परिवारों के सम्मान से जुड़ा मामला बताया।

जानकारी के अनुसार इस आयोजन के लिए मुकुल वेडिंग्स को करीब 75 लाख रुपये का टेंडर दिया गया था। प्रशासनिक स्तर पर मामला सामने आने के बाद डीएम ने कार्यक्रम को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने का आदेश जारी किया। साथ ही संबंधित फर्म को जनपद में ब्लैकलिस्ट करते हुए निदेशालय को भी पत्र भेजा गया है, जिसमें भविष्य में उक्त फर्म को किसी भी सरकारी आयोजन में कार्य न दिए जाने की संस्तुति की गई है। डीएम ने स्पष्ट किया कि जनहित और लाभार्थियों की गरिमा से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने विभागीय जिम्मेदारियों की भी समीक्षा शुरू कर दी है और लाप. रवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई के संकेत दिए हैं।

सुनियोजित शहरी विकास की ओर कदम, एचपीडीए ने शुरू की चयन प्रक्रिया

हापुड़। सुनियोजित शहरी विकास को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण ने मंगलवार को हरिपुर आवासीय योजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने हेतु परामर्शदाता फर्मों की तकनीकी प्रस्तुतियाँ आयोजित कीं। प्रस्तावित योजना चक्रसेनपुर व बाबूगढ़ क्षेत्र में विकसित की जानी है।

निविदा प्रक्रिया के अंतर्गत आयोजित इस प्रस्तुति चरण में तीन प्रतिष्ठित परामर्शदाता फर्मों ने भाग लेकर मूल्यांकन समिति के समक्ष अपनी तकनीकी रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नितिन गौड़, सचिव, कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता तथा परियोजना की मॉनिटरिंग एवं परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट

सपोर्ट यूनिट से जुड़े म्तदेज - ल्वनदह के परामर्शदाता मौजूद रहे। प्रस्तुतियों में फर्मों ने प्रस्तावित कार्य-पद्धति, मास्टर लेआउट, अवसंरचना डिज़ाइन, ड्राइंग और डीपीआर तैयार करने की समय-सीमा का विस्तृत खाका रखा। अधिकारियों ने तकनीकी क्षमता, परियोजना दृष्टिकोण और क्रियान्वयन रणनीति के आधार पर प्रस्तावों का परीक्षण किया। प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार तकनीकी प्रस्तावों का मूल्यांकन निर्धारित मानकों और निविदा शर्तों के अनुरूप किया जाएगा। चयनित परामर्शदाता फर्म को योजना के लिए डीपीआर, आधारभूत ढांचा और विस्तृत डिज़ाइन तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, जिससे क्षेत्र में सुव्यवस्थित आवासीय विकास को मजबूती मिलेगी।

प्राकृतिक रंगों से खेलें होली, केमिकल युक्त रंगों से करें परहेज

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। होली रंगों का त्यौहार है। यह भारत के मुख्य त्योहारों में से एक हैं। इस दिन लोग गिले-शिकवो को दूर कर प्यार से एक दूसरे को रंग गुलाल लगाते हैं। होली में केमिकल युक्त रंग और गुलाल का इस्तेमाल खतरनाक साबित हो सकता है। इन दिनों बाजार में सस्ते दाम पर केमिकल युक्त रंग और गुलाल बड़े पैमाने पर बिक रहा है। ऐसे रंगों के इस्तेमाल से चर्म रोग होने के साथ ही आंखों को भी क्षति पहुंच सकती है।

एसीएमओ डॉक्टर दिनेश कुमार भारती ने स्वदेशी और प्राकृतिक रंगों से होली खेलने का सुझाव लोगों को दिया है। उन्होंने बताया कि बाजार में रसायन युक्त रंग और अबीर बिक रहा है। इनमें कुछ घातक रसायन मिले होते हैं। इस रंग के बजाय प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करना चाहिए, अन्यथा रसायनयुक्त रंगों से एलर्जी हो सकती है। ऐसे रंग के प्रभाव से छोटे-छोटे दाने निकलना, जलन होने की समस्या पैदा हो सकती है।

रंग खेलने के पहले शरीर में नारियल व तिली का तेल लगाना चाहिए। जलन होने पर नारियल तेल में कपूर डालकर इस्तेमाल करना चाहिए। इसके बाद चर्मरोग विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए। उन्होंने बताया कि आंख में रंग या गुलाल पड़ने पर तत्काल ठंडे पानी से धोएं और नेत्ररोग विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा डालें। दुकान से दवा लेकर आंख में कतई ना डालें अन्यथा आंख अधिक खराब हो सकती है। जहां तक हो सके रसायन युक्त रंगों की जगह प्राकृतिक रंग का प्रयोग करें।

एक नजर

नाव संचालन के नियमों का तोड़ा बोर्ड, पुलिस खंगाल रही है सीसीटीवी

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। गंगा भक्तों समेत नौकायन का आनंद लेने आने वालों से होने वाली मनमानी वसूली और अभद्रता को रोकने के लिए बनाए हुए नियमों का बोर्ड शरारती तत्वों ने तोड़ डाला।

ब्रजघाट गंगानगरी को दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुक्ति धाम के रूप में ख्याति हासिल है। हरिद्वार के उत्तराखंड में शामिल होने के बाद मुक्ति धाम ब्रजघाट में आने वाले गंगा भक्तों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। विभिन्न अनुष्ठानों के लिए आने वाले हजारों श्रद्धालुओं समेत महानगरों से जुड़े सैकड़ों लोग गंगा की जलधारा में नौकायन का आनंद लेने आते हैं, परंतु अधिकांश नाविक किराए की आड़ में उनसे मनमानी वसूली करने के साथ ही विरोध करने वालों से मारपीट तक कर डालते हैं। अवैध वसूली और अभद्रता की रोकथाम को पालिका प्रशासन द्वारा गंगा किनारे बोर्ड लगवाया हुआ है, जिस पर सवारियों की क्षमता और किराए की दर से लेकर अन्य सभी नियम अंकित कराए हुए थे। परंतु रात के अंधेरे में कुछ शरारती तत्वों ने उक्त बोर्ड को तोड़ फोडकर क्षतिग्रस्त कर दिया। जिसकी सूचना मिलते ही पालिका प्रशासन समेत स्थानीय पुलिस द्वारा शरारती तत्वों की सुरागरसी कराई जा रही है। गंगा किनारे समेत आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही हैं, ताकि नियमों वाला बोर्ड तोडने वाले शरारती तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किया जाना संभव हो सके। पालिका ईओ पवित्रा त्रिपाठी और चौकी इंचार्ज इंद्रकांत यादव का कहना है कि नावों के संचालन से जुड़े नियमों वाला बोर्ड तोडने वाले शरारती तत्वों की बहुत जल्द सुरागरसी कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

घर में घुसकर हमला करने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। क्षेत्र के गांव अल्लाबख्शपुर निवासी युवक ने पड़ोसी पर घर में घुसकर हमला करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी है। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने तहरीर पर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी कामिल ने बताया कि उसके ही गांव निवासी एक युवक पर कई अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने की रिपोर्ट दर्ज है। आरोपी उसको भी अपने साथ इस प्रकार के काम करने के लिए दवाब बनाता है। दो दिन पूर्व उसने आरोपी का साथ देने से मना किया तो आरोपी अपने दो साथियों के साथ उसके घर में घुस गया और गाली गलौज कर जान लेवा हमला कर घायल कर दिया। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत करने की बात कहीं तो आरोपी ने उसको जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने तहरीर पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बरसाना सुरक्षा चप्पे चप्पे पर है पैनी नजर, जरा सी हरकत पडेगी भारी

मथुरा। बरसाना में चहुंओर रंग बरसर रहा है। मंगलवार को लड्डू होली खेली गई। बुधवार को लठामार होली होगी। होली को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये हैं। आलाधिकारियों ने बरसाना में डेरा डाल दिया है। मंगलवार को जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बरसाना स्थित लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन सभागार में स्थापित सीसीटीवी कंट्रोल रूम से सम्पूर्ण बरसाना मेला क्षेत्र का जायजा लिया। लठामार होली के लिए मेला क्षेत्र में 150 स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगातार निगरानी कर रहे हैं। 10 वॉच टावरों से पूरे क्षेत्र में निगरानी की जा रही है। पांच ड्रोन कैमरों से पूरे मेला क्षेत्र पर लठामार होली के दौरान पैनी नजर रखेंगे। सुरक्षा व्यवस्था में सात एसपी, 23 सीओ, 54 इंस्पेक्टर, 355 एसआई, 1226 हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल, 340 होमगार्ड, 63 महिला एसआई, 144 महिला कांस्टेबल, 19 ट्रैफिक निरीक्षक, 30 ट्रैफिक एसआई, 189 ट्रैफिक हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल, 250 रिक्रूट कांस्टेबल, पांच कंपनी पीएसी, 10 गुंडा दमन दल की टीम, चार गाड़ी फायर ब्रिगेड, छह घुड़सवार, बम स्क्वॉयड की टीम सहित सदा वर्दी में पुलिस के जवान व सामाजिक संगठनों की टीम भी तैनात हैं। प्रत्येक जोन पर एडिशनल एसपी व जोनल मजिस्ट्रेट तैनात किये गये। प्रत्येक सेक्टरों पर सीओ व सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती रहेंगी। डीएम सीपी सिंह ने कहा इतने बड़े उत्सव को कराना सौभाग्य का मौका है, इसलिए सभी पुलिसकर्मी आस्था व श्रद्धा के साथ मेला में ड्यूटी करें। अगर कोई श्रद्धालु उलझता भी है तो उसे भी विनम्र होकर समझाएं। मंगलवार को डीएम सीपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमार ने बरसाने की रंगली गली सहित प्रवेश मार्गों का संघन निरीक्षण किया।

नियम तोड़ने वालों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई, मॉडिफाइड साइलेंसर वाली बाइकें सीज

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद हापुड़ में तेज आवाज और पटाखा साइलेंसर से लोगों को परेशान करने वाले बाइक चालकों के खिलाफ पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है।

इसी क्रम में बाबूगढ़ थाना पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाकर पटाखा छोड़ने वाली 5 बुलेट और एक स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल को मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत सीज कर दिया। बाबूगढ़ पुलिस के अनुसार जनपद में चल रहे ऑपरेशन पटाखा अभियान के तहत विशेष निगरानी की जा रही है। अभियान के दौरान संदिग्ध वाहनों को रोक. कर साइलेंसर की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर तत्काल प्रवर्तन कार्रवाई की गई और वाहनों को सीज किया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई का उद्देश्य सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना और आमजन को अनावश्यक शोर व असुविधा से राहत दिलाना है। अभियान निरंतर जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मैदान में जोश, मंच पर सम्मान-जेएमएस खेल महोत्सव ने जीता दिल

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जेएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद समारोह 2026 का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ संस्थान के उपाध्यक्ष डा. हिमांशु सिंघल ने बतौर मुख्य अतिथि तथा थाना प्रभारी हाफिजपुर प्रवीण कुमार ने विशिष्ट अतिथि के रूप में दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक डा. आयुष सिंघल, महानिदेशक प्रो. डा. सुभाष गौतम, जेएमएस वर्ल्ड स्कूल की प्रधानाचार्या डा. निधि मलिक सहित संस्थान के वरिष्ठ अधिक. ारी, शिक्षकगण और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

खेल महोत्सव में विभिन्न क्लबों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग

लिया। प्रतियोगिताओं में क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम, 100 मीटर दौड़, रस्साकशी, भाला फेंक, डिस्कस थ्रो और बास्केटबॉल सहित अनेक खेलों का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि डा. हिमांशु सिंघल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण आधार है। समापन समारोह में खेल प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए। समारोह के अंत में विजेताओं को मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। महानिदेशक प्रो. सुभाष गौतम ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्पोर्ट्स प्रभारी प्रो. अंकित नागर ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

घर से कोचिंग को निकली छात्रा, खेत किनारे गंभीर हालत में मिली

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। बाबूगढ़ कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार शाम एक बीए छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में खेत के किनारे घायल अवस्था में मिली। घटना कुचेसर चौपला के पास की बताई जा रही है। राहगीरों ने युवती को लहूलुहान हालत में देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उसे उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार छात्रा कोचिंग के लिए घर से निकली थी, लेकिन शाम को वह खेत के किनारे गंभीर रूप से घायल पड़ी मिली। सूचना फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए छात्रा को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की टीम उसकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखे हुए है। छात्रा

के गले और हाथ पर चोट के निशान पाए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी वरुण मिश्रा और कोतवाली प्रभारी मुनीष प्रताप सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस टीम ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिका. रियों के अनुसार छात्रा से भी जानकारी ली जा रही है और सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि घटना के कारणों का पता लगाने के लिए हर एंगल से जांच जारी है और जल्द ही स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन

मथुरा। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई कृष्ण चन्द्र गांधी सरस्वती मंदिर इंटर कॉलेज, मथुरा द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय दिवस का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष, भारतीय जनता युवा मोर्चा मंजीत पौनिया रहे उनके साथ विशाल गुप्ता, विद्यालय के प्रधानाचार्य विनय कुमार सिंह, कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र कुमार, भौतिक विज्ञान प्रवक्ता उमेश शर्मा एवं वाणिज्य प्रवक्ता लोकेश अग्रवाल मंचासीन रहे। कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र कुमार ने कहाकृ "मतदाता जागरूकता इसलिए आवश्यक है क्योंकि आज का युवा राजनीति को अपना करियर नहीं मानता, जबकि लोकतंत्र की मजबूती युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है।" मुख्य अतिथि मंजीत पौनिया ने अपने संबोधन में कहाकृ "मतदान ही वह माध्यम है जिससे हम सशक्त नेतृत्व का चयन कर सकते हैं। मतदान के कारण ही आज भारत विश्व पटल पर अपना परचम लहरा रहा है। देश के स्वस्थ लोकतंत्र के लिए प्रत्येक नागरिक का मतदान करना अनिवार्य है।"विद्यालय के प्रधानाचार्य विनय कुमार सिंह ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए स्वयंसेवकों से आग्रह किया"आप सभी स्वयं मतदाता बनें और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी मतदान के प्रति जागरूक करें।" कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य प्रवक्ता लोकेश अग्रवाल द्वारा किया गया। इसके पश्चात जयसिंहपुरा क्षेत्र में मतदाता जागरूकता के लिए स्वयंसेवकों द्वारा रैली निकाली गई, जिसमें 'पहले मतदान फिर जलपान', 'देश का भाग्य विधाता कृ मतदाता' जैसे नारों के माध्यम से आमजन को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर दिव्या गुप्ता, योगेश शर्मा, अनिल शर्मा, रोनित, देव, रुद्रांश, निर्विकल्प, लक्ष्य, विवेक, मोहित, अंकित, नितेश, पियूष, सोम्या सहित कई लोग मौजूद रहे।

दिनदहाड़े बदमाशों ने की गोली मारकर हत्या

शाह टाइम्स ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में हुई हत्या की खौफनाक वारदात ने हर किसी को हिला कर रख दिया है। नितिन नागर को पहले दिनदहाड़े करीब से गोलियां मारीं और फिर चाकू से गोद डाला। इस खूनी वारदात से पूरे गांव में दहशत फैल गई है।

करीब डेढ़ साल पहले ईकोटेक प्रथम कोतवाली के अंतर्गत लुक्सर गांव में लाइटिंग के विवाद में विनय की हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में नितिन मुख्य आरोपी था। जमानत पर बाहर आए नितिन की मंगलवार को कोर्ट में गवाही होनी थी, लकिन कोर्ट पहुंचने से पहले ही उसे मौत की नींद सुला दिया गया।

मामूली कहासुनी कैसे खूनी वारदात में बदली? इन दो हत्याओं के पीछे सिर्फ मामूली कहासुनी थी। दरअसल, लुक्सर गांव में रेल पटरी लाइन के पास बाजार लगता है। इस बाजार में नितिन और विनय बैटरी सप्लाई करने का काम करते थे। इसी बीच बैटरी सप्लाई को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई थी। इसी विवाद के चलते डेढ़ साल पहले विनय की हत्या कर दी गई थी। वहीं, अब विनय हत्याकांड के मुख्य आरोपी नितिन नागर की मंगलवार को दिनदहाड़े गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई। आरोपियों ने गोलियां मारने के बाद चाकू से भी ताबड़तोड़ वार किए।

पत्नी के सामने दौड़ा-दौड़ाकर मारी गोलियां: लुक्सर गांव में मंगलवार को दिन दहाड़े सचिन समेत तीन लोगों ने पत्नी स्वेता की आंखों के सामने पति नितिन नागर (30) की गली में दौड़ा-दौड़ा कर गोलियों और चाकू से करीब छह वार कर निर्मम हत्या कर दी। घटना के समय रास्ते में छह से सात बच्चे थे, फिर भी आरोपी फायरिंग करते रहे। पति को बचाने पहुंची पत्नी पर भी पिस्टल तान कर खौफजदा कर दिया। गोलियां चलने से गाली में मौजूद लोगों ने भागकर खुद को बचाया। वारदात को अंजाम देकर हत्यारोपी भाग निकले। वहीं, पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। अन्य आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगाई गई हैं।

हत्या की वारदात लुक्सर गांव में सुबह करीब 10 बजे की है। नितिन नागर पुत्र स्व. फिरेलाल आरओ पानी प्लांट और ई-रिक्शा की एजेंसी का संचालन करता था। 17 अगस्त 2024 में गांव निवासी विनय की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। पांच के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज था। इसमें नितिन नागर मुख्य आरा. पी था। पुलिस ने उसे जेल भेजा था।

पिछले वर्ष रक्षा बंधन से तीन दिन पहले नितिन जेल से जमानत पर बाहर आया था। उक्त मामला अदालत में लंबित है। पत्नी स्वेता के मुताबिक, मंगलवार को पुराने मामले में गौतमबुद्ध नगर की अदालत में पति की गवाही होनी थी। इसी के चलते वह तैयार होकर पास की गली में दोस्त के घर गए थे।

10 बजे घर से निकले थे नितिन: बताया कि करीब 10 बजे दोस्त के घर से निकल कर मुख्य रास्ते पर अपने घर की तरफ जा रहे थे। रास्ते में छह से सात बच्चे भी खेल रहे थे। इसी बीच दूसरी गली से गांव निवासी सचिन समेत तीन आरोपी पिस्टल व चाकू लेकर निकले। एक आरोपी ने पास में पहुंच कर नितिन पर गोली चला दी। झुक कर गोली से बच कर नितिन घर की तरफ भागे। तभी दूसरे आरोपी ने गोली चला दी।

वहीं, घर के सामने नाली में पैर जाने से नितिन गिरा और उठकर भागने का प्रयास किया। तभी दो आरोपियों ने उसे दोबारा गिरा दिया। एक आरोपी ने दोबारा पिस्टल लोड कर चार गोलियां मारीं, पीछे से पहुंचे तीसरे आरोपी ने गर्दन समेत अन्य हिस्सों पर चाकू से वार कर मरणासन्न कर दिया।

गोलियों की आवाज सुनकर दौड़ी पत्नी: उधर, गोलियों की आवाज सुनकर पत्नी स्वेता घर का गेट खोल कर बाहर निकली तो एक आरोपी ने उस पर पिस्टल तान दी। इससे डर कर वह दुबक गई, इसी बीच आरोपी घटना को अंजाम देकर भाग निकले। पत्नी के शोर मचाने पर पहुंचे परिजनों ने खून से लथपथ नितिन को अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

एडीसीपी सुधीर कुमार ने बताया तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अन्य आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने चुना मोबिलिटी पार्टनर

शाह टाइम्स संवाददाता

यमुना सिटी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (NIA) ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने Mann Fleet Partners Limited को अपना मोबिलिटी सर्विस पार्टनर चुना है। यह कंपनी एयरपोर्ट पर यात्रियों और कर्मचारियों के लिए ग्राउंड ट्रांसपोर्ट की सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।

समझौते के तहत Mann Fleet एयरपोर्ट पर कई तरह की सेवाएं चलाएगी। जिसमें एक्सक्लूसिव रेंटल कार सर्विस, यात्रियों के लिए अलग पिक-अप और ड्रॉप-ऑफ पॉइंट बनाए जाएंगे, ताकि उन्हें कम चलना पड़े। इंट्रा-टर्मिनल बस शटल के तहत एयरपोर्ट कैंपस के अंदर आने-जाने के लिए बसें चलेंगी। इंट्रा-सिटी शटल सर्विस के तहत एयरपोर्ट को शहर के प्रमुख स्थानों से जोड़ा जाएगा। जिसके तहत परिचौक , बॉटेनिकल गार्डन और ग्रेटरनोएडा वेस्ट शामिल है। इसके अलावा और भी रूटों को जोड़ा जाएगा।

इस मौके पर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के CEO Christoph Schnellmann ने कहा कि बेहतर ट्रांसपोर्ट सुविधा किसी भी वर्ल्ड-क्लास एयरपोर्ट के लिए जरूरी है। Mann Fleet के साथ यह साझेदारी यात्रियों और कर्मचारियों की यात्रा को आसान और आरामदायक बनाएगी।" वहीं कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर ।उतपज डंदद ने कहा कि यह साझेदारी हमारी क्षमता और अनुभव का प्रमाण है। हमारा लक्ष्य एक भरोसेमंद और ग्राहक-केंद्रित मोबिलिटी सिस्टम तैयार करना है।

कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा: एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि यह व्यवस्था पहले से किए गए समझौतों को और मजबूत करेगी। हाल ही में एयरपोर्ट पर ट्रांसपोटेशन के लिए उत्तर प्रदेश स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन, दिल्ली ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन , हरियाणा रोडवेज और उत्तराखंड ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन के साथ एमओयू हो चुके है।

निर्यातकों के कारोबार में उछाल आया

नोएडा। जिले में निर्यातकों के कारोबार में उछाल आने लगा। बीते दो सप्ताह में 10 प्रतिशत से अधिक ऑर्डर मिले हैं। कपड़ों के अलावा हस्तशिल्प और ऑटो पार्ट्स सेक्टर में मांग बढ़ी है। इससे जिले के निर्यातक राहत महसूस कर रहे हैं। उन्हें जल्द ही स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है। जिले के निर्यातकों का सबसे ज्यादा कारोबार अमेरिका, यूरोप और अफ्रीकी देशों से होता है। कपड़े, हस्तशिल्प, हथकरघा, ऑटो पार्टस सहित इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का अधिक निर्यात होता है। बीते छह से आठ महीनों में विश्व के देशों में बढ़ रहे तनात और टैरिफ की वजह से कारोबार में 30 से 40 प्रतिशत तक गिरावट आई थी। शहर के निर्यातकों ने नए देशों में बाजार तलाशने के अलावा घरेलू स्तर पर निर्यात को बढ़ाने का प्रयास किया। इसके बावजूद हालात नहीं सुधर रहे थे।

इंश्योरेंस पॉलिसी मैच्योर कराने के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने इंश्योरेंस पॉलिसी मैच्योर कराने के नाम पर लोगों से ठगी करने के आरोपी को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से मोबाइल, लैपटॉप और नगदी समेत अन्य सामान बरामद हुआ। आरोपी की पहचान 27 वर्षीय अमन कुमार के रूप में हुई है। वह फिरोजाबाद का रहने वाला है। डीसीपी साइबर शैव्या गोयल ने बताया कि एनसीआरपी पोर्टल पर 23 फरवरी को दर्ज शिकायतों की जांच के दौरान कुछ संदिग्ध मोबाइल नंबर सामने आए। इन नंबरों की तकनीकी जांच और लोकल इंटेलीजेंस की मदद से पुलिस ने नोएडा से आरोपी को पकड़ लिया।

जांच में सामने आया कि अमन कुमार लोगों को फोन कर उनकी इंश्योरेंस पॉलिसी मैच्योर होने का झांसा देता और प्रोसेसिंग फीस या अन्य चार्ज के नाम पर रुपये अपने बैंक खातों में ट्रांसफर करा लेता। आरोपी के बैंक खातों के खिलाफ उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से कुल दो शिकायतें दर्ज हैं। इन खातों में करीब 2.88 लाख रुपये की रकम आई। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह में और कौन-कौन शामिल है। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से दो मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, 10 हजार रुपये और तीन बैंक खातों की स्टेटमेंट मिली। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि इंश्योरेंस पॉलिसी मैच्योर कराने के नाम पर यदि कोई अज्ञात व्यक्ति रुपये मांगे तो सावधान हो जाएं। ऐसे कॉल और मैसेज अक्सर ठगी के होते हैं। किसी भी तरह की जानकारी या भुगतान करने से पहले संबंधित बैंक या कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट से जांच अवश्य करें। व्हाट्सऐप या फोन कॉल पर आए संदिग्ध संदेशों पर भरोसा न करें और तुरंत साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं।

एक नजर

ग्रेनो की आधुनिक टाउनशिप में औद्योगिक भूखंडों की योजना शुरू

ग्रेटर नोएडा (शाह टाइम्स)। ग्रेटर नोएडा की आधुनिक इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप में औद्योगिक भूखंडों की योजना में आवेदन करने की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई। योजना की आखिरी तारीख 16 मार्च है। योजना में बड़े आकार के आठ से अधिक भूखंड शामिल हैं। इससे शहर में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। भूखंडों का आवंटन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। इस योजना में बड़ा निवेश आने की संभावना है। कई विदेशी कंपनियां भी ग्रेटर नोएडा में निवेश करने को इच्छुक हैं। दरअसल दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (डीएमआईसी) परियोजना के तहत ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 750 एकड़ में विकसित की जा रही आधुनिक टाउनशिप में उद्योगों के लिए बड़े आकार के 38 भूखंड हैं, जिनमें से अब तक 29 भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं।टाउनशिप में हायर इलेक्ट्रॉनिक्स सहित पांच कंपनियों ने उत्पादन शुरू कर दिया है।

फिजियोथेरेपी विभाग शिफ्ट होने से मरीजों की दिक्कत बढ़ेगी

नोएडा (शाह टाइम्स)। जिला अस्पताल के फिजियोथेरेपी विभाग पांचवीं मंजिल पर शिफ्ट किया जाएगा। इससे फिजियोथेरेपी कराने वाले मरीजों की परेशानी बढ़ सकती है, क्योंकि फिजियोथेरेपी कराने वाले ज्यादातर मरीजों को चलने में दिक्कत होती है। वर्तमान में यह पहली मंजिल पर है। प्रत्येक दिन जिला अस्पताल में 30 से अधिक मरीज फिजियोथेरेपी कराने आते हैं। फिजियोथेरेपी का समय भी ओपीडी के समय के अनुसार ही रहता है। ऐसे में लिफ्ट में सामान्य मरीजों की भीड़ काफी होती है। इससे फिजियोथेरेपी के मरीजों को पांचवीं मंजिल तक पहुंचने में कठिनाई हो सकती है। कई बार तो लिफ्ट में चढ़ने को लेकर मरीजों के साथ हाथापाई भी हो चुकी है।

आए दिन अस्पताल की दो से तीन लिफ्ट बंद रहती हैं, इससे बाकी बचे तीन से चार लिफ्ट ही मरीजों के लिए उपलब्ध होता है। जिला अस्पताल में ओपीडी में प्रत्येक दिन 3500 से अधिक मरीज इलाज के लिए आते हैं।

1.66 करोड़ से बनेगी भंगेल एलिवेटेड रोड के नीचे की सड़क

नोएडा (शाह टाइम्स)। अगाहपुर सेक्टर-40 से सेक्टर-82 एनएसईजेड तक बने 4.5 किलोमीटर भंगेल एलिवेटेड रोड के नीचे की सड़क और नाली 1.66 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी। सेतु निगम ने टेंडर जारी किया है। निर्माण एजेंसियों से 6 मार्च तक आवेदन मांगे गए हैं।

निगम के अधिकारियों ने बताया कि मई तक काम पूरा करने का लक्ष्य है। 6 लेन का एलिवेटेड रोड वाहनों के लिए 18 नवंबर 2025 को खुला था लेकिन नीचे की सड़क उखड़ी पड़ी हुई है। अब सेतु निगम इस सड़क को बनवाएगा। इसके साथ ही सड़क और नाली निर्माण, बीच में पड़ने वाले तिराहे-चौराहे पर मोड़ बनाने समेत अन्य काम के लिए दो टेंडर जारी किए गए हैं। एक टेंडर 84 लाख 75 हजार तो दूसरा 81 लाख 27 हजार रुपये का है। एलिवेटेड रोड के नीचे की यह सड़क सेक्टर-40,अगाहपुर 41, 48, 49 बरौला, भंगेल, सलारपुर की आवागमन की प्रमुख सड़क है। इसके साथ ही 7 एक्स सेक्टरों के निवासी भी इस सड़क से सेक्टर-44 और 18 की तरफ जाते हैं।

नोएडा में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, कई सेक्टरों में कार्रवाई

नोएडा (शाह टाइम्स)। नोएडा प्राधिकरण द्वारा शहर को जाममुक्त और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। प्राधिकरण की वर्क सर्किल-1 से 10 की टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों में सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाया।

प्राधिकरण की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सेक्टर-6, डीएससी रोड, अट्टा मार्केट, एक्सप्रेस-वे के समानांतर 45 मीटर रोड, सेक्टर-63, सेक्टर-70, सेक्टर-120, नया गांव मंडी, सेक्टर-87, सेक्टर-85, सेक्टर-133 व 134 के मध्य मार्ग, नंगला-नंगली, सेक्टर-129 व 132 के मध्य मार्ग तथा ग्राम कौंडली में कार्रवाई की गई। इस दौरान अनधिकृत वेंडर्स, ठेली-पटरी और अन्य अस्थायी अतिक्रमणों को हटाया गया। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि सड़कों और सार्वजनिक स्थानों को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए यह अभियान निरंतर चलाया जाएगा। विभिन्न स्रोतों से अवैध वेंडिंग और अतिक्रमण की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं, जिनके समाधान के लिए यह विशेष अभियान शुरू किया गया है।

प्रेमी के साथ मिलकर पति को मार डाला

शाह टाइम्स संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के देवला गांव में किराये के मकान में रहने वाली महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर सोमवार की शाम पति की गला घोटकर हत्या कर दी। पुलिस ने मामले का खुलासा कर मंगलवार को आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुता. बिक मूलरूप से बुलंदशहर के बेलोन गांव का रहने वाला 30 वर्षीय विजय देवला गांव में अपनी पत्नी के साथ किराये के मकान में रहता था। विजय कूलर बनाने की फैक्टरी में काम करता था। पुलिस को सोमवार की रात विजय की संदिग्ध हालात में मौत की सूचना मिली।

पुलिस ने संदेह होने पर विजय की पत्नी राखी से पूछताछ की तो सच सामने आया।

पुलिस ने महज बारह घंटे में हत्याकांड का खुलासा किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी पत्नी राखी ने अपने प्रेमी गुरदीप के साथ मिलकर पति विजय की हत्या की थी। पुलिस ने घटना का खुलासा कर मंगलवार की सुबह दोनों आरोपियों को मोजर बेयर गोलचक्कर के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में राखी ने बताया कि पति विजय प्रेमप्रसंग में बाधा बन रहा था। इसके चलते उसने प्रेमी के साथ मिलकर पति को रास्ते से हटाने की साजिश रची। उसने सोमवार को अपने प्रेमी गुरदीप को फोन करके कमरे पर बुलाया। इसके बाद दोनों ने गला घोटकर विजय की हत्या कर दी।

तीन पार्किंग चलाने के लिए टेंडर जारी

नोएडा। सेक्टर-1, 3 और पांच में पार्क के नीचे बनी पार्किंग के संच. ालन और देखरेख के लिए एक बार फिर से प्राधिकरण ने टेंडर जारी किया है। इसमें पांच मार्च तक आवेदन किया जा सकता है। इससे पहले दो बार टेंडर जारी किया जा चुका है, लेकिन एजेंसी का चयन नहीं हुआ। अभी तक जो एजेंसी तीनों पार्किंग का संचालन कर रही है, उसके अनुबंध का समय पूरा हो गया है।

ऐसे में नई एजेंसी का चयन किया जाना जरूरी है। कुछ सुविधाओं को भी जोड़ा जाना है। इसी के तहत प्राधिकरण दो महीने से टेंडर जारी कर रहा है, लेकिन एजेंसी का चयन नहीं हो सका है। अब एक बार फिर एजेंसी के चयन के लिए टेंडर जारी किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि तीनों जगह पार्किंग में करीब 1200 वाहन खड़े हो सकते हैं।

तेलंगाना के एफसीडीए प्रतिनिधिमंडल ने ग्रेटर नोएडा का किया दौरा

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। तेलंगाना सरकार के फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पहुंचा। प्रति. निधिमंडल की तरफ से बताया गया कि तेलंगाना सरकार की तरफ से हैदराबाद के नजदीक एक टाउनशिप विकसित करने की योजना है। औद्योगिक टाउनशिप होने के नाते जानकारी प्राप्त करने ग्रेटर नोएडा आए हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर जमीन अधिग्रहण से लेकर आवंटन तक की प्रक्रिया और नीतियों को जानकारी साझा की। प्रतिनिधिमंडल में फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी के डिप्टी कलेक्टर (स्पेषल ग्रेड) वेंकटेश्वर लू, प्लानिंग ऑफिसर स्नेहमाला, डिप्टी एक्जीक्युटिव इंजीनियर वेंकट किरन और सहायक अर्बन प्लानर अक्षय कुमार शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल के साथ एसीईओ सुमित यादव महाप्र. बंधक वित्त स्वतंत्र गुप्ता, प्रधान महाप्र. बंधक संदीप चंद्रा, ओएसडी नवीन कुमार सिंह, प्रबंधक अरविंद मोहन समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक की। प्रतिनिधिमंडल ने ग्रेटर नोएडा और आईआईटीजीएनएल के इंफ्रास्ट्रक्चर, नियोजन, बिल्डिंग प्लान, आवंटन प्रक्रिया समेत तमाम पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की। प्राधिकरण के नियोजन विभाग की तरफ से मास्टर प्लान, सेक्टर ले-आउट, बिल्डिंग बायलॉज, बसावट, जमीन अधिग्रहण की सभी धाराओं, किसानों को दिए जाने लाभ आदि की जानकारी दी गई। परियोजना विभाग ने ग्रेटर नोएडा के इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में जानकारी दी। वित्त विभाग के महाप्रबंधक स्वतंत्र गुप्ता ने वित्तीय मॉड्यूल प्रस्तुत किया। प्राधिकरण को स्ववित्त पोषित बनाने की प्रक्रिया को समझाया गया। प्राधिकरण के उद्योग विभाग के प्रबंधक अरविंद मोहन सिंह ने ग्रेटर नोएडा में लागू औद्योगिक नीतियों, योजनाओं और आवंटन प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने आईआईटीजीएनएल के इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप का भ्रमण भी किया। टाउनशिप के प्लग एंड प्ले सिस्टम, वेस्ट प्रोसेसिग प्लांट, बिजली-पानी की 24 घंटे उपलब्धता के बारे में जानकारी प्राप्त की।

महिला मित्र के साथ पार्क में बैठे युवक को पीटा

नोएडा। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र स्थित पार्क में सोमवार दोपहर महिला मित्र के साथ बैठे युवक का थूकने को लेकर तीन युवकों से विवाद हो गया। पार्क में बैठकर भोजन कर रहे युवकों ने थूकने का विरोध किया तो कहासुनी हो गई। मारपीट के मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक बिशनपुरा गांव निवासी युवक सोमवार दोपहर महिला मित्र के साथ पार्क में बैठा था। दोनों आपस में बात कर रहे थे। कुछ ही देर बाद तीन युवक टिफिन लेकर आए और उनसे कुछ ही दूरी पर बैठकर भोजन करने लगे। महिला मित्र के साथ बैठे युवक ने अचानक पीछे गर्दन की और जमीन पर थूक दिया। भोजन कर रहे तीन युवकों ने वहां थूकने से मना किया। इसको लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी होने लगी। देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोगों में मारपीट शुरू हो गई। तीन युवकों ने मिलकर युवक को पीट दिया।

युवराज मौत के बाद पीआईएल दाखिल

17 मार्च को होगी सुनवाई, रिस्पांस टीम से लेकर प्राधिकरण से मांगा जवाब

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा में बार-बार सामने आ रही गंभीर घटनाओं को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और संबंधित एजेंसियों से विस्तृत जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 17 मार्च 2026 तय की है।

याचिकाकर्ता हिमांशु जायसवाल द्वारा दायर पीआईएल में नोएडा क्षेत्र में आवर्ती घटनाओं जिनमें सार्वजनिक सुरक्षा, स्ट्रक्चर जोखिम और आपदा प्रबंधन से जुड़े पहलू शामिल करते हुए प्रभावी रोकथाम उपायों की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान नोएडा प्राधिकरण की ओर से वरिष्ठ वकील और राज्य की ओर से स्टैंडिंग काउंसल ने अदालत से निर्देश प्राप्त करने और काउंटर एफिडेविट दाखिल करने के लिए समय मांगा।

अदालत ने स्पष्ट किया कि अगली तारीख तक उठाए गए प्रस्तावित कदमों का ब्योरा प्रस्तुत किया जाए। याचिका में उत्तर प्रदेश सिचाई विभाग, जिला प्रशासन, पुलिस आयुक्त, स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एसडीआरएफ) और नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एनडीआरएफ) को भी पक्षकार बनाया गया है। अदालत के निर्देश के बाद अब इन एजेंसियों के बीच समन्वय और जवाबदेही पर चर्चा तेज हो गई है।

बेसमेंट में कार डूबने से हुई थी मौत: 16 जनवरी को रात बता दे ये याचिका हाल ही में नोएडा के सेक्टर-150 में युवराज की मौत के बाद लगाई गई। जिसमें नोएडा प्राधिकरण, जिला प्रशासन, अग्निशमन और पुलिस पर सवालिया निशान लगे थे। युवराज की मौत 16 जनवरी को सेक्टर-150 के एससी-02 ए-3 प्लाट के बेसमेंट में भरे पानी में डूबने से हो गई थी।

एसआईटी सौंप चुकी है रिपोर्ट: इस मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक एसआईटी गठन किया था।

पांच दिनों की जांच और 150 से ज्यादा बयान के बाद इसकी रिपोर्ट शासन को भेज दी है। अब तक इस मामले में नोएडा प्राधिकरण के तत्कालीन सीईओ लोकेश एम और एक जेई को ही हटाया गया। जिसके बाद से कोई एक्शन नहीं लिया गया।

20 वेंडरों को विधायक ने सौंपा आवंटन पत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से निर्मित वेंडिंग जोन में 20 वेंडरों को प्लेटफॉर्म आवंटित कर दिए गए हैं। दादरी विधायक तेजपाल नागर ने एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस और एसीईओ प्रेरणा सिंह की मौजूदगी में इन वेंडरों को आवंटन पत्र सौंपा। विधायक ने कहा कि प्राधिकरण के इस पहल से जरूरतमंदों को अपने परिवार के भरण-पोषण का जरिया मिल गया है और दूसरे प्लेटफॉर्म मिल जाने से ये वेंडर रोड के किनारे रेहड़ी नहीं लगाएंगे, जिससे ट्रैफिक की समस्या भी दूर होगी। दरअसल, ग्रेटर प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने रेहड़ी-पटरी वालों को रोजी-रोटी कमाने के लिए मुकम्मल प्लेटफॉर्म देने मकसद से सेक्टर अल्फा टू, बीटा वन व टू, सेक्टर-36, ओमीक्रॉन वन ए व 3, ज्यू-2 व 3, गामा टू, डेल्टा वन व थ्री, पाई-1 व 2 कुल 769 प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं। प्राधिकरण ने अब इनका आवंटन शुरू कर दिया है। दादरी विधायक ने मंगलवार को 20 पात्र आवंटियों को आवंटन पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि वेंडरों को रोजी-रोटी कमाने की मुकम्मल जगह मिल गई है। प्राधिकरण के अर्बन सर्विस विभाग ओएसडी मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि पूर्व में चयनित पात्र आवंटियों में से 109 को प्लेटफार्म देने का निर्णय लिया गया, लेकिन इन पात्र आवंटियों के नामों पर भी आपत्ति आ रही थी। प्राधिकरण ने पूरी पारदर्शिता बरतते हुए सभी एसीईओ की एक समिति से दोबारा वेरिफिकेशन कराया गया, जिसमें से पहले फेज में 20 आवंटियों को प्लेटफार्म देने का निर्णय लिया गया।

एलिवेटेड रोड पर तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। निठारी के पास सोमवार रात एलिवेटेड रोड पर कार अचानक असंतुलित होकर डिवाइडर से टकरा गई। राहत की बात यह रही कि कार पलटी नहीं और चालक को चोटें नहीं आईं। हालांकि, हादसे के कारण कुछ समय के लिए सड़क पर जाम लग गया। थाना प्रभारी ने बताया कि गाजियाबाद के इंदिरापुरम निवासी सिद्धांत सोमवार रात अपनी कार से सेक्टर-62 से सेक्टर-18 की ओर जा रहे थे। एलिवेटेड रोड पर जब वह निठारी के पास पहुंचे, तभी उनकी कार का टायर अचानक पंचर हो गया। टायर पंचर होते ही कार का संतुलन बिगड़ गया। सिद्धांत ने कार को संभालने की कोशिश की, लेकिन कार डिवाइडर से टकराकर घूम गई।

गनीमत रही कि कार पलटी नहीं और आसपास चल रहे अन्य वाहनों से भी टक्कर नहीं हुई। हादसे के बाद एलिवेटेड रोड पर यातायात धीमा हो गया और कुछ देर के लिए जाम लग गया। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्रेन बुलाकर क्षतिग्रस्त कार को सड़क से हटवाया। इसके बाद यातायात सामान्य कराया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ और कार भी नहीं पलटी। समय रहते स्थिति संभल जाने से बड़ा हादसा टल गया।

स्काईवॉक को जोड़ने में आईआईटी की मदद ली जाएगी

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। सेक्टर-51-52 मेट्रो स्टेशन के बीच बन रहे स्काईवॉक को दोनों तरफ जोड़ने के लिए आईआईटी की मदद ली जाएगी। सेक्टर-51 स्टेशन की तरफ स्काईवॉक को जोड़ने में बीम बाधा बन रही है। इसे हटाने के संबंध में प्राधिकरण आईआईटी से सेफ्टी रिपोर्ट लेगा। ऐसे में स्काईवॉक को शुरू होने में एक महीने का समय लगने का अनुमान है। सेक्टर-51-52 मेट्रो स्टेशन के बीच स्काईवॉक बनकर तैयार हो चुका है। अब मुख्य रूप से सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन की तरफ स्काईवॉक को जोड़े जाने का काम बाकी रह गया है।

यहां पर स्टेशन की बीम आड़े आ रही है। जिस जगह इसको जोड़ा जाना जाना है, वहां बीचो-बीच यह बीम है। अब इसको हटाए बिना स्काईवॉक से जोड़ा जाना संभव नहीं है। इसे हटाने से संबंधित फाइल करीब चार महीने से चल रही है। पहले प्राधिकरण ने इसको खुद हटाकर नीचे की तरफ दूसरी बीम बनाने का निर्णय लिया था। अब प्राधिकरण ने इस मामले में आईआईटी से मदद लेने का निर्णय लिया है। वहीं, दूसरी तरफ सेक्टर-52 स्टेशन की तरफ जोड़ने में भी अभी कुछ दिक्कतें सामने आ रही हैं। प्राधिकरण के महाप्रबंधक एसपी सिंह ने बताया कि बीम को लेकर आईआईटी से सेफ्टी रिपोर्ट ली जाएगी। इसके बाद आगे की प्रक्रिया की जाएगी। सेफ्टी रिपोर्ट लेने से लेकर वर्तमान बीम को हटाने समेत अन्य काम करने में करीब एक महीने का समय लग जाएगा।

नोएडा सफाईकर्मियों की मांगों पर बनी सहमति

■ भत्ता बढ़ा और मिलेगा मेडिकल बीमा

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। अथॉरिटी के मैनपावर सप्लायर (2.5%) के जरिए काम करने वाले सफाई कर्मचारियों के अलग-अलग संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर एक मेमोरेंडम दिया। अथॉरिटी अधिकारियों और संगठन के प्रति. निधियों के बीच मौके पर ही बातचीत हुई, जिसमें कई मुख्य मांगों पर आम सहमति बनी। तय हुआ कि तेल, साबुन वगैरह के महीने के अलाउंस में तुरंत बढ़ोतरी की जाएगी।

मॉनसून से पहले सभी कर्मचारियों को रेनकोट दिए जाएंगे और उनका डिस्ट्रीब्यूशन पक्का किया जाएगा। मैनपावर सप्लायर के जरिए काम करने वाले कर्मचारियों के लिए मेडिकल इंश्योरेंस की मांग पर भी सहमति बनी। अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए काबिल लेवल से मंजूरी मिल चुकी है और एजेंसी चुनने का प्रोसेस बाकी है। जल्द ही त्थ्च मंगाई जाएगी और एजेंसी चुनकर मेडिकल इंश्योरेंस लागू किया जाएगा।

मीटिंग में कर्मचारी संगठनों ने सफाई के काम की क्वालिटी सुधारने के लिए पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के कर्मचारियों को सिविल डिपार्टमेंट में मर्ज करने का भी सपोर्ट किया। अथॉरिटी ने साफ किया कि शहर की सफाई सुधारने और स्वच्छ सर्वे में परफॉर्मेंस बेहतर करने के लिए किए गए इस बदलाव के बारे में सभी स्टेकहोल्डर्स को पूरी जानकारी दी जाएगी।

इस बारे में 26 फरवरी को अपाहिज पंचशील बॉयज इंटर कॉलेज, सेक्टर-91 में एक मीटिंग होगी, जिसमें कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी संगठनों, सफाई कर्मचारियों, सुपरवाइजर, सिविल डिपार्टमेंट के अधिकारियों और लेबर सप्लायर के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

शाह टाइम्स
आपके लोकप्रिय अखबार दैनिक शाह टाइम्स में विज्ञापन एवं समाचारों के लिए संपर्क करें।
प्रवेश सिंह दतानियां
जिला प्रभारी गौतमबुध नगर/खोड़ा
ए-37, सेक्टर-10, नोएडा, जनपद गौतमबुध नगर
9810967541, 8920145356
Email : parveshnoida@gmail.com
खबरें छुपाता नहीं, छापता है

हाईवे पर गुंडागर्दी की वीडियो वायरल

जेंबो रेस्टोरेंट में कर्मचारी पर हमला, सीसीटीवी के सहारे बदमाशों की तलाश कर रही पुलिस

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में सरधना-मेरठ करनाल हाईवे स्थित जेंबो रेस्टोरेंट पर देर रात मारपीट की घटना ने सनसनी फैला दी। बाइक से पहुंचे तीन युवकों ने काउंटर पर ड्यूटी कर रहे कर्मचारी के साथ कथित तौर पर बेरहमी से मारपीट की। पूरी वारदात रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है।

बताया जा रहा है कि गोविंदपुरी कालोनी के रहने वाले अभिषेक रेस्टोरेंट के बाहर काउंटर संभाल रहा था। इसी दौरान तीन युवक बाइक पर सवार होकर वहां पहुंचे। प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक, किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो अचानक हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि युवकों ने अभिषेक को लात घूंसों से पीटा और बेल्ट से भी वार किए। जब अन्य कर्मचारियों ने बीच-बचाव की कोशिश की तो हमलावर उनसे भी उलझ पड़े। कुछ देर तक रेस्टोरेंट

बाइक पर सवार तीन युवकों ने दिया घटना को अंजाम, हुए फरार

परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग जुटने लगे, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर आरोपियों की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही हमलावरों को चिन्हित कर गिरफ्तार किया जाएगा। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है और हाईवे क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है। बतादें कि इससे पहले भी इस तरह की घटना घटित हो चुकी है। घटना के बाद पीड़ितों में काफी भय है।

भूनी में विराट हिन्दू सम्मेलन में 1500 मातृशक्ति ने लिया भाग, संतों के आशीर्वचन से गूंजा क्षेत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

सरूरपुर/मेरठ। सिवालखास विधानसभा की ग्राम पंचायत भूनी में विराट हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महामंडलेश्वर भैयादास महाराज उपस्थित रहे। अति विशिष्ट अतिथि इंद्रप्रस्थ पीठाधीश्वर जगतगुरु श्री कृष्ण स्वरूप महाराज एवं विशिष्ट अतिथि ब्रजघाट पीठाधीश्वर स्वामी जलेश्वर आनंद गिरि महाराज व परशुराम धाम के पीठाधीश्वर देवभूनी महाराज रहे। मुख्य वक्ता के रूप में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय मंत्री क्षमा शर्मा ने मातृशक्ति की भूमिका पर प्रकाश डाला, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक दीपक ने संघ के कार्यों की जानकारी दी। संतों ने अपने उद्बोधन में हिन्दू एकता और पंच परिवर्तन विषय पर विस्तार से विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रणबीर ठाकुर ने की तथा संच. ालन रोहित ने किया। आयोजन में लगभग 1500 मातृशक्ति सहित 2000 से अधिक सनातनी श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। सकल हिंदू समिति सरूरपुर खुर्द के अध्यक्ष एवं भारतीय मतदाता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित आदेश फौजी की अगुवाई में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अंत में संतों के आशीर्वचन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भारतीय किसान संघ ने की अंडरपास की मांग, सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। बिजनौर जिले में निर्माणाधीन मेरठ पौड़ी हाईवे पर बैराज के पास हेमराज कालोनी चौराहे पर अंडरपास की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को कमिश्नरी चौराहे पर प्रदर्शन किया।

इस दौरान उन्होंने भारत सरकार को संबोधित ज्ञापन डीएम कार्यालय पर सौंपते हुए बताया कि, बिजनौर जिले में निर्माणाधीन मेरठ पौड़ी हाईवे पर बैराज के पास हेमराज कालोनी चौराहे पर भारतीय किसान संघ के बैनर तले ग्राम वासियों का पिछले 9 महीने से लगातार अंडरपास की मांग को लेकर एक धरना प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा था, जो उनकी एक जायज मांग है। उन्होंने कहा कि, अधिकारियों से आश्वासन मिलने के बावजूद भी एनएचएआई अधिकारियों एवं जिला प्रशासन बिजनौर ने कुछ राजनीतिक लोगों के स्वार्थ व भू माफिया के फायदे के लिए आपस में मिलीभगत करके शांतिपूर्ण ढंग से चल रहे धरने को अमर्यादित तरीके से हटा दिया। जबकि, कई थानों की पुलिस फोर्स लगाकर ग्राम वासियों को रात भर नजर बंद रखा गया। उन्होंने बताया कि, अब पता चला है कि, हेमराज कालोनी व किसानों के खिलाफ शासन स्तर पर मुकदमें दर्ज कराए गए। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान संघ जनपद मेरठ प्रांत इसका घोर विरोध करता है और भारतीय किसान संघ मांग करता है कि इसमें दोषी जिला प्रशासन अधिकारियों और एनएचएआई अधिकारियों को तुरंत हटाया जाए। साथ ही हेमराज कालोनी वासियों और किसानों के खिलाफ दर्ज मुकदमे तुरंत वापिस लिए जाएं। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने साफ कहा कि अगर बिजनौर जिला प्रशासन ने ग्रामीणों की आवाज को दबाने का प्रयत्न किया और मांग पूरी नहीं की तो भारतीय किसान संघ मेरठ प्रांत जनपद बिजनौर में एक बड़ा आंदोलन करेगा, जिसका जिम्मेदार बिजनौर जिला प्रशासन होगा।

विभिन्न मांगों को लेकर संविदा सफाई कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

मांगों को लेकर प्रदर्शन करते संविदा कर्मचारी।

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर मंगलवार को 2215 संविदा सफाई कर्मचारी संघर्ष समिति के दर्जनों सदस्यों ने कमिश्नरी चौराहे पर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने सरकार को संबोधित ज्ञापन डीएम कार्यालय पर सौंपा। प्रदर्शन कर रहे सदस्यों ने बताया कि, आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों का नाम तो नियमितीकरण किया जा रहा है और न ही उन्हें समान कार्य के बदले समान वेतन। उन्होंने बताया कि, उन्हें आश्वासन दिया गया था कि, उनकी सभी मांगों को मान लिया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने 2023 के बोर्ड प्रस्ताव को लागू करने, 25-30 वर्षों से कार्यरत कर्मियों को स्थायी करने और ठेका प्रथा समाप्त करने की मांग की। संविदा और स्थायीकरण, 2415 से अधिक आउटसोर्सिंग कर्मियों को नगर निगम के अधीन कर स्थायी दर्जा देने की मांग। वेतन और पीएफ, पीएफ घोटालों की जांच, समय पर वेतन और 15 साल से लटके मामलों का निस्तारण करने, 30 लाख की आबादी के लिए पर्याप्त सफाईकर्मी 8400 की आवश्यकता के मुकाबले 2800-3000 होने की मांग की।

माहे रमजान का पैगाम और साल भर की जिम्मेदारियां: कारी महबूब हसन मुजफ्फरनगरी

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। रमजान-उल-मुबारक वह पाक महीना है जिसे अल्लाह तआला ने अपनी खास रहमतों, बरकतों और मगफिरत के साथ मुकर्रर किया है। यह महीना सिर्फ रोजा रखने का नाम नहीं, बल्कि एक पूरा प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) है, जो इंसान को बाहरी और अंदरूनी पाकीजगी देता है। लेकिन एक अहम सवाल यह है कि क्या हमारी जिम्मेदारियां सिर्फ रमजान तक सीमित हैं? या बाकी ग्यारह महीनों में भी हम पर कुछ फर्ज हैं?

रमजानुल मुबारक रहमतों का मौसम

रमजान को कुरआन का महीना कहा गया है। इसी महीने में कुरआन मजीद नाजिल हुआ। इस महीने में रोजे फर्ज किए गए, तरावीह की सुन्नत कायम हुई, शबे कद्र जैसी बेहतरीन रात अता की गई, जकात और सदका देने की ताकीद की गई, रमजान इंसान को सब्र, परहेजगारी तकवा, हमदर्दी, त्याग और अनुशासन सिखाता है। भूख और प्यास की तकलीफ हमें गरीबों की हालत का एहसास कराती है। सहरी और इफ्तार का समय हमें वक्त की पाबंदी सिखाता है। ज्यादा इबादत करने से दिल रोशन होता है। लेकिन अगर रमजान के बाद हमारी मस्जिद में हाजिरी कम हो जाए, कुरआन से रिश्ता टूट जाए और अच्छे कामों में सुस्ती आ जाए, तो समझ लेना चाहिए कि हमने रमजान की असली रूह को पूरी तरह हासिल नहीं किया। **रमजान के बाद हमारी जिम्मेदारियां** रमजान हमें इबादत का शौक देता है। हमारी जिम्मेदारी है कि पांच वक्त की नमाज जमात के साथ पढ़ें। रोज कुरआन की तिलावत करें। नफ्ल रोजे सोमवार, गुरुवार या हर महीने की 13, 14, 15 तारीख में रखें

तहज्जुद और जिक्र का सिलसिला जारी रखें

अल्लाह को वही अमल ज्यादा पसंद है जो हमेशा किया जाए, चाहे थोड़ा ही क्यों न हो। रमजान में हम झूठ, गीबत, बदजबानी और झगड़े से बचने की कोशिश करते हैं। यही तरीका पूरे साल जारी रहना चाहिए। अगर जबान, नजर और दिल की सुधार न हो, तो रोजे का मकसद अधूरा रह जाता है। रमजान में हम ज्यादा दान करते हैं। लेकिन गरीबी और जरूरतमंदी सिर्फ रमजान तक नहीं रहती। हमारी जिम्मेदारी है कि यतीमों और विधवाओं का खयाल रखें,

समाज में इंसाफ और भलाई के लिए करें काम

रमजान में हम तौबा करते हैं और आंसू बहाते हैं। लेकिन असली कामयाबी यह है कि हम दोबारा गुनाह की तरफ न लौटें। सच्ची तौबा वही है जो इंसान की जिंदगी बदल दे। अगर रमजान एक ट्रेनिंग है, तो बाकी ग्यारह महीने परीक्षा हैं। जिसने रमजान में अपने नफ्स पर काबू करना सीख लिया, वह साल भर शैतान के बहकावे से बच सकता है। लेकिन अगर हम फिर से लापरवाही की जिंदगी शुरू कर दें, तो समझिए कि हमने रमजान की ट्रेनिंग को खो दिया। सच यह है कि अल्लाह पूरे साल हमारा रब है, सिर्फ रमजान का नहीं। नमाज, रोजा, जकात, अच्छे बर्ताव, ईमानदारी और परहेजगारी ये सब साल भर के काम हैं। रमजान मुबारक हमें बदलने के लिए आता है, सिर्फ एक महीना बिताने के लिए नहीं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम रमजान के पैगाम को अपनी जिंदगी का स्थायी हिस्सा बना लें। अगर हमने रमजान के बाद भी इबादत, अच्छे आचरण और इंसानियत की सेवा जारी रखी, तो यही रमजान की असली कामयाबी होगी। अल्लाह तआला हमें रमजान की कद्र करने और उसकी बरकतों को पूरे साल अपनी जिंदगी में बनाए रखने की तौफीक अता फरमाए। आमीन।

भाजपाईयों ने देखी 'गोदान' मूवी

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। दौराला भाजपा मंडल अध्यक्ष मनिंदर विहान भराला के नेतृत्व में मिलांज मॉल स्थित सिनेमा पर फिल्म गोदान (गौ माता पर आधारित) देखी गई। बहुउद्देशीय समाज को जागरूक करने वाली प्रेरणादायक गोदान फिल्म वास्तव में कमाई से ज्यादा जागरूकता और गौ सेवा और समर्पण के लिए बनी है इस दौरान किसान मोर्चा क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष अजय भारद्वाज भराला, डाक्टर राजीव भारद्वाज, भगवती महाविद्यालय सिवाया के निदेशक डाक्टर दीपक पिपलानी व अध्यापक अध्यापिकाए और छात्र छात्राए फिल्म देखने पहुंचे। प्राचार्य डॉ. संजीव अग्रवाल, संयम बंसल, धरुव रस्तोगी, डॉ. रूपम, डॉ. सुमन विश्वाश, डॉ. राजीव शर्मा, सुशील शर्मा, ऐड. मिनल गौतम, प्रशांत अहलावत, रमन बालियान, सिमरन, रेशु शर्मा, रजनी, ज्योति, नारायण सिंह, विनीत गुर्जर आदि मौजूद रहे।

समाज को जागरूक करने वाली मूवी है गोदान

शोभित इंस्टीट्यूट में पीयर-टू-पीयर लर्निंग सेशन ऑन पाइथन का हुआ सफल आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। शोभित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (डीम्ड-टू-बी-यूनिवर्सिटी) के कम्प्यूटर क्लब द्वारा विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 19 फरवरी 2025 को पीयर-टू-पीयर लर्निंग सेशन ऑन पाइथन का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग की मजबूत नींव प्रदान करने तथा उन्हें प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुई।

कार्यक्रम में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पूरे सत्र के दौरान विद्यार्थियों में सीखने की जिज्ञासा, सक्रिय भागीदारी तथा प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करने का उत्साह स्पष्ट रूप से देखने को मिला। इस कार्यशाला की विशेषता इसका पूर्णत: हैंड्स-ऑन और संवादात्मक स्वरूप रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने केवल पाइथन के मूलभूत सिद्धांत ही नहीं सीखे, बल्कि वास्तविक समय में प्रोजेक्ट निर्माण की प्रक्रिया को भी समझा। इस अवसर पर कम्प्यूटर क्लब के फैकल्टी इंचार्ज एवं स्कूल ऑफ कम्प्यूटेशनल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के असिस्टेंट प्रोफेसर राजेश पांडे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रायोगिक एवं प्रोजेक्ट आधारित सत्र विद्यार्थियों को तकनीक का वास्तविक ज्ञान प्रदान करते हैं और उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, निर्माण करने तथा नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और कम्प्यूटर क्लब को विद्यार्थियों के कौशल विकास का एक सशक्त मंच बताया। इस कार्यशाला के प्रशिक्षक आशीष कुमार रहे, जिन्होंने अपने व्यावहारिक अनुभव एवं सरल, चरणबद्ध शिक्षण शैली के माध्यम से विद्यार्थियों को पाइथन की मूलभूत अवधारणाओं, लॉजिक बिल्डिंग, ऑब्जेक्ट ओरिएंटेड प्रोग्रामिंग तथा मिनी प्रोजेक्ट्स पर प्रभावी प्रशिक्षण प्रदान किया। उनके मार्गदर्शन में सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक, रोचक एवं सहभागितापूर्ण रहा। यह आयोजन कम्प्यूटर क्लब की नवगठित कोर टीम द्वारा सफलता पूर्वक संचालित किया गया, जिसमें आशा, करण, ईशा, हर्ष, राहुल, चिन्मय एवं अंशिका की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम ने सत्र की संपूर्ण रूपरेखा तैयार करने से लेकर पंजीकरण, संचालन एवं प्रायोगिक मार्गदर्शन तक सभी व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से संभाला। पीयर-टू-पीयर लर्निंग मॉडल के माध्यम से वरिष्ठ एवं कनिष्ठ विद्यार्थियों के बीच एक सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण तैयार हुआ, जिसने प्रतिभागियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें प्रोजेक्ट आधारित अधिगम की ओर प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी, करियर उन्मुख एवं प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में ऐसे और सत्र आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की। कम्प्यूटर क्लब द्वारा आयोजित यह कार्यशाला विवि में विकसित हो रही प्रोजेक्ट आधारित तकनीकी संस्कृति को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई तथा छात्रों को आत्मनिर्भर, नवाचारी एवं तकनीकी रूप से सक्षम बनने के लिए प्रेरित किया।

यादव जी की लव स्टोरी फिल्म का समाज के लोगों ने किया विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। मंगलवार को यादव समाज के लोग यादव जी की लव स्टोरी फिल्म के खिलाफ कमिश्नरी पार्क में एकत्र हुए वहां से जोरदार नारेबाजी करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे वहां पर काफी देर प्रदर्शन करने के बाद मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में तत्काल प्रभाव से यादव जी कि लव स्टोरी फिल्म पर बैन लगाने की मांग की गई।

जिलाधिकारी की तरफ से ज्ञापन लेने पहुंचे एसडीएम ने यादव समाज के लोगों को भरोसा दिलाया कि तत्काल प्रभाव से उनका ज्ञापन मुख्यमंत्री को भेजा जा रहा है। इसके बाद यादव समाज के बुद्धिजीवियों ने मीडियाकर्मियों से रूबरू होते हुए कहा कि यादव समाज की छवि धूमिल करने के लिए जान बूझकर ऐसा टाइटल दिया गया है जिसका वह विरोध करते हैं। इस दौरान अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के महानगर अध्यक्ष अनूप यादव, मृदुला यादव, प्रवेश यादव, तुलसी यादव आदि समाज के लोग एकत्र रहे।

मेट्रो के शुभारंभ के बाद यात्रियों की भीड़ ने बनाया नया रिकॉर्ड

दिल्ली गाजियाबाद मेरठ कॉरिडोर पर एक दिन में सबसे ज्यादा भीड़, बेगमपुल, आनंद विहार स्टेशनों में दर्ज की गई अधिकतम राइडरशिप

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के शेष खंडों और मेरठ मेट्रो के उद्घाटन के बाद, पहले एक पूरे दिन के ऑपरेशन के दौरान, नेटवर्क के मुख्य स्टेशनों पर यात्रियों की अभूतपूर्व संख्या देखी गई। बेग. मपुल कॉरिडोर का सबसे व्यस्त स्टेशन रहा, जहां यात्रियों की सबसे अधिक संख्या रिकॉर्ड की गई। आनंद विहार और गाजियाबाद ने भी व्यस्ततम स्टेशनों की सूची में अपना नाम दर्ज कराया। पूरे कॉरिडोर पर कुल राइडरशिप एक लाख से अधिक रही, जो इस कॉरिडोर पर एक दिन में रिकॉर्ड की गई अब तक की सबसे अधिक राइडरशिप है। अब तक कॉरिडोर पर दैनिक औसत राइडरशिप लगभग 60,000 दर्ज की जा रही थी, यह उसमें लगभग 70 परसेंट की बढ़ोतरी बताता है।

23 फरवरी को सोमवार होने के कारण, कॉरिडोर पर यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। मेरठ शहर के केंद्र में स्थित भूमिगत, बेगमपुल स्टेशन कॉरिडोर के सबसे बड़े स्टेशनों में से एक है जहां दिन भर चहल-पहल देखी गई। चुंकि इसकी लोकेशन शहर के आबू लेन मार्केट और बिजनेस डिस्ट्रिक्ट के ठीक बीच में है और यह नमो भारत और मेरठ मेट्रो दोनों सेवाएं प्रदान करता है, उद्घाटन के साथ ही यह स्टेशन शहर के पसंदीदा मोबिलिटी हब में परिवर्तित हो गया। कॉरिडोर पर सबसे बड़े मल्टी-मॉडल ट्रांजिट हब, आनंद विहार स्टेशन ने दूसरी सबसे ज्यादा राइडरशिप दर्ज की। यह स्टेशन छह परिवहन साधनों, आनंद विहार रेलवे स्टेशन, दिल्ली मेट्रो की पिंक और ब्लू लाइन, स्वामी विवेकानंद आईएसबीटी, कौशांबी स्थित यूपीएसआरटीसी बस स्टैंड और सिटी बस स्टैंड के साथ कनेक्टिविटी प्रदान करता है। गाजियाबाद स्टेशन पर भी यात्रियों की काफी अधिक संख्या रही, जो कॉरिडोर पर इसके महत्व और राजधानी दिल्ली तथा मेरठ के बीच एक द्वार के रूप में इसकी भूमिका को रेखांकित करता है। यह स्टेशन दिल्ली मेट्रो की रेड लाइन के शहीद स्थल स्टेशन से एक फुट ओवरब्रिज (FOB) के माध्यम से कनेक्टिविटी प्रदान करता है। सराय काले खां, शताब्दी नगर और मौदीपुरम जैसे नव-उद्घाटित स्टेशनों पर भी अच्छी राइडरशिप दर्ज की गई। यह दिखाता है कि लोग इस सेवा के आरंभ होने के साथ ही इसे तेजी से अपनाने लगे हैं। न्यू अशोक नगर स्टेशन, जो पहले से ही परिचालित था, वहां भी यात्रियों ने बड़ी संख्या में शिरकत की। नमो भारत और मेरठ मेट्रो में दैनिक यात्रियों के अलावा भी बहुत से लोगों ने यात्रा का अनुभव लिया। जहां एक ओर स्टूडेंट्स और ऑफिस जाने वालों ने पूर्णत एसी कोच और आरामदायक सीटिंग वाली ट्रेनों से हाई-स्पीड कनेक्टिविटी का स्वागत किया, वहीं कई परिवार और युवा इस नई सेवा का अनुभव करने के लिए ट्रेन में घूमते नजर आए। लोगों ने कोच में पहली बार सफर करने का जश्न मनाया गया, ग्रुप फोटो खिंचवाई और कम समय में आरामदायक यात्रा के प्रति उत्साह व्यक्त किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अनेकों रील्स, सेल्फी और गौरवान्वित यात्रियों के चेहरों से भर गए। लोगों ने दिल्ली, गाजियाबाद और मेरठ के बीच दैनिक यात्रा के लिए आसान, तेज और परिवर्तनकारी सेवा प्रदान करने के लिए एनसीआरटीसी और सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किया। विशेष तौर पर मेरठ शहर में, नमो भारत के साथ मेट्रो सेवा के आरंभ होने से स्थानीय लोगों में गर्व की भावना झलकती हुई नजर आई। एक ही इंफ्रास्ट्रक्चर पर रीजनल रेल, नमो भारत और मेट्रो सेवा के बीच आसानी से स्विच करने की सुविधा को यात्रियों ने बहुत सराहा। रविवार, 22 फरवरी को, प्रधानमंत्री ने न्यू अशोक नगर से सराय काले खां तक 5 किमी और मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक 21 किमी के खंड का उद्घाटन किया, जिसके साथ ही सराय काले खां से मोदीपुरम तक 15 स्टेशनों के साथ संपूर्ण कॉरिडोर परिचालित कर दिया गया। साथ ही, उन्होंने मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक मेरठ मेट्रो का भी उद्घाटन किया। एक अग्रणी पहल के अंतर्गत, नमो भारत के ही ट्रैक और इंफ्रास्ट्रक्चर पर मेरठ मेट्रो की सेवाएं भी प्रदान की जा रही हैं, जो देश में अपनी तरह का पहला इंटीग्रेशन है। 135 किमी प्रति घंटे की डिजाइन स्पीड और 120 किमी प्रति घंटे की अधिकतम परिचालन गति के साथ, मेरठ मेट्रो देश की सबसे तेज मेट्रो प्रणाली है। मेरठ मेट्रो के 21 किमी के खंड में 12 स्टेशन हैं, जिनमें से मेरठ साउथ, शताब्दी नगर, बेगमपुल और मोदीपुरम इंटरचेंज स्टेशन हैं, जो नमो भारत और मेरठ मेट्रो दोनों सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। ऑपरेशन के पहले ही दिन यात्रियों की इतनी अधिक संख्या न केवल अच्छे सार्वजनिक परिवहन की मांग को दर्शाती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र इंटीग्रेटेड, हाई-स्पीड, यात्री-केंद्रित गतिशीलता के नए दौर को अपनाने के लिए तैयार है।

प्लास्टिक के प्रयोग का विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता

फलावदा। कस्बे के नगर पंचायत प्रांगण में क्षेत्रीय कार्यालय उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मेरठ के तत्वाधान में एक नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें चेयरमैन अशोक कुमार सैनी मुख्य अतिथि रहे। कार्यशाला में दिलीप कुमार विश्वकर्मा, वरिष्ठ लेखाकार अखिलेश कुमार गौतम, क्षेत्रीय कार्यालय यू पी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड मेरठ के द्वारा नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के विषय में कस्बे के सफाई कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया एवं अशोक कुमार सैनी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अशोक कुमार सैनी, दिलीप कुमार विश्वकर्मा व अखिलेश कुमार गौतम द्वारा ने संयुक्त रूप से सफाई नायक रमेश व सह सफाई नायक नरेश को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यशाला में नगर के सफाई कर्मियों को जल संरक्षण, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, पालिथीन प्रदूषण, मृदा प्रदूषण के विषय में विस्तृत रूप से समझाया गया। अशोक कुमार सैनी ने उपस्थित सभी कर्मियों को जानकारी देते हुए बताया कि हम सभी को प्लास्टिक का प्रयोग नही करना चाहिए एवं कस्बेवासियों को भी प्लास्टिक का प्रयोग न करने के बारे में जागरूक करना चाहिए। आज कूडे-कचरे में प्लास्टिक की मात्रा लगभग 20 से 25 प्रतिशत होती है। प्लास्टिक नष्ट न होने से सफाई कार्य में काफी व्यवधान उत्पन्न होता है। इस मौके पर वरिष्ठ लिपिक फहीम अहमद, मोहित कुमार, परवेज अहमद सहित कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नम आंखों से मृतकों को किया सुपुर्द-ए-खाक, उमड़ा जनसैलाब

लिसाड़ी गेट क्षेत्र के किदवई नगर में हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे शहर को किया गमगीन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के किदवई नगर में हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे शहर को गमगीन कर दिया। सोमवार देर रात सुराही वाली मस्जिद के पास गली नंबर-1 में शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने एक ही परिवार की खुशियां छीन लीं। इस हादसे में पांच मासूम बच्चों और एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई।

मंगलवार सुबह जब जनाजे उठे तो इलाका आंसुओं से भीग गया। बताया गया कि इकबाल अंसारी और उनका भाई ईशा की नमाज के लिए मस्जिद गए थे। घर में महिलाएं और बच्चे मौजूद थे। इसी दौरान अचानक मकान में आग लग गई। देखते ही देखते तीन मंजिला मकान आग की लपटों में घिर गया। धुएं और चीख-पुकार से मोहल्ले में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही दमकल की आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सीढ़ियों और छत के रास्ते परिवार को बाहर निकाला गया और सभी को हापुड़ रोड स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां महिला और पांच बच्चों ने दम तोड़ दिया। मृतकों में असीम की पत्नी रुखसार, उनकी जुड़वा बेटियां नाजिया और इनाया, बेटा तथा भतीजे हम्माद और भतीजी मेहविश शामिल हैं। आग इतनी भयानक थी कि उसकी लपटें दूर तक दिखाई दे रही थीं। बताया जाता है कि जान बचाने के लिए परिवार एक कमरे में सिमट गया था, लेकिन धुएं और आग की तपिश से कोई खुद को बचा नहीं सका। रात करीब दो बजे परिजनों के आग्रह पर बिना पोस्टमार्टम शव सौंप दिए गए। दो मासूमों को देर रात ही दफन कर दिया गया, जबकि महिला और तीन बच्चों को मंगलवार सुबह सुपुर्द-ए-खाक किया गया। एक साथ उठे छह जनाजों को देखकर हर आंख नम थी। जनसैलाब उमड़ पड़ा, हर चेहरा गम में डूबा नजर आया। प्रशासन की ओर से भारी पुलिस बल तैनात रहा। इस दर्दनाक हादसे ने किदवई नगर ही नहीं, पूरे मेरठ को शोक में डुबो दिया है। मासूमों की मौत ने हर दिल को झकझोर कर रख दिया।

घटना ने बताया दमकल विभाग का सच

मेरठ। शहर में आग से निपटने के माकुल इंतजाम नहीं है। मेरठ में भीषण आगजनी की हालिया घटनाओं ने सुरक्षा इंतजामों की पोल खोलकर रख दी है। जिससे साफ पता चलता है कि सब कुछ राम भरोसे चल रहा है। ताजा मामला लिसाड़ी गेट के किदवई नगर का है। यहां शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग में मासूम बच्चों सहित कुल 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई लेकिन, इतने बड़े हादसे के बाद भी सरकारी अमला आंखें मूंदे बैठा है। ताज्जुब की बात यह है कि खुद नगर निगम, एमडीए और जिला अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण सरकारी दफ्तरों में भी अग्नि सुरक्षा उपकरण (फायर सिलेंडर) नाकाफी हैं जबकि कई बार चेकिंग के दौरान यह एक्सपायरी भी पाए गए हैं। मेरठ में आग से सुरक्षा की स्थिति के अपर्याप्त इंतजाम लोगों की जान को जोखिम में डाल रहे हैं। सरकारी महकमों और रिहायशी इलाकों में अग्निशमन उपकरणों की भारी कमी है जबकि मौजूदा उपकरणों में से कई खराब या एक्सपायरी डेट के हैं। लिसाड़ी गेट क्षेत्र में सोमवार रात को घर में आग लगने से 3 बच्चों सहित 6 लोगों की जान चली गई। हालांकि, हाल ही में अग्निशमन विभाग को 35 मीटर ऊंचाई तक आग बुझाने वाले रोबोटिक यंत्र मिले हैं, लेकिन ये अभी भी शहर के रिहायशी इलाकों के लिए नाकाफी हैं। आग लगने पर स्थानीय निवासियों को ही बचाव कार्य करना पड़ता है।

सरकारी विभागों में भी सुरक्षा ताक पर

बता दें कि बीते 2019 में विकास भवन में आग लगने के बाद भी सरकारी महकमा आग से बचाव को लेकर चिंतित नहीं दिखाई दिया। आग लगने से स्वच्छ भारत मिशन प्रोजेक्ट (ग्रामीण) के तहत शौचालय बनाने का करीब 134 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड खाक हो गया। वहीं, अगर बात अन्य सरकारी विभागों की करें तो नगर निगम, ऊर्जा भवन, एमडीए और जिला अस्पताल की पड़ताल में आग के इंतजाम में नाकाफी हैं। नगर निगम में निर्माण विभाग, लेखा विभाग, संपत्ति कर विभाग समेत लगभग हर कार्यालय में आग पर काबू पाने के इंतजाम नहीं है। निर्माण विभाग में एक फायर सि0लेंडर मौजूद है जिसमें भी धूल जमी हुई है जबकि तीसरी मंजिल पर स्थित लेखा विभाग में एक ही फायर सिलेंडर लगा है। इंवर्टर से लेकर विद्युत व्यवस्था के सारे सिस्टम मौजूद हैं, लेकिन आग लगने पर बचाव के लिए फायर सिलेंडर की व्यवस्था नाकाफी है। मालूम हो कि लेखा विभाग में वर्ष 2013 में आग लगी थी। जिसमें लेखा विभाग के दस्तावेज जलकर राख हो गए थे। इसके बाद भी नगर निगम प्रशासन की ओर से आग से बचाव के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं।

दमकल विभाग के पास नाकाफी हैं इंतजाम

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। स्मार्ट सिटी और हाई कोर्ट की मांग करने वाले मेरठ के पास आग बुझाने के भी पर्याप्त उपकरण नहीं हैं। मेरठ जिले में अग्निशमन के सीमित संसाधन आग बुझाने के लिए नाकाफी हैं। ऊंची इमारतों में आग पर नियंत्रण के लिए हाइड्रोलिक प्लेटफार्म गाड़ी तक नहीं हैं। दूसरे जिलों से गाड़ियां मंगानी पड़ती हैं। मेरठ जिले में करीब 40 लाख वाली आबादी के बीच आग लगने की घटनाओं के दौरान बचाव के लिए दमकल की 16 गाड़ियां हैं। इनमें 65 हजार लीटर पानी की क्षमता है। ऐसे में यदि कहीं बड़ा हादसा हो जाए तो आग पर समय से नियंत्रण पाना आसान नहीं होगा। राहत के लिए संसाधनों की कमी के कारण ही अक्सर बड़ी घटनाओं के दौरान आग बुझाने के लिए दूसरे जिलों से गाड़ियां मंगवानी पड़ती हैं।

नहीं है हाइड्रोलिक प्लेटफार्म गाड़ी

शहर में कई ऊंची इमारतें, शिक्षण संस्थान, होटल, कारखाने, सरकारी कार्यालय, कोर्ट सहित अन्य भवन हैं। तीन से पांच मंजिला इमारत में आग बुझाने के लिए ऊंची सीढ़ी वाली हाइड्रोलिक प्लेटफार्म गाड़ी की जरूरत होती है। यह भी दमकल विभाग के पास नहीं है। नौचंदी इलाके में फर्नीचर शोरूम की तीसरी मंजिल पर लगी आग बुझाने के लिए हाइड्रोलिक प्लेटफार्म गाड़ी होती तो काफी नुकसान होने से बचाया जा सकता है। पहले मिले को यह गाड़ी मिली थी, लेकिन कुछ महीनों बाद ही गाड़ी को गौतमबुद्ध नगर भेज दिया गया था।

फायर स्टेशनों पर गाड़ियों की स्थिति

पुलिस लाइन	08 गाड़ी
परतापुर	02 गाड़ी
मवाना	03 गाड़ी
घंटाघर	02 गाड़ी
सरधना	01 गाड़ी

इस तरह करें बचाव

इमारतों में स्वचालित स्प्रिंकलर सिस्टम लगाएं। अग्निशामक यंत्र घरों और कार्यालयों में सही प्रकार के फोम या अग्निशामक यंत्र रखें। आग लगने की स्थिति में बाहर निकलने के रास्तों को खाली रखें।

आप सांसद संजय सिंह ने फारूक किदवई के घर पहुंचकर दी सांत्वना

- सोमवार की रात एक ही परिवार के छः सदस्यों की जलकर हुई थी मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। आम आदमी पार्टी, उत्तर प्रदेश के प्रभारी राज्यसभा सांसद संजय सिंह तथा पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष सोमेन्द्र ढाका जिला अध्यक्ष अंकुश चौधरी के साथ माइनॉरिटी विंग के वरिष्ट उपाध्यक्ष भाई फारूक किदवई के घर हुई दर्दनाक घटना को लेकर पीड़ित परिवार से मिलने मेरठ पहुंचे। आम आदमी पार्टी, मेरठ माइनॉरिटी विंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पार्टी के मजबूत स्तंभ फारूक किदवई के घर पर बीती रात आग लगने की घटना में उनके दो मासूम बच्चे बेटी महविश एवं बेटा हम्माद, उनकी भाभी रुखसार तथा उनके भतीजे अद्दस और भतीजियां नबिया व इनायत का निधन हुआ गया।

राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और इस दुःख की घड़ी में हर संभव साथ देने का आश्वासन दिया। संजय सिंह ने इस घटना को बेहद ही दर्दनाक बताया संजय सिंह काफी देर तक फारूक किदवई के घर पर रुके रहे। उन्होंने देर रात हुई घटना पर तुरंत आकर यह बता दिया कि वह अपने हर साथी के साथ हर घड़ी में खड़े हैं। इस दौरान जिला अध्यक्ष अंकुश चौधरी के साथ जिला संरक्षक एस.के. शर्मा, माइनॉरिटी विंग प्रदेश उपाध्यक्ष गुरमिंदर सिंह, कैप्टन कपिल शर्मा, कैंट विधानसभा अध्यक्ष भरत लाल यादव, जिला सचिव वैभव मलिक, विचित्र सिसोदिया, अशफाक अंसारी, हबीब अंसारी, मीडिया प्रभारी हेम कुमार, संजय जोशी, जिला सचिव तरीकत पवार, गौहर सिद्दीकी, रंजना तिवारी, यूथ विंग जिला अध्यक्ष शिव कुमार, सचिन तोमर, जिला महासचिव जीएस राजवंशी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

किदवई नगर में पीड़ितों से मिलने पहुंचे हाफिज इमरान याकूब

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। किदवई नगर में सोमवार की रात लगी भीषण आग में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत के बाद मंगलवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात करने के लिए बसपा नेता हाफिज इमरान याकूब पहुचे उन्होंने पीड़ितों का हालचाल जाना। पीड़ित परिवार का दुख जानकर इमरान याकूब भी गमगीन हुए। उन्होंने कहा कि यह मंजर देखकर दिल बेहद गमगीन हो गया और इस दर्द को अल्फाज में बयान करना बेहद मुश्किल है। इस अफसोसनाक हादसे में एक खुशहाल और हंसते-खेलते परिवार ने पल भर में अपने 5 मासूम बच्चों और उनकी वालिदा को खो दिया। 6 लोगों की दर्दनाक मौत की खबर ने दिल को झकझोर कर रख दिया। इस मुश्किल घड़ी में हमारी तमाम तर हमदर्दियां और दुआएं पीड़ित परिवार के साथ हैं। हम अल्लाह तआला से दुआ करते हैं कि मरहूमीन को जन्नतुल फिरदौस में आला से आला मुकाम अता फरमाए और उनके अहल-ए-खाना को सब्र-ए-जमील अता फरमाए। इस दुख की घड़ी में हम पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं और इंशा अल्लाह हर मुमकिन मदद और सहयोग के लिए हमेशा तैयार हैं। अल्लाह तआला मरहूमीन की मगफिरत फरमाए और उनके परिवार को सब्र अता फरमाए।

विधायक गुलाम मोहम्मद ने लिसाड़ी गेट घटना पर जताया दुख

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। सोमवार की देर रात मेरठ के लिसाड़ी गेट क्षेत्र किदवई नगर में हुए अग्निकांड में एक ही परिवार के 6 सदस्यों की जलकर हुई मौत ने सभी को झकजोर कर रख दिया है। मौके पर पहुंचे जनप्रतिनिधियों ने भी गहरा दुख व्यक्त किया है। इस दौरान सिवाल खास से विधायक गुलाम मोहम्मद भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने भी इस घटना पर अपना दुख व्यक्त किया और पीड़ित परिवार से देर रात मुलाकात की। गुलाम मोहम्मद सूचना मिलते ही पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और वहीं से वह अस्पताल में घायलों को देखने गए जब तक सभी सदस्य अपनी जान गंवा चुके थे।

इस दौरान गुलाम मोहम्मद और अन्य जनप्रतिनिधियों ने शासन प्रशासन से बात की और बिना पीएम के ही सभी सदस्यों का पंचनामा भरवारा। इसके बाद मंगलवार को एक साथ छः जनाजे देख सभी का दिल पिघल गया। जोहर की नमाज के बाद सड़क पर एक के बाद एक जनाजा सभी को झकझोर रहा था। इस दौरान गुलाम मोहम्मद ने भी गहरा दुख जाहिर किया और कहा कि वह पीड़ित परिवार के साथ हैं। यह घटना दिल को सदमा पहुंचाने जैसी है। 6 माह के बच्चे भी जलकर कर राख हो चुके थे, नजारा देखने लायक नहीं था। उन्होंने कहा कि इस मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी दुख व्यक्त किया है। गुलाम मोहम्मद ने कहा कि वह शासन प्रशासन से पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद की गुहार लगाएंगे और पीड़ित परिवार के हर सुख दुख में वह कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे।

शाह टाइम्स की विशेष फॉलोअप रिपोर्ट

नालों के बीच से गुजर रही पाइपलाइनें, दूषित पानी से बीमार हो रहे सरधनावासी

शाहीन मिर्जा/शाह टाइम्स

सरधना। नगर में दूषित पानी की सप्लाई का मामला अब गंभीर जनस्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका है। नौनिहालों में हेपेटाइटिस और अन्य संक्रामक बीमारियों के बढ़ते मामलों के बाद 'शाह टाइम्स' की पड़ताल में जलापूर्ति व्यवस्था की चिंताजनक तस्वीर सामने आई हैं। शहर के अधिक. ांश इलाकों में पानी की पाइपलाइनें खुले नालों के बीच से होकर गुजर रही हैं, जिससे हजारों लोग अनजाने में दूषित पानी पीने को मजबूर हैं।

90 प्रतिशत लाइनें नालों के संपर्क में

शाह टाइम्स के संवाददाता ने जब इस मामले में जांच की तो सामने आया कि नगर के करीब 90 प्रतिशत हिस्सों में पेयजल पाइपलाइन या तो नालियों के किनारे से गुजर रही हैं या कई जगह सीधे नालों के अंदर डाली गई हैं। कई स्थानों पर पाइपलाइन जर्जर अवस्था में हैं और जगह-जगह से लीकेज हो रहा है। जब सप्लाई बंद होती है तो पाइपलाइन में बनने वाले प्रेशर के कारण नालियों का गंदा पानी रिसाव के जरिए अंदर चला जाता है। यही पानी बाद में घरों के नलों से निकलता है।

सबमर्सिबल भी असुरक्षित स्थानों पर

नगर के कई वार्डों में जलापूर्ति के लिए लगाए गए सबमर्सिबल पंप भी नालों और गंदगी के बीच स्थापित पाए गए। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे हालात में भूमिगत जल स्रोत भी प्रदूषित हो सकते हैं। यदि समय रहते इन पंपों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट नहीं किया गया तो भविष्य में स्थिति और भयावह हो सकती है।

बढ़ती बीमारियां, चिंतित सरधनावासी

पिछले कुछ हफ्तों में बच्चों में पीलिया (हेपेटाइटिस ए), उल्टी, दस्त, बुखार, खांसी और निमोनिया के मामलों में तेजी आई है। अस्पतालों में मरीजों की भीड़ यह संकेत दे रही है कि समस्या सामान्य नहीं है। अभिभावकों का कहना है कि पानी में बदबू और मटमैला रंग होने के बावजूद मजबूरी में वही पानी उपयोग करना पड़ रहा है।

पहले भी हो चुका है विरोध: पूर्व में मंडी चमारान क्षेत्र में दूषित पानी के कारण बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़े थे और उस समय नगर में विरोध प्रदर्शन भी हुआ था। लेकिन स्थायी समाधान के अभाव में समस्या फिर से सिर उठा रही है।

नगर पालिका की चुप्पी पर सवाल

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि जलापूर्ति व्यवस्था की नियमित जांच और क्लोरीनेशन की प्रक्रिया केवल कागजों तक सीमित है। कई जगहों पर टूटी पाइपलाइन की शिकायत महीनों से लंबित है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते मरम्मत और लाइन परिवर्तन का कार्य नहीं किया गया तो महामारी जैसी स्थिति बन सकती है।

जारी रहेगी शाह टाइम्स की मुहिम

शाह टाइम्स की यह फॉलोअप मुहिम तब तक जारी रहेगी, जब तक सरधना के हर घर तक स्वच्छ और सुरक्षित पानी की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो जाती। अब देखना यह है कि जिम्मेदार विभाग जनता की सेहत से जुड़े इस गंभीर मुद्दे पर कितनी तेजी से कार्रवाई करता है।

नगरवासियों ने की शाह टाइम्स की सराहना

अखबार में दूषित पानी की खबर प्रकाशित होते ही नगरवासियों ने इस मुहिम के लिए शाह टाइम्स की जमकर सराहना की। नगरवासियों का कहना है कि जिस सच्चाई के साथ अखबार ने प्रकाशित की है, उससे उन्हें उम्मीद है जल्द ही नगरवासियों को इस समस्या से निजात मिल सकें।

समस्या हुई तो जल्द होगा समाधानः विजय सोम

इस बारें में जब जलकर सुपरवाइजर विजय सोम का कहना था कि अगर नगर में किसी भी तरह से पानी में समस्या है तो उसका निस्तारण जल्द से जल्द कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि नगर में पानी की सप्लाई बिल्कुल सफाई के साथ कराई जाएगी।

शाह टाइम्स की खबर का असर

दूषित पानी मामले में जागी सरधना की जनता प्रशासन हरकत में

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। नगर में दूषित पानी की समस्या को लेकर मंगलवार के अंक में शाह टाइम्स द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित खबर का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। खबर प्रकाशित होते ही प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया और दिनभर अधिकारी मामले की जानकारी जुटाने में लगे रहे। सूत्रों के अनुसार नगर पालिका की टीम ने भी कई प्रभावित मोहल्लों का दौरा कर जलापूर्ति व्यवस्था का निरीक्षण किया। पाइपलाइनों की स्थिति, लीकेज और नालों के बीच से गुजर रही लाइनों की जांच की गई। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों से रिपोर्ट तलब की है।

जनप्रतिनिधि भी आए सामने

इस दौरान हनीफ राणा, रिहान जिला पंचायत सदस्य सुनील प्रधान अक्खेपुर, दानिश कस्सार, सुखबीर सिंह, अंकित शर्मा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में प्रशासन से शीघ्र ठोस कार्रवाई की मांग की।

संगठनों ने सौंपा ज्ञापन

दूषित पानी की समस्या को लेकर सामाजिक एवं हरियाली संरक्षण ट्रस्ट और भारतीय किसान यूनियन आजाद के पदाधिकारियों ने एकजुट होकर एसडीएम के नाम ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। ज्ञापन में नगर के विभिन्न मोहल्लों में गंदे पानी की सप्लाई पर गहरी चिंता जताते हुए तत्काल समाधान की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि दूषित पानी के कारण बच्चों और बुजुर्गों में बीमारियां बढ़ रही हैं जिससे जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। संगठनों ने जलापूर्ति लाइनों की तकनीकी जांच, नियमित क्लोरीनेशन और क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों के तत्काल परिवर्तन की मांग उठाई।

सुभारती विवि में आयोजित 'एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम' पर ज्ञानवर्धक जागरूकता सत्र का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 109-110, प्रताप भवन, 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित।
सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎011-41509401-2
फैक्सः 011-41509403
मुख्यालय मोबाइल 9720007290
R.N.I. NoDEL.HIN./2002/8501
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

मेरठ। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ एक ज्ञानवर्धक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका विषय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं भावी शिक्षकों को समक. ालीन शिक्षक शिक्षा सुधारों के संदर्भ में की संरचना, उद्देश्यों और महत्व से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षा विभाग, शिक्षा संकाय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय की सहायक आचार्या डॉ. रूपम जैन द्वारा हार्दिक स्वागत भाषण के साथ हुआ। उन्होंने अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने विभिन्न विभागों के आदरणीय डीन एवं प्राचार्यों को माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन हेतु आमंत्रित किया, जिसके पश्चात सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा और उत्साह को और बढ़ा दिया। उद्घाटन के उपरान्त डॉ. रूपम जैन ने शिक्षा संकाय के डीन लेफ्टिनेंट प्रोफेसर डॉ. संदीप कुमार को कार्यक्रम की थीम प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया। अपने संबोधन में उन्होंने एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम की दृष्टि एवं उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला, विशेष रूप से बी.एससी. बी.एड. कार्यक्रम पर। उन्होंने बताया कि यह एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम पाठ्यक्रम विषय ज्ञान की मजबूत नींव के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षण दक्षताओं का विकास करता है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति एन ई पी 2020 के अनुरूप है। उन्होंने यह भी बल दिया कि चार वर्षीय समेकित कार्यक्रम में प्रारम्भ से ही शिक्षण प्रशिक्षण एवं विद्यालयी इंटर्नशिप का अवसर प्रदान किया जाता है। इसके पश्चात शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो. डॉ. इंदिरा सिंह ने एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम विषय पर एक महत्वपूर्ण प्रस्तुति दी। उन्होंने कार्यक्रम की अवधि, पात्रता मानदंड एवं प्रवेश आवश्यकताओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पारंपरिक दो वर्षीय बी.एड. कार्यक्रम और चार वर्षीय के मध्य मुख्य अंतर भी स्पष्ट किए। उन्होंने बताया कि जहाँ पारंपरिक बी.एड. स्नातक के पश्चात किया जाता है, वहीं में प्रारम्भ से ही विषय अध्ययन एवं शिक्षक प्रशिक्षण को एकीकृत किया जाता है, जिससे भावी शिक्षकों का समग्र विकास सुनिश्चित होता है। उन्होंने पाठ्यक्रम संरचना पर भी चर्चा की, जिसमें बहुविषयी अध्ययन, व्यावहारिक अनुभव, कौशल विकास एवं शोध अभिमुखता शामिल है। इसके बाद शिक्षा विभाग, शिक्षा संकाय, एस.वी.एस.यू. की सह आचार्या डॉ. मुमताज शेख ने एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम के विभिन्न घटकों की विस्तृत व्याख्या प्रस्तुत की। उन्होंने क्रेडिट संरचना, क्षेत्रीय सहभागिता, इंटर्नशिप कार्यक्रम, मूल्यांकन पद्धति एवं दक्षता-आधारित शिक्षण दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम चिंतनशील शिक्षकों का निर्माण करता है, आलोचनात्मक चिंतन कौशल को बढ़ाता है तथा इक्कीसवीं वीं सदी के शिक्षार्थियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शिक्षकों को तैयार करता है।

खेल विशेष

श्रीलंकाई स्पिनर व कीवी पावर का आज होगा मुकाबला

कोलंबो, वार्ता। क्या श्रीलंका का स्पिन जाल कोलंबो में न्यूजीलैंड की छक्के मारने वाली मशीन को फंसा पाएगा? बुधवार को आर प्रेमदासा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 ग्रुप 2 मुकाबले से पहले यही सबसे बड़ा सवाल है। यह मुक. बला स्टाइल में एक दिलचस्प अंतर के तौर पर सामने आ रहा है। श्रीलंका की धीमी, स्पिन-हैवी स्ट्रैटेजी बनाम न्यूजीलैंड का निडर, बाउंड्री से भरा पावरप्ले अटैक। इंग्लैंड के खिलाफ बैटिंग की बुरी तरह नाकामी के बाद श्रीलंका दबाव में इस मैच में उतरेगा, जहां वे 147 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 95 रन पर आउट हो गए थे। फिर भी, हार के बाद भी, उनका स्पिन शस्त्रागार एक बार फिर सबसे अलग दिखा। डुनिथ वेल्लालेज के 26 रन देकर 3 और महेश थीक्षाना के 21 रन देकर 2 विकेट ने यह दिखा दिया कि मेजबान टीम को टूर्नामेंट की सबसे ताकतवर स्पिन यूनिट में से एक क्यों माना जाता है। कोलंबो की पिच पर, जो आमतौर पर मैच आगे बढ़ने के साथ धीमी हो जाती है और पकड़ बनाती है, श्रीलंका की उम्मीदें न्यूजीलैंड के आक्रामक टॉप ऑर्डर को रोकने की उनकी काबिलियत पर टिकी हैं। इस वर्ल्ड कप में इस जगह पर पहली पारी का औसत स्कोर लगभग 173 रहा है और पांच में से चार मैच पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने जीते हैं, ऐसे में बीच के ओवरों को कंट्रोल करना अहम साबित हो सकता है। हालांकि, न्यूजीलैंड अपने साथ टूर्नामेंट की सबसे जबरदस्त ओपनिंग पार्टनरशिप लेकर आया है। टिम सीफर्ट और फिन एलन ने जबरदस्त ताकत के साथ निडर इरादे का मेल किया है, और अब तक 15 बार गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया है। उनकी आक्रामक शुरुआत ने अक्सर स्पिनरों के लय में आने से पहले ही विरोधी टीमों की योजनाओं को खत्म कर दिया।

भारत-पाक की 14 जून को भिड़ंत

जून व जुलाई में होगा विमेंस टी-20 विश्व कप, बांग्लादेश, नीदरलैंड, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया व भारत एक ग्रुप में

लंदन, वार्ता। बांग्लादेश और नीदरलैंड्स को ऑस्ट्रेलिया, भारत, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के साथ ग्रुप 1 में रखा गया है, जबकि आयरलैंड और स्कॉटलैंड इस साल जून और जुलाई में होने वाले 2026 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में होस्ट इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका और वेस्ट इंडीज के साथ ग्रुप 2 में शामिल हुए हैं। शुरुआती हाइलाइट्स में 20 जून को हेडिंग्ले में इंग्लैंड और स्कॉटलैंड का मैच शामिल है, यह पहली बार है जब दोनों टीमें इंग्लिश जमीन पर किसी वर्ल्ड कप, पुरुष या महिला, में भिड़ेंगी।

आयरलैंड और स्कॉटलैंड 13 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में एक ऑल-सेल्टिक मुकाबले में भी भिड़ेंगे। बांग्लादेश अपना कैंपेन 14 जून को एजबेस्टन में नीदरलैंड्स के खिलाफ शुरू करेगा। जो टूर्नामेंट में अपना डेब्यू कर रहे हैं - और फिर 17 जून को हेडिंग्ले में ऑस्ट्रेलिया और 25 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत का सामना करेगा। यह टूर्नामेंट 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड और वेल्स के अलग-अलग जगहों पर चलेगा। नीदरलैंड्स की कप्तान बैबेट डी लीडे ने कहा कि हमारे पहले आईसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करना हमें बहुत गर्व और उत्साह से भर देता है। यह बहुत खास लगता है क्योंकि, कई मायनों में, यह हमारे लिए लगभग 'होम' वर्ल्ड कप है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि हमारे परिवार, दोस्त, फैंस और हर कोई जिसने इतने सालों में डच महिला क्रिकेट को सपोर्ट किया है, स्टैंड में नारंगी रंग का समंदर देखेगा। पहली बार उस स्टेज पर कदम रखना नीदरलैंड्स में महिला क्रिकेट के लिए एक मील का पत्थर होगा, और हमें उम्मीद है कि यह युवा डच खिलाड़ियों को बड़े सपने देखने और यह विश्वास करने के लिए प्रेरित करेगा कि वे भी एक दिन एक सफल नेशनल टीम को रिप्रेजेंट कर सकते हैं। आईसीसी ने पहले ही फिक्स्चर जारी कर दिए थे, बाकी टीमों की पुष्टि होने तक, जिनकी जगहें अब फाइनल हो गई हैं, जब बांग्लादेश, आयरलैंड, नीदरलैंड्स और स्कॉटलैंड ने नेपाल में क्वालीफायर के जरिए आखिरी चार जगह पक्की कर लीं, जिससे 12 टीमों का फील्ड पूरा हो गया। ओपनिंग मैच 12 जून को एजबेस्टन में इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। पिछले एडिशन के सेमीफाइनल के रीमैच में, न्यूजीलैंड 13 जून को साउथेम्प्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने टाइटल डिफेंस की शुरुआत करेगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया उसी दिन मैनचेस्टर में

2024 के फाइनलिस्ट साउथ अफ्रीका से भिड़ेंगे। भारत का मुकाबला 14 जून को एजबेस्टन में पाकिस्तान से होगा। लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत का मैच कॉम्पिटिशन का आखिरी ग्रुप-स्टेज मैच होगा। हर ग्रुप से टॉप दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जो 30 जून और 2 जुलाई को होंगे। जीतने वाली टीमें 5 जुलाई को लॉर्ड्स में टाइटल क्लैश के लिए भिड़ेंगी। होस्ट इंग्लैंड और 2024 एडिशन की टॉप पांच टीमें (ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्ट इंडीज) ऑटोमैटिकली एडिशन के लिए क्वालिफाई हो गईं। पाकिस्तान और श्रीलंका, जो उस साल 21 अक्टूबर को आईसीसी रैंकिंग टेबल में अगली दो सबसे ऊंची रैंक वाली टीमें थीं, उन्होंने भी कट बनाया।

बाएं घुटने में चोट लगने के बाद हरमनप्रीत मैदान से बाहर

- **ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बल्लेबाजी करते समय लग गई थी चोट**

ब्रिस्बेन, वार्ता। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को चोट लग गई है और वह मंगलवार को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में भारत के 214 रन के बचाव के दौरान फील्डिंग करने नहीं जा सकीं। भारत की पारी के बाद बीसीसीआई के मीडिया बयान में कहा गया कि बल्लेबाजी करते समय उनके बाएं घुटने में चोट लग गई थी और मेडिकल टीम उनकी प्रोग्रेस पर नजर रख रही है। हरमनप्रीत की गैरमौजूदगी में उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने भारत की कप्तानी की। यह साफ नहीं था कि हरमनप्रीत को चोट कब लगी, लेकिन भारत की पारी के 38वें ओवर के आखिर में, जब वह 67 गेंदों पर 40 रन बना रही थीं, तब उन्हें मैदान पर कुछ इलाज मिला। वह 44वें ओवर तक खेलती रहीं, इसके बाद वह 84 गें. दों पर 53 रन बनाकर आउट हो गईं, उन्होंने काश्वी गौतम के साथ 61 गेंदों पर 53 रन की साझेदारी की थी, जिन्होंने 44 गेंदों पर 43 रन बनाए और आखिरी बल्लेबाज बनीं। हरमनप्रीत ने अपनी पारी में तीन चौके लगाए जबकि मंधाना ने 68 गेंदों पर 58 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया, जो पिछली टी-20 सीरीज 2-1 से हार गया था, पूरी वनडे सीरीज के लिए दो खास खिलाड़ियों के बिना है: एलिस पेरी और किम गार्थ, दोनों को पिछले टी-20 में चोट लग गई थी और अब वे वनडे के बाद खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए फिट होने की रेस में हैं। मेगन शट्ट, जो ओरिजिनल वनडे टीम का हिस्सा नहीं थीं, ग्प में आईं और उन्होंने भारत को कम स्कोर पर रो. कने में अपनी भूमिका निभाई, उन्होंने अपने नौ ओवर में 42 रन देकर 2 विकेट लिए।

पैट्रिक किप्सन ने एलेक्स डी मिनौर को चौंकाया

- **मैच के बाद किप्सन ने कहा कि यह बहुत अच्छा लग रहा है सब कुछ जरूरी थी, मुझे अच्छी सर्व करनी थी**

मेक्सिको, वार्ता। पैट्रिक किप्सन ने सोमवार को एबिएर्टो मेक्सिकनो टेलसेल के पहले राउंड में दूसरे सीड एलेक्स डी मिनौर को 6-1, 6-7(4), 7-6(4) से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

एटीपी टूर वेबसाइट के अनुसार, अमेरिकी क्वालीफायर ने 2024 में इंडियन वेल्स के बाद अपनी पहली टूर-लेवल जीत हासिल करने और अकापुल्को में दूसरे राउंड में आगे बढ़ने के लिए दो घंटे और 39 मिनट तक संघर्ष किया। मैच के बाद किप्सन ने कहा कि यह बहुत अच्छा लग रहा है। सब कुछ जरूरी था। मुझे अच्छी सर्व करनी थी। मुझे अच्छा रिटर्न करना था। मैंने अपना फोरहैंड बहुत जोरदार मारा। किस्मत से, मैं ए सब काफी देर तक कर पाया। डी मिनौर, जिन्होंने 2023 और 2024 में अकापुल्को का टाइटल जीता था, इस महीने की शुरुआत में रोटर्डम का क्राउन जीतने के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रहे थे। जब उन्होंने डिसाइडिंग सेट में 5-4 से मैच के लिए सर्व किया, तो ऑस्ट्रेलियाई जीत के करीब थे, लेकिन किप्सन ने हिम्मत बनाए रखी और टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया और उलटफेर पूरा किया। 26 साल के खिलाड़ी ने अपने पहले सर्व पॉइंट्स में से 71 परसेंट जीते और मैच के दौरान पांच में से तीन ब्रेक-पॉइंट मौकों को कन्वर्ट किया।

रैंकिंग में भारत-ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं को फायदा

- **भारत की सीमर अरुंधति ने टी-20 बॉलर्स में करियर की बेस्ट रैंकिंग हासिल की**

दुबई, वार्ता। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीमों ने ऑस्ट्रेलिया में अपनी कड़ी टक्कर वाली सीरीज के बाद लेटेस्ट आईसीसी महिला टी-20 प्लेयर रैंकिंग में काफी बढ़त हासिल की है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, भारत की सीमर अरुंधति रेड्डी ने टी-20 बॉलर्स में करियर की बेस्ट रैंकिंग हासिल की, जो सीरीज में आठ विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली बॉलर रहीं।

उनकी टीममेट श्री चरणी भी आगे बढ़ीं और 11 स्थान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान पर पहुंच गईं। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में, एनाबेल सदरलैंड बॉलिंग रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि एश्ले गार्डनर दो स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गईं। बॉलिंग चार्ट में पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की सादिया इक़बाल टॉप पर बनी हुई हैं। गार्डनर टी-20 ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। बैटिंग रैंकिंग में, ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल 26 पायदान की शानदार छलांग लगाकर 10वें नंबर पर पहुंच गईं, जबकि उनकी टीममेट फोएबे लिचफील्ड चार पायदान ऊपर चढ़कर 12वें नंबर पर पहुंच गईं। इंडिया की बैटर जेमिमा रोड्रिग्स भी एक पायदान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंच गईं। ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी ओपनर बेथ मूनी ने टी-20 बैटिंग रैंकिंग में टॉप पर अपनी जगह बनाए रखी। इस बीच, साउथ अफ्रीका विमेंस क्रिकेट टीम, श्रीलंका विमेंस क्रिकेट टीम, वेस्ट इंडीज विमेंस क्रिकेट टीम और पाकिस्तान विमेंस क्रिकेट टीम के मैचों के बाद लेटेस्ट वनडे रैंकिंग में भी बदलाव देखा गया। साउथ अफ्रीका की सुने लुस वनडे बैटर्स में चार पायदान चढ़कर 30वें नंबर पर और ऑलराउंडर्स की लिस्ट में पांच पायदान ऊपर चढ़कर 17वें नंबर पर पहुंच गईं। उनकी टीममेट मारिजाने कैप वनडे ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में गार्डनर के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गईं। स्पिनर नॉनकुलुलेको म्लाबा वनडे गेंदबा. जों में बराबर नौवें स्थान पर पहुंच गयीं, जबकि वेस्टइंडीज की करिश्मा रामहरैक चार स्थान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान पर पहुंच गईं।

भारत ने किया वॉशिंगटन सुंदर के चयन का बचाव

अहमदाबाद, वार्ता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए मैच के टॉस के दौरान जब भारत की प्लेइंग 11 में शामिल खिलाड़ियों के नाम बोले जा रहे थे तब पूरा स्टेडियम एक-एक नाम पर चीयर कर रहा था। हालांकि, जैसे ही लोगों को पता लगा कि उनके घरेलू स्टार अक्षर पटेल प्लेइंग 11 में नहीं हैं और उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर खेल रहे हैं तो लोग इस एक नाम पर निराश दिखाई दिए। नीदरलैंड्स के खिलाफ अक्षर को आराम देकर वॉशिंगटन को मौका दिया गया था। भारत ने वॉशिंगटन के पूरी तरह फिट होने का इंतजार किया था और उनके किसी रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की थी। हालांकि, इस बात की पूरी उम्मीद थी कि टीम के उप-कप्तान और शानदार फॉर्म में

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया

बेथ मूनी ने 79 गेंदों में पांच चोकों और दो छक्कों की मद्द से 76 रनों की विजयी पारी खेली

ब्रिस्बेन, वार्ता। बेथ मूनी (76) की शानदार अर्द्धशतकीय पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत को पहले महिला वनडे में मंगलवार को एकतरफा अंदाज में 70 गेंदें शेष रहते छह विकेट से हरा दिया।

भारत को 48.3 में 214 रन पर समेटने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने 38.2 ओवर में चार विकेट पर 217 रन बनाकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाने वाली जीत हासिल की। बेथ मूनी ने 79 गेंदों में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 76 रन की मैच विजई पारी खेली। एलिसा हीली ने 70 गेंदों में 50 रन, एनाबेल सदरलैंड ने 44 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 48 तथा फीबी लिचफील्ड ने 32 रन बनाए। बेथ मूनी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। काफी बाउंस वाली पिच पर, इंडिया 48. 3 ओवर में 214 रन पर आउट हो गया। वे ज्यादा पार्टनरशिप नहीं कर पाए, जिसमें सबसे बड़ी पार्टनरशिप हरमनप्रीत और काश्वी गौतम के बीच के बीच सातवें विकेट के लिए 53 रन की थी। काश्वी ने असल में बहुत अच्छी बैटिंग की, स्वीप शॉट का बहुत अच्छे से इस्तेमाल करके टीम को 200 के पार पहुंचाया। लेकिन उस पार्टनरशिप और मंधाना की फिफ्टी के अलावा, इंडियन इनिंग्स से कुछ खास सीखने को नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया ने सीम और स्पिन दोनों में डिसिप्लिन में खेला, और उन्होंने वहां के बाउंस के साथ कंडीशन का मजा लिया। स्पिनर्स ने भी काफी टर्न लिया, खासकर अलाना किंग ने तो कमाल ही कर दिया। मंधाना ने 68 गेंदों में सात चौकों की मदद से 58 रन बनाए जबकि हरमनप्रीत ने 84 गेंदों में तीन चौकों के सहारे 53 रन बनाए। काश्वी गौतम ने 44 गेंदों में तीन चौकों और तीन छक्कों के सहारे 43 रन का योगदान दिया। ऋचा घोष ने 38 गेंदों में 23 रन बनाए।

हुबली स्टेडियम के स्टैंड को मिला सुनील जोशी का नाम

हुबली, वार्ता। मंगलवार को हुबली के केएसएसीए स्टेडियम में भारत के पूर्व स्पिनर सुनील जोशी के नाम पर एक स्टैंड का नाम रखना कोई रस्मी सम्मान कम और धैर्य, अनुशासन और शांत उत्कृष्टता पर बनी क्रिकेट यात्रा की झलक ज्यादा थी - यह कहानी कर्नाटक के क्रिकेट के गढ़ से शुरू हुई और बाद में पूरी हुई जब पूर्व स्पिनर को खिलाड़ी और मेंटर दोनों के रूप में सम्मानित किया गया। जोशी की क्रिकेट की जड़ें गडग और हुबली जैसी जगहों पर बनीं, जहां शुरुआती क्रिकेटिंग प्रभावों ने एक युवा स्पिनर को बनाने में मदद की, जो बाद में कर्नाटक के घरेलू ढांचे से आगे बढ़ा और फिर इंटरनेशनल क्रिकेट में अपनी पहचान बनाई। उनका करियर एक ऐसे क्रिकेटर की दुर्लभ तरक्की को दिखाता है जो तकनीकी सटीकता, निरंतरता और मानसिक ताकत से सफल हुआ, और बाद में खुद को आने वाली पीढ़ियों के खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए समर्पित कर दिया। अपने खेल करियर के दौरान, जोशी भारत के भरोसेमंद स्पिन गेंदबाजों में से एक बन गए। उन्होंने 1996 से 2001 के बीच 15 टेस्ट मैचों और 69 वनडे इंटरनेशनल मैचों में देश को रिप्रेजेंट किया और सभी फॉर्मेट में 100 से ज्यादा इंटरनेशनल विकेट लिए। उनकी बॉलिंग की खासियत थी सटीकता, हल्का वेरिएशन और सबकॉन्टिनेंटल पिचों पर टर्न दिलाने की काबिलियत, साथ ही उन्होंने प्रेशर सिचुएशन में निचले क्रम में उपयोगी रन भी बनाए। अपने खेलने के दिनों के अलावा, जोशी का भारतीय क्रिकेट में योगदान कोचिंग और टैलेंट डेवलपमेंट के जरिए जारी रहा। वह आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2026 के दौरान बॉलिंग कोच के तौर पर भारत के विजई सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा थे।

फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे दूसरे राउंड में

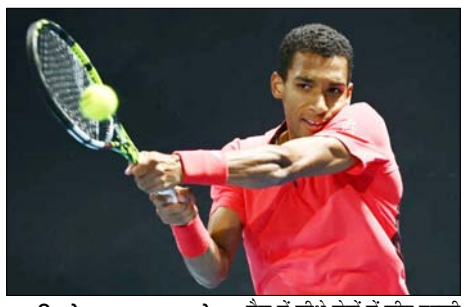

- **पिछले साल रनर-अपर रहे ऑगर-अलियासिमे इस साल के एडिशन में एक कदम और बेहतर करने का लक्ष्य बना रहे हैं**

दुबई, वार्ता। फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे ने दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में जीत के साथ वापसी की, सोमवार को चीन के झांग झिझेन को 6-3, 7-6(4) से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई। एटीपी स्टैंडिंग में अभी 8वें नंबर पर मौजूद टॉप सीडेड कनाडाई खिलाड़ी को एटीपी 500 इवेंट के अपने पहले मैच में सीधे सेटों में जीत पक्की करने के लिए छह मैच पॉइंट्स की जरूरत थी।

एटीपी टूर वेबसाइट के मुता. बिक, पिछले साल रनर-अप रहे ऑगर-अलियासिमे इस साल के एडिशन में एक कदम और बेहतर करने का लक्ष्य बना रहे हैं। मैच के बाद ऑगर-अलियासिमे ने कहा कि मैंने एक पॉइंट पर गिनती करना बंद कर दिया(यह बहुत फ्रस्ट्रेटिंग हो रहा था। मैच पॉइंट्स होना वह पोजीशन है जिसमें आप एक खिलाड़ी के तौर पर रहना चाहते हैं, लेकिन यह अजीब है कि दिमाग आपके साथ कैसे चालें चलता है। 25 साल के इस खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले राउंड में ही रिटायरमेंट ले लिया था, लेकिन तब से उन्होंने अच्छी फॉर्म हासिल कर ली है।

उन्होंने अपने पिछले 10 मैचों में से नौ जीते हैं, जिसमें मोंटपेलियर में एक टाइटल और रोटर्डम में रनर-अप फिनिश शामिल है।

ऑगर-अलियासिमे ने झांग के खिलाफ मिले सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए और पहले पांच मौके गंवाने के बाद आखिरकार टाई-ब्रेक में मैच जीत लिया। अब उनका सामना फ्रांस के जियोवानी मपेट्शी पेरीकार्ड से होगा, जिन्होंने ट्यूनीशिया के मोएज इचारगुई को तीन सेट में हराया। एक और पहले राउंड के मैच में, ब्रिटेन के जैक ड्रेपर ने फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस पर 7-6(8), 6-3 से जीत के साथ चोट से वापसी की। ड्रेपर, जो पिछले साल के US ओपन के बाद से बाहर थे।

जब हम खेलेंगे तो NRR मायने रखेगा : पार्थिव

- **भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 में अहमदाबाद में 76 रन से हार का सामना करना पड़ा**

नई दिल्ली, वार्ता। भारत को टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर 8 मैच में अहमदाबाद में 76 रन से हार का सामना करना पड़ा।

जियोस्टार के 'फॉलो द ब्लूज' पर बात करते हुए, जियोस्टार एक्सपर्ट पार्थिव पटेल ने भारत की हार, पावरप्ले में उनकी बैटिंग को लेकर चिंताओं और जिम्बाब्वे के खिलाफ अगले मैच के लिए प्लेइंग ग्प में संभावित बदलावों का विश्लेषण किया। पार्थिव पटेल ने भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की जीत पर कहा कि 12 मैचों की जीत का सिलसिला पक्का खत्म हो गया है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने बेहतर क्रिकेट खेला। मुझे लगा कि उन्होंने बहुत अच्छे से प्लान बनाया था और अपनी स्ट्रेटेजी को बहुत अच्छे से एग्जीक्यूट किया। हालांकि, हार का मार्जिन काफी है, और नेट रन-रेट निश्चित रूप से तब काम आएगा जब हम 1 मार्च को कोलकाता में वेस्ट इंडीज का सामना करने जाएंगे। यह दक्षिण अफ्रीका के लिए एक बड़ी जीत है, और यह सभी मुश्किलों के बावजूद मिली, यह देखते हुए कि इंडियन टीम जिस तरह से खेल रही थी। आपको दक्षिण अफ्रीका को क्रेडिट देना होगा। हां, उन्हें कुछ समय के लिए अहमदाबाद में खेलने का फायदा मिला, लेकिन यह हमारा घर है। जाहिर है, भारतीय टीम वापस जाकर यह देखना चाहेगी कि क्या उन्होंने चीजों को सिपल रखने के बजाय उन्हें कॉम्प्लिकेटेड बना दिया था। पावरप्ले में भारत को जरूरी शुरुआत नहीं मिलने पर पार्थिव पटेल ने कहा कि सिर्फ इस गेम में ही नहीं, बल्कि नामीबिया या अमेरिका और पाकिस्तान के ख लिाफ भी, हालांकि वह बैटिंग के लिए मुश्किल विकेट था, लेकिन जल्दी विकेट खोना भारत के लिए चिंता की बात रही है। जिस तरह से भारत ने पावरप्ले में विकेट खोए हैं, खासकर ऑफ-स्पिनरों के ख लिाफ, वह चिंता की बात है। इस बार यह मार्करम के लिए था। वे बहुत ज्यादा शॉट खेल रहे हैं, एंगल के ख लिाफ जा रहे हैं। शायद वे बैटिंग ऑर्डर में थोड़ा बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं, खासकर टॉप पर तीन लेफ्ट-हैंडर होने पर। वे सूर्यकुमार को नंबर तीन पर भेज सकते थे। मुझे लगा कि भारत इस गेम में ऐसा कर सकता था। जब आप हाई-रिस्क, हाई-रिवॉर्ड वाला गेम खेलते हैं, तो ऐसे दिन आना तय है। पटेल ने संजू सैमसन की प्लेइंग इलेवन में वापसी पर कहा कि मैं अक्षर पटेल को टीम में वापस आते देखना चाहूंगा। उन्होंने पहले भी अहम पारियां खेली हैं। हां, मैच-अप की भी अहमियत है, लेकिन मैं अक्षर पटेल को जरूर लाऊंगा। संजू सैमसन का भी सवाल है। चेन्नई में अब उनकी घर वापसी भी हो सकती है। यह कुछ ऐसा है जिस पर भारत जरूर विचार करेगा।

सुमित नागल ने बाजी मारी, दूसरे दौर में पहुंचे

पुणे, वार्ता। भारत के टॉप रैंक वाले टेनिस स्टार सुमित नागल ने मंगलवार को शिव छत्रपति क्रीड़ा संकुल, म्हालुंगे बालेवाड़ी टेनिस स्टेडियम में शानदार परफॉर्मेंस दी, जबकि लोकल टीनेजर और देश के उभरते हुए युवा खिलाड़ी मानस धमने ने हिम्मत दिखाते हुए भारतीय टीम को लीड किया। महा ओपन एटीपी चैलेंजर 75 मेन्स टेनिस चैंपियनशिप को महाराष्ट्र स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन ने महाराष्ट्र सरकार के खेल और युवा सेवा विभाग, के साथ मिलकर ऑर्गनाइज़ किया है और पुणे मेट्रोपॉलिटन रीजनल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने इसे स्पॉन्सर किया है। नागल ने जापान के सातवें सीड रियो नोगुची पर 6-1, 6-2 से शानदार जीत हासिल करके घर में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। उन्होंने एक घंटे 9 मिनट में बेसलाइन से खेल पर कंट्रोल करते हुए सीधे सेटों में मैच अपने नाम कर लिया। भारतीय नंबर 1 खिलाड़ी हर डिपार्टमेंट में तेज़ दिखे, लगातार सर्विस तोड़ते हुए आराम से दूसरे राउंड में पहुंचे।

जिम्बाब्वे-विंडीज टी-20 विश्व कप में ट्रॉफी वॉक को मिला समर्थन

- **इस वॉक ने खेल की शक्ति को बच्चों को प्रेरित करने और उनकी आवाज को वैश्विक मंच पर बुलंद करने पर प्रकाश डाला**

मुंबई, वार्ता। यूनिसेफ इंडिया की प्रतिनिधि सिथिया मैककैफ्री ने दो युवा खेल चैंपियंस - 13 वर्षीय आयुष नरसिंहलाल राम और 12 वर्षीय रिया देव नारायण त्रिपाठी (मुंबई) - के साथ सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में जिम्बाब्वे-वेस्ट इंडीज आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप मैच की शुरुआत में औपचारिक ट्रॉफी वॉक में भाग लिया।

इस वॉक ने खेल की शक्ति को बच्चों को प्रेरित करने और उनकी आवाज को वैश्विक मंच पर बुलंद करने पर प्रकाश डाला। यूनिसेफ और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) 2015 से क्रिकेट फॉर गुड पहल के तहत मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि क्रिकेट की पहुंच का उपयोग बच्चों के अधिकारों और कल्याण को समर्थन देने में किया जा सके। मौके पर बोलते हुए मैककैफ्री ने कहा कि यूनिसेफ और आईसीसी 'क्रिकेट फॉर गुड' साझेदारी के तहत बच्चों के लिए सकारात्मक बदलाव लाने की गहरी प्रतिब(ता साझा करते हैं। पिछले एक दशक में हमारी साझेदारी ने लाखों लोगों तक पहुंच बनाई है। इस वर्ष हम एक सशक्त संदेश 'चीयर फॉर चिल्ड्न' पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं ताकि हर बच्चे के खेलने के अधिकार को बढ़ावा दिया जा सके। यह बच्चों के लिए वास्तव में एक विशेष क्षण है, जब वे क्रिकेट चैंपियंस के साथ बातचीत करते हैं।

विंडीज की टी-20 वर्ल्ड कप में रिकॉर्ड जीत के बाद फोकस करने की अपील

अहमदाबाद, वार्ता। विंडीज पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान शाई होप ने अपनी टीम से टी-20 वर्ल्ड कप सुपर आठ स्टेज में जिम्बाब्वे पुरुष क्रिकेट टीम पर 107 रन से जीत हासिल करने वाली रिकॉर्ड-तोड़ बैटिंग के बावजूद मैदान पर डटे रहने की अपील की। वेस्टइंडीज ने 254/6 का स्कोर बनाया, जो पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में उनका सबसे बड़ा टोटल था, और श्रीलंका पुरुष क्रिकेट टीम के 260/6 के ऑल-टाइम टूर्नामेंट रिकॉर्ड से सिर्फ छह रन पीछे रह गया। शिमरा. न हेटमायर की जबरदस्त पारी ने पारी को संभाला, जिन्होंने सिर्फ 34 गेंदों पर 85 रन बनाए, जिसमें 19 गेंदों में एक तेज हाफ सेंचुरी भी शामिल थी, जिससे कैरेबियाई टीम ने जिम्बाब्वे को हरा दिया। वेस्टइंडीज के स्पिन अटैक ने फिर बैटिंग की कोशिशों को शानदार बॉलिंग परफॉर्मेंस से सपोर्ट किया।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

बुधवार, 25 फरवरी 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

तीसरी वार्ता पर नजर

एक तरफ जहां गुरुवार से अमेरिका और ईरान के बीच जिन. `वा में तीसरे दौर की बातचीत होने जा रही है, तो वहीं दूसरी तरफ जिस तरह के हालात बन रहे हैं, वह बिल्कुल भी आश्वस्त करते दिखाई नहीं दे रहे हैं। अमेरिका-ईरान की ही बात करें, एक तरफ वे वार्ता के माध्यम से किसी हल पर पहुं. चने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ युद्ध की तैयारी में भी लगे हुए हैं। अमेरिका जहां ईरान को घेरने के लिए अपने सबसे बड़े बेड़े व आधुनिक युद्ध पोतों से ईरान को घेरे हुए है, तो वहीं ईरान भी किसी भी हमले का जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार होने की बात कह रहा है। अब कोई भी समझ सकता है कि इस तरह के वातावरण में किसी भी वार्ता का क्या हल निकल सकता है। इसलिए लोग गुरुवार को होने वाली वार्ता के विषय में भी ज्यादा शांति की उम्मीद नहीं लगा रहे हैं। पश्चिम देश तो पहले से ही अपने नागरिकों को ईरान छोड़ने की नसीहत दे रहे हैं और अब भारत भी उन देशों में शामिल हो गया है, जिसको अपने नागरिकों की सुरक्षा की चिंता है। भारत ने भी कह दिया है कि जहां भी ईरान में भारतीय नागरिक हों, वे सुरक्षित स्थानों पर जमे रहें और संभव हो तो ईरान को तुरंत छोड़ दें। जाहिर है इस तरह की चेतावनियां तभी दी जाती हैं, जब हालातों के बिगड़ने का अंदेशा होता है। यूं तो अमनपसंद लोग यह चाहते हैं कि ईरान व अमेरिका के बीच परमाणु बेलेस्टिक मिसाइल को लेकर बढ़ता तनाव शांतिपूर्वक तरीके से कम हो जाए, अगर ऐसा नहीं होता, तो इसके बहुत विनाशकारी परिणाम सामने आ सकते हैं। अगर अमेरिका-ईरान के बीच टकराव होता है तो यह केवल दो देशों के बीच का टकराव नहीं होगा। अमेरिका के साथ जहां इजरायल व पश्चिमी देश खड़े दिखाई दे रहे हैं, तो वहीं ईरान के साथ रूस, चीन, उ. कोरिया जैसे देश ईरान को सहयोग देते दिखाई दे रहे हैं। रूस ने तो कह भी दिया है कि वह ईरान के साथ खड़ा है, तो वहीं चीन ने भी ईरान पर हमले की सूरत में गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। ऐसा नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति आज के समय की गंभीरता को नहीं समझते, अगर वह ऐसा न करते तो अब तक कभी का हमला कर चुके होते, लेकिन यहां दूसरी दिक्कत यह भी है कि दोनों ही पक्ष इतनी दूर तक आगे बढ़ चुके हैं जहां से पीछे लौटना इतना आसान भी नहीं है। हालांकि ईरान की इस बात के लिए प्रशंसा करनी होगी कि उसने तनाव कम करने के लिए परमाणु मुद्दों पर बात करने पर अपनी रजामंदी जाहिर की है और कहा है कि अगर उस पर से अमेरिका प्रतिबंध हटाता है तो वह यूरेनियम संवर्धन पर विचार कर सकता है। जबकि अमेरिका बेलेस्टिक मिसा. इल कार्यक्रम को बंद करने के लिए दबाव डाल रहा है। ईरान ने इससे साफ इन्कार कर दिया है, ऐसे में गेंद अब अमेरिका के पाले में है। वह शांति का रास्ता चुनता है या दुनिया को विनाश के रास्ते पर डालता है।

कांग्रेस डरने वाली नहीं है

कांग्रेस और उसके कार्यकर्ता नहीं, बल्कि श्री मोदी खुद डरपोक हैं जो संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेने से भी डरते हैं, उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर किसानों का नुकसान किया है और उसके खिलाफ जब युवा कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हैं, तो उन्हें डराने के लिए गिरफ्तार किया जाता है, लेकिन कांग्रेस डरने वाली नहीं है, युवा आज नौकरी के लिए तड़प रहे हैं और देश का माहौल खराब हो चुका है, जिसके कारण मोदी जी के प्रति लोगों में भारी रोष है, श्री ट्रम्प के सामने उन्होंने घुटने टेक दिए, नाक रगड़कर उनकी सारी शर्तों को मान लिया, जिससे पूरा देश शर्मिंदा हो गया। जो काम हमारे किसानों की भलाई और मदद के लिए किया जाना चाहिए था, उसकी बजाय किसानों का नुकसान करने की बात. चीत की गई।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

कानूनी ब्लैक होल्स की धारणा

30 अप्रैल 2020 के दिन नासा ने तीन निजी कंपनियों को 2024 का चंद्र अभियान पूरा करने के लिए 96.7 करोड़ डॉलर का एक संयुक्त ठेका दिया था। नासा के प्रशासक जिम ब्राइडेनस्टोन ने दावा किया था कि यह वह अंतिम मोहरा है जिसकी जरूरत अमेरिका को चंद्रमा तक पहुंचने के लिए थी। इस बात को मीडिया में तो खूब प्रसा. रित किया गया था, लेकिन इस बात पर बहुत कम चर्चा हुई थी कि अंतरिक्ष अभियानों को लेकर जो मौजूदा कानून संधियां हैं वे निजी कंपनियों के उपक्रमों पर किस हद तक लागू होते हैं। दरअसल, कॉर्पोरेट जगत द्वारा धरती से बाहर कदम जमाने के चलते आशाओं और चिंताओं दोनों को हवा मिली है। चिंताएं और आशाएं अंतरिक्ष में बढ़ते पूंजीगत निवेश के संभावित लाभों को लेकर हैं।

1967 में राष्ट्र संघ बाह्य अंतरिक्ष संधि OST मंजूर की गई थी। यह यूएस के तथाकथित नव-अंतरिक्ष किरदारों के उदय के संदर्भ में विश्लेषण का एक ढांचा माना गया था। इस लेख का तर्क है कि बाह्य अंतरिक्ष में निजी कंपनियों की मौजूदगी को लेकर कई महत्वपूर्ण कानूनी अस्पष्टताएं हैं। इन खामियों की वजह से ही यूएस सरकार को यह गुंजाइश मिली है कि वह OST के अंतर्गत अपने दायित्वों को दरकिनार कर सके और साथ ही संरचना को परिवर्तित करके अंतरिक्ष की वैश्विक साझा संसाधन की धारणा को ठेस पहुंचा सके। OST के अंदर अंतरिक्ष के संसाधनों को लेकर निजी संपदा अधिकारों को लेकर विशिष्ट प्रावधान न होने के कारण यह जोखिम पैदा हो रहा है कि धरती के संसाधनों में जो गैर-बराबरी है वह, और अंतरिक्ष में यूएस का दबदबा दोनों अंतरिक्ष के संसाधनों पर भी लागू हो जाएंगे। इस तरह से, अंतरिक्ष के लाभ एक व्यापक विश्व समुदाय की बजाय मुट्ठीभर धनवान अमेरिकी निवेशकों के हाथों में सिमट जाएंगे।

इसके अलावा, OST में अंतरिक्ष निरीक्षण के नियमन को लेकर जो कमजोर प्रावधान हैं, उनके चलते यूएस उपग्रहों के नेटवर्क global panopticon को बढ़ावा मिलेगा। दोहरे उपयोग वाली टेक्नॉलॉजी के उभार की वजह से सैन्य और नागरिक अवलोकनों के बीच का अंतर धुंधला पड़ रहा है। इसके चलते यूएस द्वारा अंतरिक्ष-आधारित डैटा संग्रह की प्रकृति को लेकर गंभीर नैतिक चिंताएं पैदा हुई हैं और अंतिम बात कि निजी उपग्रहों की बढ़ती संख्या इस बात की संभावना बढ़ा रही है कि अंतरिक्ष में फैले मलबे के बीच भयानक टक्करें होंगी और भू-राजनैतिक तनाव बढ़ेंगे। इस तरह के विकास की वजह से अंतरिक्ष में ऐसे अपमिश्रण की आशंका भी कई गुना बढ़ गई है, जिसकी कल्पना OST में नहीं की गई थी।

राष्ट्र संघ बाह्य अंतरिक्ष संधि और नव-अंतरिक्ष किरदार

हालांकि OST 1967 में अस्तित्व में आई थी, लेकिन संभवत: आज भी यही एक प्रासंगिक उपकरण है जिसके तहत बाह्य अंतरिक्ष में राज्य तथा गैर-राज्य गतिविधियों का विश्लेषण किया जा सके। शीत युद्ध के चरमोत्कर्ष पर अंतरिक्ष के सैन्यकरण तथा राष्ट्रों द्वारा आकाशीय पिंडों पर कब्जे, दोनों की रोकथाम के संदर्भ में OST का प्रमुख स्थान है। 100 से ज्यादा राष्ट्रों ने इसका अनुमोदन किया है, जिनमें यूएस, रूस व चीन जैसे प्रमुख अंतरिक्ष यात्री राष्ट्र शामिल हैं और इस प्रकार से यह संधि एक अधिकारिक दस्तावेज के तौर पर व्यापक रूप से मान्य है और यही बाद में बनने वाली अन्य अंतरिक्ष संधियों का आधार रही है। यह संधि बाद के दस्तावेजों से इस मायने में भिन्न है कि कई देश इन पर हस्ताक्षर करने से कतराते रहे हैं। उदाहरण के तौर पर 1972 की चंद्रमा संधि जिसका उद्देश्य चंद्र अभियानों और विकास में सहयोग को बढ़ावा देना है। बाह्य अंतरिक्ष के क्षेत्र में शामिल हो रहे अमेरिकी किरदारों में बहुत विविधता आई है। हालांकि ए 1950 के दशक से ही नासा के साथ काम करते रहे हैं, लेकिन तब व्यावसायिक उद्यम मूलत: रॉकेटों तथा अंतरिक्ष गतिविधियों से सम्बंधित अन्य पुर्जों का उत्पादन किया करते थे, लेकिन अपोलो 11 के चांद पर उतरने के बाद से नासा के बजट में कुल मिलाकर तेज गिरावट देखी गई और इसके साथ ही सरकारी कार्यों के निजीकरण की प्रवृत्ति भी बढ़ी। इसकी वजह से निजी अंतरिक्ष कंपनियों की क्षमताएं और नजरिया दोनों बदले हैं। एक ओर अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में विश्व स्तर पर विस्तार हो रहा है, वहीं 2012 से 2013 के दरम्यान सरकारों का खर्च 1.3 प्रतिशत कम हुआ है और व्यावसायिक क्षेत्र में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में विस्तार का प्रमुख जोर तथाकथित 'नव-अंतरिक्ष' किरदारों से आया है। यह मूलत: यूएस स्थित उद्यमी हैं जो 30 से अधिक वर्षों से अंतरिक्ष को व्यावसायिक क्षेत्र बनाने का प्रयास करते आए हैं। अर्थव्यवस्था के उदारवादी नजरिए से चालित और अंतरिक्ष खोजबीन में नासा की ऐतिहासिक पकड़ के आलोचक यह किरदार स्वयं को 'अंतिम मोर्चे' के अग्रणि किरदार कहते आए हैं जो निजी वित्तपोषित अंतरिक्ष अभियानों के जरिए मानवता को विलुप्ति से बचाएंगे।

पृथ्वी के नजदीकी पिंड और संसाधन का खनन, अंतरिक्ष में यूएस की निजी संपत्ति

अपोलो अभियानों की मदद से प्राप्त चंद्रमा की चट्टानों के नमूनों में हीलियम-3 जैसे दुर्लभ तत्व हैं जो पृथ्वी पर पारंपरिक नाभिकीय परमाणु बिजली घरों की अपेक्षा ज़्यादा बिजली पैदा कर सकते हैं और इनमें कचरा भी कम पैदा होगा। ऐसे ही संसाधनों ने धरती से परे

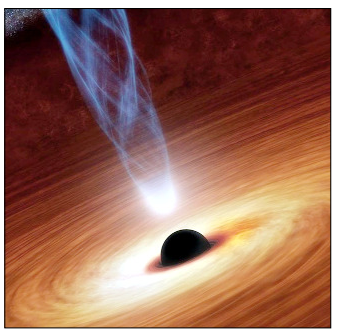

संसाधनों के खनन के लिए प्रलोभन-प्रोत्साहन प्रदान किया है। इस विचार को और बल मिला जब यह पता चला कि पृथ्वी के नजदीकी पिंडों (जैसे तथाकथित एंटेरॉस क्षुद्र ग्रह) में शायद पांच खरब डॉलर मूल्य का मैग्नीशियम सिलिकेट और एल्युमिनियम मौजूद है।

अंतरिक्ष-यात्री राष्ट्रों द्वारा अंतरिक्ष के संसाधनों पर कब्जा करने के ऐसे संभावित प्रयासों के मद्देनजर राष्ट्र संघ OST के अनुच्छेद II में घोषित किया गया था कि बाह्य अंतरिक्ष पर राष्ट्रीय संप्रभुता के आधार पर, कब्जा करके, उसका उपयोग करके या अन्य किसी तरीके से, अधिग्रहित करने की अनुमति नहीं है। राष्ट्रीय संप्रभुता के दावों पर जोर देने का मुख्य सरोकार उस समय जारी शीत युद्ध के माहौल से था, जब अंतरिक्ष गतिविधियां पूरी तरह सरकारी संस्थाओं का एकाधिकार थीं और इन्हें सैन्य वर्चस्व या राष्ट्रीय प्रतिष्ठा के उद्देश्य से शुरू किया जाता था। अलबत्ता, 1980 के दशक से अंतरिक्ष उद्योग के निजीकरण का अर्थ हुआ है कि उक्त कानून में अंतरिक्ष में संसाधनों के निजी दोहन के नियमन को लेकर कई कानूनी अस्पष्टताएं हैं और व्याख्या की गुंजाइश है। जैसा कि एम. शेयर ने दर्शाया है, अनुच्छेद आईआई इस समस्या को संबोधित करने में असफल रहता है कि अंतरिक्ष का दोहन वित्तीय लाभ के लिए करने पर या निजी उद्योग द्वारा उस पर अपना अधिकार जताने पर क्या किया जाएगा। बहरहाल, राष्ट्र संघ संधि का अनुच्छेद VI कहता है राष्ट्रीय अंतरिक्ष गतिविधियों के लिए राज्य जिम्मेदार होगा, चाहे वे गतिविधियां सरकारी एजेंसी द्वारा की जाएं या गैर-सरकारी एजेंसियों द्वारा। कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह अनुच्छेद निजी अंतरिक्ष कॉर्पोरेशन्स की गतिविधियों पर काफी अंकुश लगा सकता है, क्योंकि इसके अंतर्गत निजी एजेंसियों की गतिविधियों का दायित्व भी राज्य पर होगा। अलबत्ता, यूएस सरकार ने हाल ही में एक कानून लागू किया है जिसमें इस अनुच्छेद का फायदा उठाया गया है ताकि अपने प्रतिबंधों को बायपास कर सके और अंतरिक्ष में यूएस के आर्थिक दबदबे को मजबूत कर सके। 2015 के यूएस अंतरिक्ष कानून के पारित होने से यूएस के नागरिकों को अंतरिक्ष से प्राप्त हुए संसाधनों को अपने पास रखने, उनके स्वामित्व, परिवहन और बिक्री का अधिकार मिल गया है अर्थात इसमें सावधानीपूर्वक राष्ट्रीय संप्रभुता के दावे को छोड़ दिया गया है। तो, चाहे वह कोई अमेरिकी निजी कंपनी हो या सार्वजनिक उद्यम हो, यूएस अपने भू-राजनैतिक हितों की पूर्ति कर रहा है जिसके लिए वह अमेरिकी लाभ के लिए अंतरिक्ष के संसाधनों को समेट रहा है। इस तरह से राष्ट्र की सॉफ्ट शक्ति में चीन जैसे अंतरिक्ष-यात्री देशों की कीमत पर इजाफा हो रहा है। दरअसल, नव-अंतरिक्ष किरदारों ने विधेयक के पारित होने से पहले इन सामरिक सरोकारों को चतुराई से उछाला था। जैसे अरबपति अंतरिक्ष उद्यमी रॉबर्ट बिजलो ने दावा किया था कि सबसे बड़ा खतरा चांद पर निजी उद्यमियों से नहीं है बल्कि इस बात से है कि अमेरिका सोता रहे, कुछ न करे जबकि चीन आगे आए। सर्वेक्षण करे और ख्वांद पर, दावा ठोंक दे।

यूएस सरकार द्वारा निजी कंपनियों को समर्थन से संभावना है कि संपदा में पृथ्वी-आधारित गैर-बराबरी को अंतरिक्ष में मजबूत किया जाएगा। कई नव-अंतरिक्ष किरदार अंतरिक्ष में अपनी दीर्घावधि महत्वाकांक्षाओं को मानवीय सुर में ढालते हैं। जैसे, वे यह वादा करेंगे कि वे मानव जाति को आसन्न विलुप्ति के खतरे से बचाने के लिए अंतरिक्ष में बस्तियां बनाएंगे। अलबत्ता, इस तरह का विमर्श शायद ही उनकी खालिस निजी प्रकृति को छुपा सके। वे यह कहते नजर आते हैं कि पूरे मामले में आम नागरिकों का हित जुड़ा है लेकिन हकीकत यह है कि ए अंतरिक्ष अग्रदूत वास्तव में एक छोटे से ब्रह्मांडीय आभिजात्य समूह के सदस्य हैं, Amazon.com, Microsoft, Pay Pal के संस्थापक और तरह-तरह के गेम डिजाइनर तथा होटल व्यवसाई। वास्तव में, निजी अंतरिक्ष उद्यमियों ने स्वयं सुझाव दिया है कि उन पर कोई दायित्व नहीं होना चाहिए कि वे अंतरिक्ष से प्राप्त खनिज संसाधनों को विश्व समुदाय के साथ साझा करें। यह बात नाथन इंग्राहम (टेकसाइट Engad.steroid mining के वरिष्ठ संपादक) के भाषण में साफ प्रतिबिंबित हुई थी। उन्होंने कहा था कि क्षुद्रग्रह खनन कैसा होगा यह इस बात पर निर्भर है कि हअमेरिका अंतरिक्ष में कैसे आगे बढ़ता है और अगली वेगास स्ट्रिप कैसे विकसित करता है। ऐसी टिप्पणियां उस चीज को रेखांकित करती हैं जिसे बीयरी 'स्केलर पोलिटिक्स' कहते हैं।

...साभार एस.एस.

कैसे बचना है एड्स से, बस यही जरूरी है

एड्स से बचाव

एड्स से बचाव के लिए सामान्य व्यक्ति को एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के वीर्य, योनि स्राव अथवा रक्त के संपर्क में आने से बचना चाहिए। साथ ही साथ एड्स से बचाव के लिए निम्नलिखित सावधानियां बरतनी चाहिए। पीड़ित साथी या व्यक्ति के साथ योनि सम्बन्ध स्थापित नहीं करना चाहिए, अगर कर रहे हों तो सावधानीपूर्वक कंडोम का प्रयोग करना चाहिए, लेकिन कंडोम इस्तेमाल करने में भी कंडोम के फटने का खतरा रहता है और अपने जीवनसाथी के प्रति वफादार रहें, एक से अधिक व्यक्ति से यौन संबंध ना रखें। खून को अच्छी तरह जांचकर ही उसे चढ़ाना चाहिए। कई बार बिना जांच के खून मरीज को चढ़ा दिया जाता है जो कि गलत है। इसलिए डॉक्टर को खून चढ़ाने से पहले पता करना चाहिए कि कहीं खून एचआईवी दूषित तो नहीं है।

एड्स का मतलब है उपार्जित प्रतिरक्षा अपूर्णता सहलक्षण एड्स मानव प्रतिरक्षा अपूर्णता विषाणु से होता है। जो कि मानव की प्राकृतिक प्रतिरोधी क्षमता को कमजोर करता है। एचआईवी शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता पर आक्रमण करता है, जिसका काम शरीर को संक्रामक बीमारियों, जो कि जीवाणु और विषाणु से होती हैं से बचाना होता है। एचआईवी रक्त में उपस्थित प्रतिरोधी पदार्थ लसीका-कोशो पर हमला करता है। यह पदार्थ मानव को जीवाणु और विषाणु जनित बीमारियों से बचाते हैं और शरीर की रक्षा करते हैं। जब एचआईवी द्वारा आक्रमण करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता क्षय होने लगती है, तो इस सुरक्षा कवच के बिना एड्स पीड़ित लोग भयानक बीमारियों क्षय रोग और कैंसर आदि से पीड़ित हो जाते हैं और शरीर को कई अवसरवादी संक्रमण यानि आम सर्दी जुकाम, फुफ्फुस प्रदाह इत्यादि घेर लेते हैं। जब क्षय और कर्क रोग शरीर को घेर लेते हैं, तो उनका इलाज करना कठिन हो जाता है और मरीज की मृत्यु भी हो सकती है।

एड्स कैसे फैलता है

अगर एक सामान्य व्यक्ति एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के वीर्य, योनि स्राव अथवा रक्त के संपर्क में आता है, तो उसे एड्स हो सकता है। आमतौर पर लोग एचआईवी पॉजिटिव होने को एड्स समझ लेते हैं, जो कि गलत है, बल्कि एचआईवी पॉजिटिव होने के 8-10 साल के अंदर जब संक्रमित व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता क्षीण हो जाती है। तब उसे घातक रोग घेर लेते हैं और इस स्थिति को एड्स कहते हैं। एड्स ज्यादातर चार माध्यमों से होता है।

पीड़ित व्यक्ति के साथ असुरक्षित योनि सम्बन्ध स्थापित करने से। दूषित रक्त से, संक्रमित सुई के उपयोग से, एड्स संक्रमित मां से उसके होने वाली संतान को।

एड्स के लक्षण

एचआईवी से संक्रमित लोगों में लम्बे समय तक एड्स के कोई लक्षण दिखाई नहीं देते। लंबे समय तक (3, 6 महीने या अधिक) एचआईवी का भी औषधिक परीक्षण से पता नहीं लग पाता। अधिकतर एड्स के मरीजों को सर्दी, जुकाम या विषाणु बुखार हो जाता है पर इससे एड्स होने का पता नहीं लगाया जा सकता। एचआईवी वायरस का संक्रमण होने के बाद उसका शरीर में धीरे-धीरे फैलना शुरू होता है। जब वायरस का संक्रमण शरीर में अधिक हो जाता है, उस समय बीमारी के लक्षण दिखाई देते हैं। एड्स के लक्षण दिखने में आठ से दस साल का समय भी लग सकता है। ऐसे व्यक्ति को, जिसके शरीर में एचआईवी वायरस हों पर एड्स के लक्षण प्रकट न हुए हों, एचआईवी पॉजिटिव कहा जाता है।

एड्स के कुछ प्रारंभिक लक्षण

वजन का काफी हद तक काम हो जाना, लगातार खांसी बने रहना, बार-बार जुकाम का होना, बुखार, सिरदर्द, थकान, शरीर पर निशान बनना, हैजा, भोजन से अरूचि, लसीकाओं में सूजन, ध्यान रहे कि ऊपर दिए गए लक्षण अन्य सामान्य रोगों के भी हो सकते हैं। अत: एड्स की निश्चित रूप से पहचान केवल और केवल, औषधीय परीक्षण से ही की जा सकती है व की जानी चाहिए। एचआईवी की उपस्थिति का पता लगाने हेतु मुख्यत:

एंजाइम लिंक्ड इम्यूनोएब्जॉर्बेंट एसेस यानि एलिसा टेस्ट किया जाता है।

एड्स के बारे में फैली हुई भ्रांतियां

बहुत सारे लोग समझते हैं कि एड्स पीड़ित व्यक्ति के साथ खाने, पीने, उठने, बैठने से हो जाता है जो कि गलत है। यह समाज में एड्स के बारे में फैली हुई भ्रांतियां हैं। सच तो यह है कि रोजमर्रा के सामाजिक संपर्कों से एचआईवी नहीं फैलता जैसे कि पीड़ित के साथ खाने-पीने से, बर्तनों की साझीदारी से, हाथ मिलाने या गले मिलने से, एक ही टॉयलेट का प्रयोग करने से, मच्छर या अन्य कीड़ों के काटने से, पशुओं के काटने से, खांसी या छींकों से, एड्स का उपचार, एड्स के उपचार में एंटी रेट्रोवाइ. रल थेरपी दवाइयों का उपयोग किया जाता है। इन दवाइयों का मुख्य उद्देश्य एचआईवी के प्रभाव को काम करना, शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना और अवसरवादी रोगों को ठीक करना होता है। समय के साथ-साथ वैज्ञानिक एड्स की नई-नई दवाइयों की खोज कर रहे हैं, लेकिन सच कहा जाए तो एड्स से बचाव ही एड्स का बेहतर इलाज है।

मानव पहले से इतना हिंसक था!

मानवविज्ञानियों के बीच यह बहस का विषय रहा है कि क्या मनुष्य सदा से इतना ही क्रूर और हिंसक था, या पहले कम हिंसक था और अब अधिक हो गया है और इस मामले में दो मत रहे हैं-पहला, खेती की शुरुआत होने के पहले तक मानव सभ्यताएं शांत-स्वभावी थीं और मैत्रीपूर्ण माहौल थाय दूसरा, कृषि के पहले मानव बस्तियां क्रूर थीं और लड़ने को तत्पर थीं, और जब उन्होंने मिल-जुल कर खेती करना शुरू किया तो शांतिपूर्ण हो गईं, लेकिन इनमें से किसी भी मत के पक्ष में ठोस सबूत नहीं मिले थे और दोनों ही मतों पर संदेह बना रहा। हालिया अध्ययन इसी सवाल पर कोई मत बनाने का प्रयास है और निष्कर्ष है कि इतिहास में मनुष्य की प्रवृत्ति को किसी एक खांचे, अधिक शांत या अधिक हिंसक, में नहीं रखा जा सकता। कोई मानव समाज कब-कितना हिंसक रहा इसे एक सीधी ऊपर जाती या सीधी नीचे उतरती रेखा से नहीं दर्शाया जा सकता है। बार्सिलोना विश्वविद्यालय के आर्थिक इतिहासकार जियोकोमो बेनाटी और उनके साथियों द्वारा नेचर ह्यूमन बिहेवियर में प्रकाशित नतीजों के अनुसार, दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग कारणों से कई बार हिंसा भड़की और शांति बनी। इन निष्कर्षों तक पहुंचने के लिए शोधकर्ताओं ने वर्तमान तुर्की, ईरान, इराक, सीरिया, लेबनान, इस्राइल और जॉर्डन में खुदाई में पाए गए कंकालों का विश्लेषण किया। अध्ययन में इन स्थानों पर 12,000 ईसा पूर्व से 400 ईसा पूर्व काल तक के 3500 से अधिक मानव कंकालों को देखा गया। उन्होंने पाया कि मानव समाज में सामाजिक-आर्थिक उथल-पुथल और बदलती जलवायु के दौर में पारस्परिक हिंसा अधिक दिखती है-मुख्य रूप से सिर पर आघात के मामले काफी मिलते हैं। फिर शोधकर्ताओं ने उन खोपड़ियों को ध्यान से देखा जो टोपी-किनारे की रेखा के ऊपर क्षतिग्रस्त हुई थीं। टोपी-किनारे की रेखा कपाल पर एक ऐसी काल्पनिक रेखा है जिसके आधार पर मानवविज्ञानी बताते हैं कि चोट किसी दुर्घटना के कारण लगी है या इरादतन प्रहार किया गया था। मसलन गिरने के कारण लगने वाली चोटें आंख, नाक और भौंह के आसपास लगती हैं, जबकि खोपड़ी के ऊपरी हिस्से पर चोट किसी प्रहार के कारण लगती है। इसके अलावा उन्होंने हथियार से संबंधी चोटों की पुष्टि के लिए कंकाल के अन्य हिस्सों की भी जांच की, जैसे कि घोंपने के निशान या बचाव करते समय हड्डी में आया फ्रैक्चर वगैरह। हालांकि, शोधकर्ताओं ने चोट के इन

निशानों पर कम भरोसा किया, क्योंकि इनमें यह पहचानना मुश्किल है कि यह निशान प्रहार के नतीजे हैं या दुर्घटना के। फिर भी विश्लेषण से यह पता चलता है कि प्राचीन मध्य पूर्व में हिंसा 6500 से 5300 साल पहले तक ताम्रपाषाण युग के दौरान चरम पर थी। इसके बाद प्रारंभिक और मध्य कांस्य युग के दौरान यह बहुत कम हो गई क्योंकि समूहों ने आक्रामक व्यवहार को नियंत्रित करने की अपनी क्षमता को मजबूत कर लिया था। लौह युग की शुरुआत में, करीब 3000 साल पहले, फिर से बढ़ गई थी।

मध्य पूर्वी क्षेत्र में ताम्रपाषाण काल एक संक्रमणकाल था। बस्तियां फैल रही थीं, राज्य बनने लगे थे, और लकड़ी व पत्थर के औजारों की जगह धातु के औजार लेते जा रहे थे। बढ़ती आबादी, अधिक हकदारी तथा बेहतर हथियारों के चलते हिंसा बढ़ने लगी। इसी तरह, लौह युग में हथियारों की गुणवत्ता कांस्य युग से बेहतर हो गई थी और असीरियन साम्राज्य के सत्ता में आने के साथ ही राजनैतिक पुनर्गठन भी हुआ था। और तो और, राजनैतिक और तकनीकी उथल-पुथल के अलावा यह क्षेत्र एक बड़े जलवायु परिवर्तन से भी गुजरा . करीब 300 साल लंबा सूखा पड़ा, जिसने हजारों लोगों को विस्थापित कर दिया और भीषण अकाल पड़ा। यह निष्कर्ष वर्तमान जलवायु परिवर्तन सम्बंधी चुनौती के लिए एक कड़ी चेतावनी देते हैं। कई विशेषज्ञों की चिंता है कि जैसे-जैसे पृथ्वी का तापमान बढ़ेगा, वैसे-वैसे मनुष्यों में हिंसक संघर्ष भी बढ़ेगा, लेकिन साथ ही शोधकर्ता अपने नतीजों के बारे मे आगाह भी करते हैं कि ए नतीजे समूह के व्यवहार को दर्शाते हैं, ए एक व्यक्ति के दूसरे व्यक्ति से बर्ताव के बारे में नहीं हैं। अलबत्ता, इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि चरम जलवायु घटनाओं से संघर्ष उपज सकता है। लेकिन इस बात के भी प्रमाण हैं कि जब ऐसी संस्थाएं मौजूद होती हैं जो हिंसा को कम कर सकती हैं तो संघर्ष को कम किया जा सकता है। बहरहाल, इतिहास से सबक लेकर ऐहतियात बरतने और संघर्षों को टालने की योजना बनाने में कोई बुराई नहीं है।

आक्रामक नर मेंढक से बचाव

प्रजनन के लिए मेंढक प्रजातियों में नर दो में से किसी एक रणनीति उपयोग करते हैं - या तो वे किसी जगह बैठकर मादा को पुकारते हैं और उनके आने का इंतजार करते हैं, या वे लगातार मादा की तलाश करते हैं और कम समय में अधिक से अधिक मादाओं के साथ संभोग करने की कोशिश करते हैं। अधिक से अधिक मैथुन करने के प्रयास में अक्सर, एक ही मादा पर कई नर चढ़ जाते हैं जिससे मेंढकों का गुत्थमगुत्था सा ढेर बन जाता है, जो मादा को गंभीर रूप से घायल कर सकता है और उसकी जान तक जा सकती है। यूरोपीय मेंढक Rana temporaria संभोग के लिए यही दूसरी रणनीति अपनाते हैं। सर्दियों की लंबी शीतनिद्रा से जागने के बाद युरोपीय नर मेंढक संभोग के लिए मादाओं के पीछे भागते हैं, उन्हें डराते हैं और उन्हें संभोग के लिए मजबूर करते हैं। चूंकि नर मेंढकों की संख्या मादाओं से काफी अधिक होती है इसलिए हालात मादाओं के लिए और भी बुरे हो जाते हैं। वैज्ञानिकों को अब तक लगता था कि नर के इस संभोग हमले से बचने में मादा असहाय होती है, लेकिन रॉयल सोसायटी बी में प्रकाशित नतीजों से पता चलता है कि ए मादाएं इतनी भी असहाय नहीं होती और अवांछित संभोग से बचने के लिए वे कई युक्तियां अपनाती हैं-जैसे वे शरीर को घुमाकर नर के चंगुल से निकल भागती हैं, नर होने का स्वांग रचती हैं, यहां तक कि मरने का नाटक भी करती हैं। इस बात का पता वैकासिक और व्यवहार जीवविज्ञानी कैरोलिन डीट्रिच को तब लगा जब वे युरोपीय मेंढकों में एक अन्य बात की जांच कर रही थी . चूंकि बड़ी साइज की मादाएं अधिक अंडे दे सकती हैं तो क्या नर मेंढक संभोग के लिए शरीर की साइज के आधार पर मादा साथी चुनते हैं? शोधकर्ताओं को नर का किसी विशिष्ट डील-डौल वाली मादा के प्रति झुकाव तो नहीं दिखा, लेकिन उन्होंने पाया कि मादाएं अवांछित नर से बचने के लिए मुख्यत: तीन रणनीति अपना रही थीं। अधिकतर मामलों में वे पानी में नर के नीचे अपने शरीर को घुमाकर उसकी बाहों से निकलने का प्रयास कर रही थीं। मादाएं नर को मूर्ख भी बना रही थीं। वे इस बात का भी फायदा उठाती हैं कि नर संभोग-साथी के मामले में ज़्यादा नखरैल नहीं होते। अधिक से अधिक संभोग के चक्कर में युरोपीय नर मेंढकों का जिससे भी सामना होता है वे उसके साथ संभोग कर लेते हैं। यहां तक कि वे अन्य नरों के साथ, युरो. पीय मादा मेंढक की तरह दिखने वाले युरोपीय भेक यानी टोड के साथ, और यहां तक कि सर्वथा अलग प्रकार के उभयचरों के साथ भी संभोग कर लेते हैं। अब कोई नर मेंढक दूसरे नर पर चढ़ने की कोशिश करता है तो दूसरा मेंढक घुरघुराने की आवाज निकाल कर गलती का एहसास कराता है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान में सैन्य हेलीकॉप्टर हादसे में चार लोगों की मौत

तेहरान। ईरान के इस्फहान प्रांत में मंगलवार सुबह सेना का एक हेलीकॉप्टर फल और सब्जी मंडी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे चार लोगों की मौत हो गई। अर्ध-सरकारी संवाद समिति फार्स ने यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार सुबह 9:09 बजे विमान बाजार के स्टाल से टकराया, जिससे पायलट, सह-पायलट और दो विक्रेताओं की मौत हो गई। प्रांतीय आपातकालीन चिकित्सा सेवा संगठन के प्रमुख अली नसीरी के हवाले से फार्स ने बताया कि घटना के तुरंत बाद चार एम्बुलेंस मौके पर भेजी गईं।

जापान में बस और कार की टक्कर, नौ बच्चों सहित 14 घायल

टोक्यो। जापान के फुकुओका प्रान्त में मंगलवार सुबह एक स्कूली बच्चों की बस और कार के बीच हुई भिड़ंत में 14 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हादसा ओन्गा शहर के एक चौराहे पर स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 9 बजे हुआ। इस दुर्घटना में घायल होने वालों में शुरूआती कक्षाओं में पढ़ रहे नौ बच्चे, स्कूल के 4 कर्मचारी और कार का चालक शामिल है। सभी घायलों को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है ताकि दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके।

भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच 'वज्र प्रहार' अभ्यास कल से

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका की सैनिक टुकड़ियों के बीच बुधवार से हिमाचल प्रदेश के बकलोह स्थित स्पेशल फोर्स ट्रेनिंग स्कूल में शुरू होने वाले अभ्यास 'वज्र प्रहार' में हिस्सा लेने के लिए अमेरिकी दल भारत पहुंच गया है। तीन सप्ताह तक चलने वाले इस अभ्यास में भारतीय सेना की ओर से स्पेशल फोर्स इकाई के 45 सैनिक हिस्सा ले रहे हैं जबकि अमेरिका की ओर से वहां की स्पेशल फोर्स ग्रीन बेरेट्स के 12 सैनिक शामिल होंगे।

गर्लफ्रेंड का पीछा कर ड्रग माफिया तक पहुंची सेना

एल मेंचो की मौत से मेक्सिको के 20 राज्यों में भड़की हिंसा, अब तक 25 सैनिक समेत 25 की मौत

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। मेक्सिको के रक्षा मंत्री रिकार्डो ट्रेविला के मुताबिक मेंचो की लोकेशन का पता उसकी गर्लफ्रेंड के जरिए चला। सेना उसे लंबे समय से ट्रैक कर रही थी।

कई जगह रोडब्लॉक लगाए गाड़ियों और 20 से ज्यादा सरकारी बैंक शाखाओं में आग लगा दी गई

एल मेंचो की मौत के बाद भी हिंसक प्रदर्शन हुए। बीबीसी के मुताबिक मेंचो के समर्थकों ने 20 राज्यों में हिंसा फैला दी। कई जगह रोडब्लाक लगाए, गाड़ियों और 20 से ज्यादा सरकारी बैंक शाखाओं में आग लगा दी गई। जालिस्को में लॉकडाउन के हालात हैं। ये शहर फीफा 2026 के मेजबान शहरों में शामिल है। अलग-अलग शहरों में कम से कम 32 मौतें हुई हैं, जिसमें 25 सैनिक शामिल है। ऑपरेशन के दौरान सेना ने बख्तरबंद गाड़ियां और राकेट लान्चर सहित बड़ी संख्या में हथियार जब्त किए। सेना के ऑपरेशन के दौरान एल मेंचो घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा अन्य 8 अपराधी भी मारे गए। ट्रेविला ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि खुफिया एजेंसियों ने एल मेंचो की गर्लफ्रेंड से जुड़े एक भरोसेमंद साथी की पहचान की थी। उसकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। इसी व्यक्ति ने एल मेंचो की प्रेमिका को जालिस्को के पास एक कंपाउंड में पहुंचाया था, जिसका पीछा करते-करते सेना कैंपस तक पहुंच गई। जब महिला वहां से निकली तो अधिकारियों को यकीन हो गया कि भारी सुरक्षा के बीच एल मेंचो कंपाउंड के अंदर ही मौजूद है। इसके बाद सुरक्षाबलों ने तुरंत ऑपरेशन शुरू कर दिया और एक दिन बाद पूरे इलाके को घेर लिया। उन्होंने बताया कि सेना की घेराबंदी के दौरान मेंचो के वफादार बंदूकधारियों ने सेना पर फायरिंग शुरू कर दी। सेना ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें मेंचो घायल हो गया। उसके साथी उसे लेकर पास के जंगल में भाग गए। काफी मशक्कत के बाद सैनिकों ने उसे खोज निकाला। घायल माफिया को हेलिकाप्टर से मेडिकल सेंटर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने और उसके दो बाडीगार्ड ने दम तोड़ दिया। न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एल मेंचो, जालिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) का प्रमुख था। जालिस्को कार्टेल मेक्सिको में ड्रग्स बनाने और बेचने, स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है। इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपये का इनाम रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प काफी समय से मेक्सिको पर एल मेंचो पर एक्शन लेने का दबाव बना रहे थे।

बारामूला। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में आयोजित 'खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026' में महिलाओं की स्की पर्वतारोहण वर्टिकल सपर्धा के दौरान प्रतिभागी।

कंबोडिया ने 3541 वर्ग किलोमीटर जमीन से दबीं बारूदी सुरंगें हटाई

नाम पेन्ह। कंबोडिया ने बीते 33 वर्षों में बारूदी सुरंगों और युद्ध के विस्फोटक अवशेषों (ईआरडब्ल्यू) से भरी लगभग 3,541 वर्ग किलोमीटर भूमि को साफ करने में सफलता हासिल की है। प्रधानमंत्री हुन मानेट ने मंगलवार को यह जानकारी राष्ट्रीय बारूदी सुरंग जागरूकता दिवस के अवसर पर दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस अवधि के दौरान 12 लाख से अधिक बारूदी सुरंगों, 26700 टैंक रोधी सुरंगे और 32.4 लाख से अधिक ईआरडब्ल्यू खोजकर नष्ट किए गए हैं। उन्होंने बताया कि साफ की गई भूमि में से 78 प्रतिशत का उपयोग खेती के कामों के लिए, पांच प्रतिशत बुनियादी ढांचे और 17 प्रतिशत आवास, गांवों, स्कूलों और स्वास्थ्य केन्द्रों सहित अन्य उद्देश्यों के लिए किया गया है।

ट्रम्प के इमरजेंसी टैरिफ की वसूली आज से बंद

समझौते से पीछे हटने वाले देशों को ट्रम्प की धमकी, कहा: गेम मत खेलो, ऊंचे टैरिफ लगाऊंगा

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार आज से राष्ट्रपति ट्रम्प की तरफ से लगाए गए इमरजेंसी टैरिफ की वसूली बंद कर देगी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टैरिफ समझौते से पीछे हटने वाले देशों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील के नाम पर यदि किसी देश ने अमेरिका के साथ 'गेम' खेलने की कोशिश की उसके नतीजे बुरे होंगे साथ ही और ऊंचे टैरिफ लगाए जाएंगे। दरअसल, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 3 दिन पहले इन टैरिफ को गैरकानूनी बताया गया था।

ट्रेड डील के नाम पर यदि किसी देश ने अमेरिका के साथ 'गेम' खेलने की कोशिश की उसके नतीजे बुरे होंगे साथ ही और ऊंचे टैरिफ लगाए जाएंगे: ट्रम्प

अमेरिकी यूएस कस्टम एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीपीबी) ने एक बयान में कहा कि1977 के कानून इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनामिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत लगाए गए टैरिफ की वसूली मंगलवार रात 12 बजकर 1 मिनट (भारतीय समयानुसार सुबह 10.30 बजे) से बंद कर दी जाएगी। एजेंसी ने इम्पोर्ट्स को निर्देश दिया है कि इन टैरिफ से जुड़े सभी कोड उसके पेन व्हार्टन बजट माडल के अर्थशास्त्रियों के मुताबिक कोर्ट से इस फैसले से अमेरिकी सरकार को 175 अरब डालर (15.75 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा की कमाई वापस करनी पड़ सकती है। रायटर्स के मुताबिक, आईईईपीए के तहत लगाए गए टैरिफ से अमेरिका की हर दिन 50 करोड़ डालर (4,500 करोड़ रुपये) से ज्यादा की कमाई हो रही थी। अब इन्हें रद्द किए जाने के बाद कंपनियां रिफंड की मांग कर सकती हैं। ट्रूथ सोशल पर ट्रम्प ने कहा कि कई देशों ने अमेरिका को व्यापार में बरसों तक नुकसान पहुंचाया है। ट्रम्प का बयान ऐसे समय पर आया है, जब मंगलवार से भारत समेत सभी देशों पर 15 प्रतिशत टैरिफ शुरू हो जाएगा। दरअसल, कुछ देश 15 प्रतिशत टैरिफ का विरोध कर रहे हैं। ट्रम्प ने ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों से ट्रेड डील कर 10 प्रतिशत अमेरिकी बेस लाइन टैरिफ चुकाने पर सहमति जताई थी। अब 15 प्रतिशत टैरिफ चुकाना पड़ेगा। इन देशों का कहना है कि ट्रेड डील में जब 10 प्रतिशत टैरिफ पर करार हुआ है तो वे ज्यादा टैरिफ नहीं चुकाएंगे। इस पर ट्रम्प प्रशासन ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने ग्लोबल टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद कहा कि इस फैसले से उल्टा उनकी ताकत और बढ़ गई है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि सुप्रीम कोर्ट ने अनजाने में उन्हें पहले से ज्यादा अधिकार दे दिए हैं। ट्रम्प ने कहा कि मैं कुछ समय तक 'सुप्रीम कोर्ट' स्माल लेटर में लिखूंगा, क्योंकि मुझे इस फैसले का सम्मान नहीं रहा। उन्होंने फैसले को मूर्खतापूर्ण और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बांटने वाला बताया। इसके बावजूद ट्रम्प का कहना है कि इस फैसले ने यह साफ कर दिया है कि वह दूसरे कानूनों के तहत टैरिफ लगाने की अपनी ताकत का और ज्यादा इस्तेमाल कर सकते हैं। कोर्ट ने बाकी बचे टैरिफ को कानूनीतौर पर मजबूत कर दिया है और अब वह उन्हें और ज्यादा सख्त तरीके से लागू कर सकते हैं। ट्रम्प ने यह भी कहा कि वह लाइसेंस जैसे तरीकों का इस्तेमाल करके देशों के खिलाफ कड़े कदम उठा सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि कोर्ट ने बाकी सभी टैरिफ को मंजूरी दे दी है और ऐसे टैरिफ की संख्या काफी ज्यादा है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के तीन दिन से ज्यादा समय बाद लागू किया जा रहा है। एजेंसी ने यह नहीं बताया कि इन तीन दिनों में टैरिफ क्यों वसूले जाते रहे। यह भी साफ नहीं किया गया है कि जिन लोगों से पैसा लिया गया है, उन्हें वह वापस मिलेगा या नहीं। यह आदेश सिर्फ आईईईपीए कानून के तहत लगाए गए टैरिफ पर लागू होगा। जबकि नेशनल सिक्टोरिटी के नाम पर 'सेक्शन 232' के तहत और अनफेयर ट्रेड केस के 'सेक्शन 301' के तहत लगाए गए टैरिफ जारी रहेंगे और उन पर इस फैसले का कोई असर नहीं पड़ेगा। सीपीबी ने कहा है कि वह व्यापार से जुड़े लोगों को आगे की जानकारी आधिकारिक संदेशों के जरिए देती रहेगी।

मुझे नहीं पता, कब तक जिंदा रहूंगा: ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि मैं कब तक जिंदा रहूंगा, यह मुझे नहीं पता। मैं बहुत लोगों की गोली के निशाने पर हूं। ट्रम्प ने वाइट हाउस में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान यह बात कही। ट्रम्प के इस बयान को दो दिन पहले उनके रिजार्ट में हुई घुसपैठ से जोड़ा जा रहा है।

बहुत लोगों के निशाने पर, दो दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति के रिजार्ट में घुसा था शख्स

दरअसल, रविवार को एक शख्स डोनाल्ड ट्रम्प के मार-ए-लागो रिजार्ट में घुसने की कोशिश कर रहा था। सुरक्षाकर्मियों ने गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। घटना स्थानीय समयानुसार रविवार रात 1.30 बजे हुई। राष्ट्रपति की सुरक्षा करने वाली एजेंसी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि युवक गैरकानूनी तरीके से सुरक्षित इलाके में घुसने की कोशिश कर रहा था। वह अपने साथ शाटगन और फ्यूल केन लेकर आया था। मारे गए युवक की उम्र 20 साल थी, वह नार्थ कैरोलीना का रहने वाला था। फिलहाल उसकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। मामले की जांच जारी है। घटना के वक्त राष्ट्रपति ट्रम्प वाशिंगटन डीसी में वाइट हाउस में मौजूद थे। आमतौर पर वह वीकेंड पर मार-ए-लागो में समय बिताते हैं। अधिकारियों ने युवक से बरामद हुई शाटगन की एक तस्वीर जारी की है। इसमें एक लाल फ्यूल केन भी दिख रही है। सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि रिजार्ट के नार्थ गेट से एक कार के बाहर निकल रही थी, इसी दौरान युवक ने अंदर घुसने की कोशिश की। उसके पास शाटगन और फ्यूल केन थी। सीक्रेट सर्विस के दो एजेंट्स ने उसे रोका और उससे हथियार और केन गिराने को कहा गया।

पलाऊ ने प्रशांत क्षेत्र में पहली बार ओपन आरएएन किया तैनात

वाशिंगटन। पलाऊ ने प्रशांत क्षेत्र में पहली बार ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क (ओपन आरएएन) तकनीक की राष्ट्रव्यापी तैनाती की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पलाऊ नेशनल कम्युनिकेशंस कॉरपोरेशन (पीएनसीसी) ने इस परियोजना के लिए तीन अमेरिकी आपूर्तिकर्ताओं के चयन की घोषणा की है, जिससे यह प्रशांत क्षेत्र में इस तरह की पहली पहल बन गई है। यह उपलब्धि पलाऊ को प्रशांत द्वीप देशों में दूरसंचार नवाचार के अगुआ के तौर पर स्थापित करती है और सुरक्षित, विश्वसनीय तथा लचीले डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए एक क्षेत्रीय मानक तय करती है। प्रशांत क्षेत्र के पहले ओपन आरएएन नेटवर्क के रूप में यह पहल भौगोलिक रूप से बिखरे द्वीप राष्ट्रों में अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी को आगे बढ़ाने में पलाऊ की नेतृत्व भूमिका को दर्शाती है। नई नेटवर्क व्यवस्था से सुरक्षित 4जी और 5जी सेवाएं मजबूत होंगी, डिजिटल आपूर्ति श्रृंखला की लचीलापन बढ़ेगा और अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए व्यावसायिक अवसरों का विस्तार होगा। ओपन आरएएन के जरिए विक्रेताओं में विविधता और बेहतर इंटरऑपरेबिलिटी संभव होगी।

भेड़ियों से मवेशियों की रक्षा के लिए किसान चला सकेंगे गोली

पेरिस। फ्रांस में भेड़ियों की बढ़ती आबादी और पालतू मवेशियों पर उनके बढ़ते हमलों को देखते हुए सरकार ने कहा है कि किसान अब हमलावर भेड़ियों को अपनी बंदूक का निशाना बना सकेंगे। कृषि मंत्री एनी जेनेवर्ड ने बताया कि सरकार ने इस मसले पर बना कानून अब बदल दिया है।

किसान अपने मवेशियों की हिफाजत के लिए भेड़ियों को गोली मार सकेंगे। किसान को तभी गोली दागने का अधिकार होगा, जब उसके पशु बाड़े में सुरक्षित हों या उसने दूसरे सुरक्षा उपाय अपना रखे हों। रेडियो फ्रांस इंटरनेशनल ने खबर दी है कि अब तक के नियमों के अनुसार, किसानों को भेड़ियों पर गोली चलाने की अनुमति तभी मिलती थी, जब उन्होंने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हों। अब सरकार ने इसे 'हकीकत के साथ तालमेल' बताते हुए बदल दिया है। हालांकि, जो किसान इन छूटों का लाभ उठाएंगे, उन्हें एक साल के भीतर सुरक्षा प्रणाली स्थापित करने की प्रतिबद्धता देनी होगी। साल 2025 में फ्रांस में भेड़ियों के हमलों में लगभग 12,000 पालतू जानवर मारे गए। भेड़िए अब फ्रांस के 60 से अधिक इलाकों में फैल चुके हैं, जबकि पहले वे केवल 10 क्षेत्र तक सीमित थे। सरकार ने 2026 के लिए भेड़ियों को मारने का संख्या बढ़ाकर कुल तादाद (1082) का 21 प्रतिशत कर दिया है। इसका मतलब है कि इस साल लगभग 248 भेड़ियों को मारा जा सकेगा।

अमेरिका के न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर के टायलेट जाम

45 मिनट लाइन में लगना पड़ रहा, मरम्मत के लिए टेक्नीशियन और सैनिकों में झड़प

तेल अवीव। ईरान की तरफ बढ़ रहा अमेरिकी न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर यूएस जेराल्ड फोर्ड एक अलग ही संकट से जूझ रहा है। जहाज के ज्यादातर टायलेट जाम हो चुके हैं।

पिछले साल मार्च में भी चार दिन में 205 टायलेट खराब होने की शिकायत सामने आई थी

इससे 4500 से ज्यादा नौसैनिकों को रोज 45 मिनट तक लाइन में लगना पड़ रहा है। संकरी पाइपलाइन और वैक्यूम-बेस्ड सिस्टम की डिजाइन में खामी के चलते टायलेट बार-बार जाम हो रहे हैं। जहाज वैक्यूम-बेस्ड सीवेज सिस्टम पर चलता है, जिसमें एक वाल्व खराब होने से पूरे डिपार्टमेंट का टायलेट सिस्टम बंद हो जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टेक्नीशियन और सैनिकों के बीच झड़प की भी खबर है, क्योंकि मरम्मत करने वाले इंजीनियर रोज लगभग 19 घंटे काम कर रहे हैं। पिछले साल मार्च में भी चार दिन में 205 टायलेट खराब होने की शिकायत सामने आई थी। यूएस जेराल्ड फोर्ड 600 से ज्यादा मौजूद है, जो 10 अलग-अलग जोन में बंटे हैं। यह एयरक्राफ्ट कैरियर बीते आठ महीने से समुद्र में है, लगातार आपरेशनल मूवमेंट की वजह से रूटीन मेंटेनेंस नहीं हो पाया है। करीब 13 बिलियन डालर की लागत से बना यह युद्धपोत दुनिया का सबसे महंगा माना जाता है। इस एयरक्राफ्ट कैरियर को 2017 में कमीशन किया गया था। सीवेज समस्या के पीछे जिस तकनीक का जिक्र हो रहा है, उसे वैक्यूम-बेस्ड वीसीएचटी सिस्टम कहा जाता है। यह आम घरों में इस्तेमाल होने वाले टायलेट सिस्टम से बिल्कुल अलग तरीके से काम करता है। वीसीएचटी का पूरा नाम वैक्यूम कलेक्शन, होल्डिंग एंड ट्रांसफर सिस्टम है। यह खास तरह का सीवेज मैनेजमेंट सिस्टम होता है, जो बड़े जहाजों और क्रूज शिप में लगाया जाता है। इसका मकसद कम पानी में टायलेट वेस्ट को इकट्ठा करना और सुरक्षित तरीके से स्टोर व ट्रांसफर करना होता है। घर के टायलेट में फ्लश करने पर पानी के दबाव और गुरुत्वाकर्षण (ग्रैविटी) से गंदगी नीचे सीवर में चली जाती है। लेकिन समुद्र में चलने वाले जहाजों पर ऐसा सिस्टम पूरी तरह कारगर नहीं होता वीसीएचटी सिस्टम में फ्लश दबाते ही पाइप में वैक्यूम (सक्शन) बनता है। यह सक्शन गंदगी को खींचकर पाइप के जरिए एक बड़े टैंक तक पहुंचा देता है।

लागोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आग लगने से छह घायल

लागोस। नाइजीरिया के शहर लागोस में मुर्तला मुहम्मद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एमएमआईए) के ओल्ड टर्मिनल-1 में सोमवार को आग लग गई, लेकिन एयरपोर्ट प्रबंधन ने बिना किसी बड़े नुकसान के इस पर काबू पा लिया और उड़ान परिचालन पूरी तरह बहाल कर दिया गया।

लागोस के एयरपोर्ट पुलिस कमान ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। कमान के जनसंपर्क अधिकारी एएसपी मोहम्मद अदेओला द्वारा जारी बयान में कहा गया कि 23 फरवरी को हुई इस घटना को सफलतापूर्वक नियंत्रित कर लिया गया। आग की घटना के कारण उड़ान परिचालन बाधित हुआ था, कई यात्री फंस गए थे और कुछ अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों को मोड़ना पड़ा था, क्योंकि इससे कंट्रोल टावर की गतिविधियां प्रभावित हुई थीं। आग बुझाने के दौरान टर्मिनल के कुछ हिस्सों से घना धुआं उठता देखा गया और दमकलकर्मियों को कई घंटों तक मशक्कत करनी पड़ी। कमान ने बताया कि उसी दिन बाद में स्थिति को स्थिर कर लिया गया। बयान में कहा गया कि एयरपोर्ट पुलिस कमान, इकेजा, लागोस, जनता को सूचित करते हुए प्रसन्नता व्यक्त करता है कि मुर्तला मुहम्मद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के ओल्ड टर्मिनल-1 भवन में लगी आग को सफलतापूर्वक काबू में कर लिया गया है। अदेओला ने कहा कि ओल्ड टर्मिनल भवन के एक हिस्से में लगी आग को सभी संबंधित एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से पूरी तरह बुझा दिया गया।

चीन ने 2020 में छिपकर न्यूक्लियर टेस्ट किया: अमेरिका

वॉशिंगटन ने कहा: 6 साल में 400 परमाणु हथियार बनाए

वाशिंगटन। अमेरिका और चीन के बीच परमाणु हथियारों को लेकर तनाव फिर से बढ़ गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि चीन ने छह साल पहले 2020 में एक सीक्रेट न्यूक्लियर टेस्ट किया था।

2030 तक 1000 से ज्यादा होंगे, चीन का आरोप-अमेरिका खुद परीक्षण शुरू करना चाहता है

अमेरिकी विदेश विभाग के सहायक सचिव क्रिस्टोफर येव ने कहा कि 22 जून 2020 को चीन के पश्चिमी इलाके में स्थित लोप नूर में अंडरग्राउंड न्यूक्लियर टेस्ट सेंटर पर एक विस्फोट हुआ था। यह विस्फोट 2.75 तीव्रता का था, जिसकी जानकारी पड़ोसी देश कजाकिस्तान के स्टेशन से मिली। येव ने इसे एक परमाणु विस्फोट बताया। उन्होंने कहा कि भूकंप माइनिंग विस्फोट से अलग थे। यह एक सिंगल फायर एक्सप्लोजन की तरह था, जो परमाणु परीक्षण की निशानी है। येव ने कहा कि चीन ने जानबूझकर अपनी परमाणु ताकत बढ़ाई है। उन्होंने बताया कि 2020 से अब तक चीन के परमाणु हथियार 200 से बढ़कर 600 से ज्यादा हो गए हैं। अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या 1000 से ऊपर पहुंच जाएगी। यह दावा ऐसे समय में आया है जब इस महीने अमेरिका और रूस के बीच का आखिरी बड़ा परमाणु समझौता न्यू स्टार्ट संधि खत्म हो गया है। इस संधि के खत्म होने के साथ ही दुनिया की दो सबसे बड़ी परमाणु शक्तियों के हथियारों पर लगी सीमाएं हट गई हैं, जिससे नए न्यूक्लियर हथियारों की दौड़ की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका अब चीन और रूस से पारदर्शिता और खतरनाक हथियारों को सीमित करने की मांग कर रहा है, जबकि चीन इन आरोपों को बेबुनियाद बता रहा है। येव ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र समर्थित निरस्त्रीकरण (हथियारों का त्याग) कान्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि न्यू स्टार्ट समझौते की सबसे बड़ी कमी यह थी कि इसमें चीन के तेजी से बढ़ते और गोपनीय परमाणु कार्यक्रम को शामिल नहीं किया गया। पिछले कुछ सालों में परमाणु हथियारों को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई विवाद हुए हैं। 2010 में अमेरिका और रूस ने न्यू स्टार्ट संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जो दोनों देशों के रणनीतिक परमाणु हथियारों की संख्या को सीमित करती थी। इस संधि के तहत दोनों देशों को अपने परमाणु वारहेड्स को 1550 तक सीमित रखना था और मिसाइलों और बाम्बर्स की संख्या पर भी पाबंदी थी। इस संधि में रूस के गैर-रणनीतिक परमाणु हथियारों, जैसे छोटी दूरी के हथियारों को शामिल नहीं किया गया था। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में अमेरिका, रूस और चीन के बीच तीन तरफा परमाणु समझौते की कोशिश की थी, लेकिन यह असफल रही।

भारत-जर्मनी के उद्योग जगत के बीच बाधाओं को दूर करता आईजीएसटीसी: डॉ. कुसुमिता

नई दिल्ली। भारत-जर्मन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (आईजीएसटीसी) की निदेशक डॉ. कुसुमिता अरोरा ने कहा कि आईजीएसटीसी भारत और जर्मनी दोनों के शिक्षाविदों और उद्योग जगत को एकजुट करके विभिन्न क्षेत्रों के बीच की बाधाओं को दूर करता है।

भारत-जर्मन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र ने आज यहां 'एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन' पर रणनीतिक सम्मेलन 2026 का आयोजन किया। इस अवसर पर आईजीएसटीसी की निदेशक डॉ. कुसुमिता अरोरा ने कहा कि यह सम्मेलन प्रमुख हितधारकों यानी सरकारी क्षेत्र की हस्तियों, संरक्षण विशेषज्ञों, अकादमिक अनुसंधानकर्ताओं और उद्योग जगत के विशेषज्ञों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है। आईजीएसटीसी भारत और जर्मनी दोनों के शिक्षाविदों और उद्योग जगत को एकजुट करके विभिन्न क्षेत्रों के बीच की बाधाओं को दूर करता है।

यह अनूठा सहयोग सुनिश्चित करता है कि अनुसंधान केवल जर्नलों तक सीमित न रहे, बल्कि सीधे औद्योगिक समाधानों और सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर में परिवर्तित हो। भारत का जलपुरुष के रूप में विख्यात डॉ. राजेंद्र सिंह ने सामुदायिक नेतृत्व वाले जल संरक्षण मॉडल और जल संचयन में पारंपरिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने नदियों के जीर्णोद्धार, पारंपरिक जलाशयों के पुनरुद्धार और स्थानीय समुदायों को जल संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए सशक्त बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि जल प्रशासन जन-केंद्रित होना चाहिए।